RNI No. : MPHIN/2010/38129 | MP/IDC/1375/2020-22 | www.hariyalikeraste.com | email : hariyalikeraste2010@gmail.com

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 11 » अंक : 11-12 » सितंबर-अक्टूबर 2021 » मूल्य : 40 रु.

कृषि में कीर्तिमान गढ़ता मध्यप्रदेश

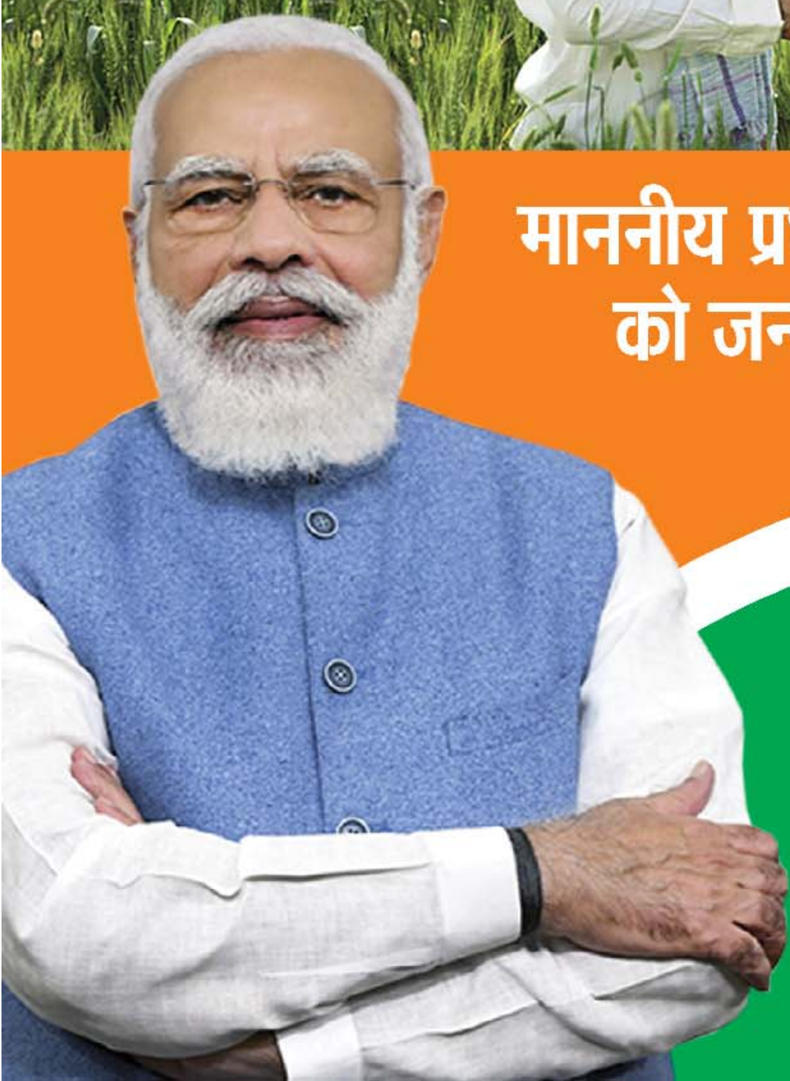

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिवस की बधाइयाँ

देश के विकास में सहकारिता की भूमिका

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिवस की अनेक बधाइयाँ

स्वतंत्रता दिवस की 74 वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

सौजन्य से
श्री प्रेमसिंह हाड़ा (शा.प्र. बोड़ा)
श्री मेहताबसिंह राजपूत (शा.प्र. तलेन)
श्री पवन कुमार गुप्ता (शा.प्र. खुजनेर)

श्री गणेश सोनकुसरे
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री हर्ष दीक्षित (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री दिलीप चौहान (प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बोड़ा, जि.राजगढ़ श्री वीरेन्द्र कुमार सुमन (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. तलेन, जि.राजगढ़ श्री भूपेन्द्रसिंह उमठ (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. भ्याना, जि.राजगढ़ श्री जयप्रकाश विजयवर्गीय (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. उमरी, जि.राजगढ़ श्री उत्तम कुमार भानेरिया (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. परसूखेड़ी, जि.राजगढ़ श्री कमलसिंह यादव (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. चिड़लावनिया, जि.राजगढ़ श्री भारत सिंह (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. मंडावर, जि.राजगढ़ श्री वीरेन्द्र कुमार सुमन (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. नाहली, जि.राजगढ़ श्री हरिसिंह राजपूत (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. खुजनेर, जि.राजगढ़ श्री मुकेश सोलंकी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. सूकली, जि.राजगढ़ श्री रामचरण यादव (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बावड़ीखेड़ा, जि.राजगढ़ श्री बिहारीलाल कोसवाल (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. संडावता, जि.राजगढ़ श्री मुकेश सोलंकी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. ढाबला, जि.राजगढ़ श्री विक्रमसिंह चावड़ा (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. टिकोद, जि.राजगढ़ श्री कमलसिंह यादव (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. धामन्दा, जि.राजगढ़ श्री मुकेश सोलंकी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. भैसाना, जि.राजगढ़ श्री रमेशचंद्र यादव (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. पाडल्या आंजना, जि.राजगढ़ श्री जितेन्द्र भारद्वाज (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बखेड़, जि.राजगढ़ श्री जयप्रकाश विजयवर्गीय (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. हिनोत्या, जि.राजगढ़ श्री कमलेन्द्रसिंह मकवाना (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. तुर्कीपुरा, जि.राजगढ़ श्री नरेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. पाटक्या, जि.राजगढ़ श्री मथुरालाल नागर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. इकलेरा, जि.राजगढ़ श्री इंदरसिंह राजपूत (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. लिम्बोदा, जि.राजगढ़ श्री जयप्रकाश विजयवर्गीय (प्रबंधक)	प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. टूली, जि.राजगढ़ श्री रोडमल कुंभकार (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

» वर्ष : 11 » अंक : 11-12 » सितंबर-अक्टूबर 2021 » मूल्य : 40 रु.

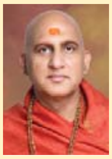

» विशेष संरक्षक : जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर अनन्त श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज

» संरक्षक : विष्णु नारायण त्रिपाठी

» प्रधान संपादक : बृजेश त्रिपाठी

» प्रबंध संपादक : अर्चना त्रिपाठी

» सलाहकार मंडल :

व्ही.जी. धर्माधिकारी (सेवानिवृत्त सचिव एवं आयुक्त सहकारिता)
एल.डी. पंडित (सहकारी विशेषज्ञ)
सुशील मिश्र (पूर्व अपर आयुक्त सहकारिता)
मणिशंकर उपाध्याय (कृषि विशेषज्ञ)
एम.एस. भटनागर (कृषि रत्न, बीज विशेषज्ञ, सलाहकार बीज संघ)
सुरेशचंद्र ताम्रकर (वरिष्ठ पत्रकार)
डॉ. आर.ए. शर्मा (पूर्व डीन, कृषि महाविद्यालय, इंदौर)
डॉ. वी.एन. श्रॉफ (कृषि वैज्ञानिक)
यशोवर्धन पाठक (व्याख्याता जबलपुर)
पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक' (अध्यक्ष, म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद)
डॉ. राजीव शर्मा (प्रोफेसर एवं कवि, इंदौर)
डॉ. भरत शर्मा (समाजसेवी)
हरप्रसाद मोदी (वरिष्ठ पत्रकार, झाँसी-ललितपुर)
अरुण के. बंसल (फ्यूचर पॉइंट प्रा.लि., नई दिल्ली)
पं. रतन वशिष्ठ (ज्योतिषाचार्य एवं कथावाचक)
लेफ्टिनेंट कर्नल अजय (वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य)
कैप्टन (डॉ.) लेखराज शर्मा (ज्योतिषाचार्य)

» विशेष संवाददाता

इंदौर-उज्जैन संभाग : परीक्षित शर्मा (मो. 7999692727)
भोपाल संभाग : शिवम त्रिपाठी (मो. 9669779674)
होशंगाबाद संभाग : धनराज मालवीय (मो. 9827744248)
छत्तीसगढ़ (रायपुर) : पी.एल. चुरहे (मो. 7389652211)

» प्रकाशक : बृजेश त्रिपाठी

111/ए-ब्लॉक, शहनाई-II रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 8989991569, 9752558186

» लेआउट-डिजाइन : नितिन पंजाबी (मो. 9893126800)
ई-मेल : nitinpunjabi5@gmail.com

» मुद्रक : वी.एम. ग्राफिक्स
के-29, एल.आय.जी. कॉलोनी, इंदौर

3 विश्व राजनीति में भारत

11 जीवन के विभिन्न आयामों को पर्यटन से जोड़ रहा मप्र

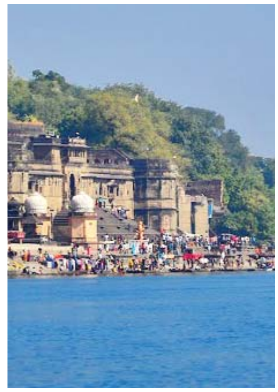

13 प्रतिरोध की राजनीति के बीच गाँधी की प्रासंगिकता

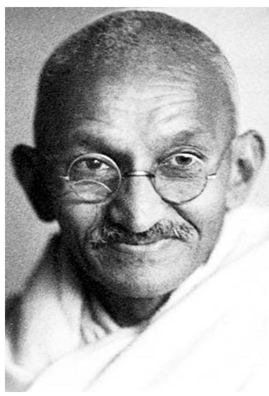

21 गेहूँ उत्पादन की नई तकनीक

35 ग्वालियर आगमन पर सिंधिया का भव्य स्वागत

60 दीपिका को ग्लोबल अचीवर्स अवार्ड

संपादकीय

सहकार से समृद्धि की ओर

केंद्र में सहकारिता के लिए पृथक मंत्रालय के गठन के बाद राजधानी नई दिल्ली में पहला राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन आयोजित किया गया। केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में देश भर के सहकारिता दिग्गजों ने शिरकत की। सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने चेतावनी भरे लहजे में कहा-अब लापरवाही का समय समाप्त हो गया। अब प्राथमिकता का समय है। सहकार से समृद्धि हमारा नया मंत्र है। सब मिलकर सहकारिता को आगे बढ़ाएं। सहकारिता की समृद्धि में देश की समृद्धि निहित है। जब जब देश पर संकट आया सहकारिता ने संकटमोचन की भूमिका अदा की है। सहकारिता देश की रग रग में व्याप्त है। संस्कारों में बसी है। सहकारिता कभी अप्रासंगिक नहीं हो सकती। अमित शाह जो गृहमंत्री भी हैं कठोर अनुशासन के लिए विख्यात हैं। उनके नेतृत्व में निश्चित ही सहकारिता के स्वरूप में परिवर्तन अवश्यंभावी है। जब से केंद्र में पृथक सहकारिता मंत्रालय बना है और उसकी कमान अमित शाह जैसे कड़े फैसले लेने वाले कूटनीतिक नेता को सौंपी गई है देश के सहकारिता जगत में हलचल मच गई है। शरद पंवार जैसे सहकारिता दिग्गज अनेक बार शाह के दरबार में कार्निश बजा चुके हैं। भ्रष्ट सहकारिता नेताओं में हड़कंप मचा है। राजनीतिक हलकों में इस बात की चर्चा खूब चल रही है कि शाह सहकारिता में मची लूट को समाप्त कर इसकी स्वच्छता का अभियान शुरू करेंगे। देश में लंबे समय तक कांग्रेस सत्ता में रही और इस दौरान सहकारिता जगत पर उनके चाहने वालों का ही प्रभुत्व रहा। केंद्र और अनेक राज्यों में भाजपा शासित सरकारें बनने के बावजूद सहकारिता जगत में वांछित परिवर्तन नहीं हो पाया था। अमित शाह के नेतृत्व में अब इसी कार्य को अंजाम तक पहुंचाने का मोदी सरकार का इरादा है। सहकारिता में मौजूद भ्रष्ट तत्वों को निकाल कर इसे स्वच्छ बनाया जाएगा ताकि सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम जनता तक सीधे सीधे पहुंच सके। एक तरह से यह अगले आम चुनाव के लिए धरातल तैयार करने की कवायद है। इसी दिशा में यह राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन महत्वपूर्ण कड़ी बताया जा रहा है। देश में यह इस तरह का पहला सम्मेलन है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने इस सम्मेलन में घोषित किया कि 2022 में आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई सहकारिता नीति लागू करने जा रहे हैं। यह अटलजी द्वारा 2002 में घोषित सहकारिता नीति की अगली कड़ी होगी। श्री शाह ने घोषणा की कि पांच ट्रिलियन डॉलर की इकानामी का प्रधानमंत्री का स्वप्न सहकारिता के माध्यम से साकार किया जाएगा। इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में आयोजित इस सम्मेलन में करीब दो हजार सहकारिता कर्मी उपस्थित थे और 5 करोड़ 82 लाख वर्चुअल माध्यम से जुड़े। उल्लेखनीय है कि भारत में 36 लाख करोड़ परिवार सहकारिता से जुड़े हैं। 91 प्रतिशत गांवों में सहकारिता समितियों का अस्तित्व है। इसलिए देश के विकास में सहकारिता बहुत बड़ी भूमिका अदा कर सकती है। मोदी सरकार ने इस नब्ज़ को पकड़ा है और पृथक सहकारिता मंत्रालय का गठन इसी मकसद से किया गया है।

बृजेश त्रिपाठी

विश्व राजनीति में भारत

हर्ष कक्कड़

सेवानिवृत्त मेजर जनरल

भारतीय प्रधानमंत्री ने वाशिंगटन से अपनी अमेरिका यात्रा की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कंपनियों के सीईओ के साथ बातचीत की, तो क्वाड के नेताओं और क्वाड देशों के शासनाध्यक्षों से बात की, तो अमेरिकी राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति से भी उनका संवाद हुआ। इस दौरान एकाधिक अवसरों पर आतंकवाद के सहयोगी के रूप में पाकिस्तान की भूमिका सामने आई।

हर साल संयुक्त राष्ट्र महासभा का सितंबर का सत्र वैश्विक राजनीति का केंद्र बिंदु बन जाता है। सत्र के अंतराल में विभिन्न वैश्विक मंच मिलकर प्रस्ताव पारित करते हैं, जिनमें से ज्यादातर अर्थहीन होते हैं। राष्ट्रीय नेतागण संबोधन के अधिकार के तहत नकली और काल्पनिक झड़पों को आधार बनाकर अपने पड़ोसी देशों पर आरोप लगाते हैं और महासभा के मंच का दुरुपयोग करते हैं। कुछ नेता एक ही मुद्दे को सालोंसाल आधार बनाते हैं।

संयुक्त राष्ट्र का बाहरी हिस्सा विरोध प्रदर्शन करने वाले विभिन्न समूहों से भरा होता है। इस बार संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में यह सब तो खैर दिखा ही, कुछ दूसरे कारणों से भी यह सत्र उल्लेखनीय रहा। जैसे कि अफगानिस्तान की नई अंतरिम सरकार ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में बोलने की अनुमति मांगी, जिसे खारिज कर दिया गया। नई सरकार संयुक्त राष्ट्र में अपने मौजूदा स्थायी प्रतिनिधि को भी हटाना चाह रही थी, पर उसकी यह मांग भी खारिज कर दी गई। इसी दौरान होने वाला सार्क विदेश मंत्रियों का सालाना सम्मेलन भी इस बार अंतिम समय में रद्द कर दिया गया, क्योंकि पाकिस्तान इसमें तालिबान की अंतरिम सरकार के प्रतिनिधि को भी शामिल करने का अनुरोध कर रहा था। पर सार्क के बाकी देशों ने सर्वसम्मति से इस सुझाव को खारिज कर दिया, क्योंकि इनमें से किसी ने भी उसे मान्यता नहीं दी है।

ऐसे ही, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने पनडुब्बी समझौते में से फ्रांस को जिस तरह बाहर कर दिया है, इस पर फ्रांस के प्रतिनिधि ने महासभा के मंच से नाराजगी जताई। इसके जवाब में उन्होंने फ्रांस-भारत और ऑस्ट्रेलिया की संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र के दौरान होने वाली सालाना बैठक रद्द कर दी। उल्लेखनीय है कि जी-20 की बैठक में भी चीन के विदेश मंत्री ने अफगानिस्तान पर लगाए गए एकतरफा प्रतिबंध हटाने और आपातकालीन इस्तेमाल के लिए अफगानिस्तान के संचित कोष का नई सरकार द्वारा इस्तेमाल करने की अनुमति देने की मांग की थी। लेकिन इस मुद्दे पर चीन के रुख से दूसरे देश सहमत नहीं हैं।

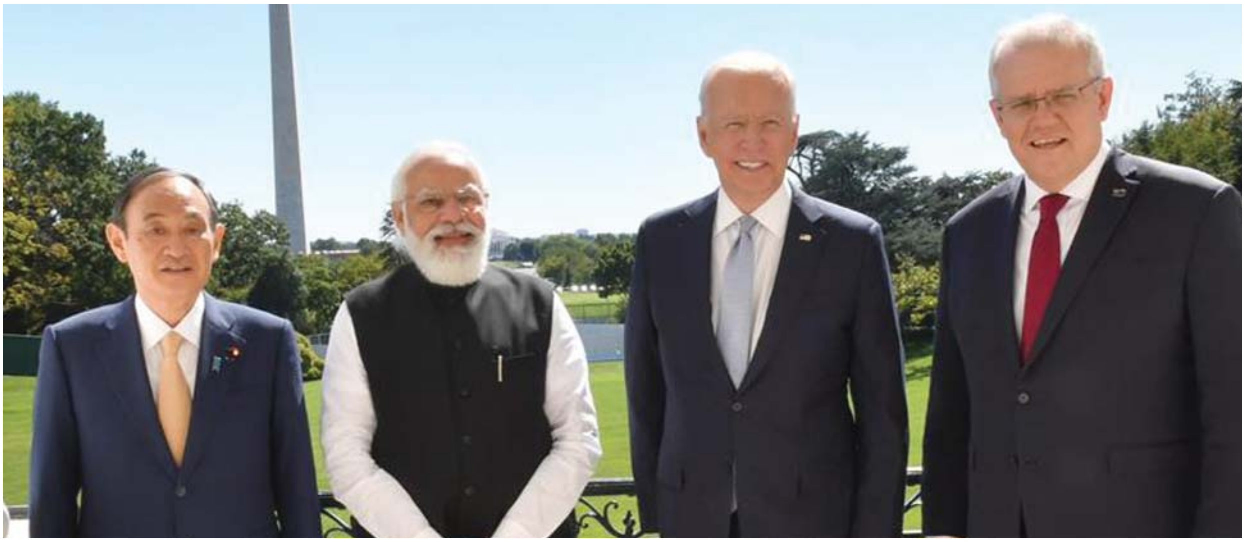

वाशिंगटन डीसी, अमेरिका में क्वाड शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जो बाइडेन, जापान के प्रधानमंत्री श्री योशीहिदे सुगा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री श्री स्कॉट मॉरिसन।

भारतीय प्रधानमंत्री ने वाशिंगटन से अपनी अमेरिका यात्रा की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कंपनियों के सीईओ के साथ बातचीत की, तो क्वाड के नेताओं और क्वाड देशों के शासनाध्यक्षों से बात की, तो अमेरिकी राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति से भी उनका संवाद हुआ। इस दौरान एकाधिक अवसरों पर आतंकवाद के सहयोगी के रूप में पाकिस्तान की भूमिका सामने आई। अमेरिकी प्रेस ने इस पर भी काफी लिखा कि अमेरिका को नरेंद्र मोदी से मानवाधिकार और हिंदू राष्ट्रवाद पर सख्त सवाल पूछने चाहिए। हालांकि भारत अमेरिका का प्रमुख साथी और मजबूत क्वाड सहयोगी है। क्वाड देशों के शासनाध्यक्षों की मुलाकात सबसे उल्लेखनीय रही, जिसकी मेजबानी जो बाइडन ने की। इसके साझा बयान में कहा गया कि क्वाड विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है, तथा निकट भविष्य में और शक्तिशाली बनकर उभरेगा।

जैसा कि अपेक्षित था, चीन ने इसके प्रतिकूल टिप्पणी की। उसका मानना है कि यह संगठन उसके खिलाफ है। जहां तक पाकिस्तान की बात है, तो अमेरिका की उपेक्षा को देखते हुए इमरान खान न्यूयॉर्क नहीं गए और महासभा की बैठक को वर्चुअली संबोधित किया। इमरान वहां जाते, तो अमेरिका में रह रहे अफगानियों और वैश्विक मानवाधिकार कार्यकर्ताओं द्वारा उनका तीखा विरोध किया जाता, क्योंकि वे जानते हैं कि अफगानिस्तान की मौजूदा अस्थिरता के लिए पाकिस्तान जिम्मेदार है।

चूंकि नरेंद्र मोदी ने वाशिंगटन में बाइडन समेत दुनिया के तमाम ताकतवर नेताओं और लोगों से मुलाकात की, ऐसे में, उनके प्रतिद्वंद्वी इमरान को अपनी उपेक्षा और भी कचोटती। हालांकि पाक विदेश मंत्री एसएम कुरैशी न्यूयॉर्क गए और कहा कि तालिबान सरकार ने दोहा समझौते का भले पालन न किया हो, पर विश्व समुदाय को उससे रिश्ता कायम करना चाहिए। उनका प्रस्ताव खारिज हो गया।

ऐसे में, अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन से कुरैशी की मुलाकात ही पाकिस्तान के अखबारों के लिए उपलब्धि थी। पर उस मुलाकात के बाद दोनों तरफ के बयान में फर्क देखा गया। मुलाकात के बाद अपने ट्वीट में ब्लिंकन ने अफगानिस्तान का जिक्र किया, जबकि कुरैशी का कहना था कि ब्लिंकन से कश्मीर और अमेरिका के साथ पाकिस्तान के रिश्ते पर बात हुई! संयुक्त राष्ट्र महासभा में कुछ चीजें कभी नहीं बदलतीं।

जैसे, तुर्की के राष्ट्रपति एर्डोगन ने अपेक्षा के अनुरूप ही कश्मीर पर टिप्पणी की, जिसका जवाब हमारे विदेश मंत्री ने दिया। उइघुरों के मुद्दे पर खामोश ओआईसी ने अपने बयान में कश्मीर का जिक्र किया, जैसा कि वह हर बार करता है। यही एक टिप्पणी पाकिस्तान के पक्ष में गई। इमरान ने अपने भाषण में कश्मीर का जिक्र और तालिबान का समर्थन किया। नरेंद्र मोदी का संबोधन इससे अलग था। उन्होंने भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों और भारत के बढ़ते महत्व का जिक्र किया।

पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने उन देशों को निशाना बनाया, जो आतंकवाद को अपनी नीति बनाते हैं। उन्होंने चीन का जिक्र किए बगैर उसकी विस्तारवादी नीति और ईज ऑफ डुइंग बिजनेस रिपोर्ट बदलने के लिए संयुक्त राष्ट्र पर दबाव बनाने के फैसले की आलोचना की। मोदी और इमरान के भाषणों में फर्क साफ दिखाई पड़ा। इमरान ने जहां अपनी हर मुश्किल के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया, वहीं मोदी ने पाकिस्तान का नाम नहीं लिया। इमरान ने काबुल की दमनकारी तालिबान सरकार को मान्यता देने की मांग की, जबकि मोदी के भाषण में अफगान महिलाओं और बच्चों के प्रति चिंता थी। इमरान के भाषण में अमेरिका, भारत और वैश्विक समुदाय पर आरोप थे, तो मोदी ने विकास, उम्मीद और कोविड से लड़ने की बात की। अपनी मुद्रा और देहभाषा में इमरान प्रतिगामी दिखे, तो मोदी भविष्यदृष्टा।

कर्तव्य पथ पर अविचल कर्मयोगी मोदी जी

■ **शिवराजसिंह चौहान**

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

आज मोदी जी के प्रधानमंत्री रहते हुए, भारत पुनः समृद्धशाली, शक्ति शाली, वैभवशाली, सम्पन्न और सशक्त होने के गौरव को प्राप्त कर रहा है। उनके नेतृत्व के सात वर्ष हमारे इतिहास के स्वर्णिम वर्षो में से एक हैं, राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति जीरो टोलरेंस के कारण, विश्व मंच पर आंतकी फंडिंग पर कार्यवाही और भारतीय सेना के सशक्त ीकरण के परिणाम स्वरूप सीमा पर आतंक के खात्मे से साफ नजर आ रहे हैं। राष्ट्र की अखण्डता, सम्प्रभुता और हितों की रक्षा की प्रतिबद्धता उनके नेतृत्व में स्थापित हुई है, सीमा सुरक्षा के लिये सामरिक महत्व के प्रोजेक्ट को पूरा करने की प्रतिबद्धता व प्राथमिकता अप्रतिम उदाहरण है।

श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में नए भारत का निर्माण हो रहा है। एक ऐसा भारत जो आधुनिकता के साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करता हो, एक ऐसा भारत जो आत्मनिर्भर बनने को संकल्पित है, जनसंघ के आदर्शो को आज हम जिन कृतिरूप में देख पा रहे, उसमें उनके अथक परिश्रमों का योगदान अप्रतिम है। मुझे मोदी जी के नेतृत्व के कई आयामों को नजदीक से अनुभव करने का अवसर मिला। एकता यात्रा हो, गुजरात का महाविनाशक भूकम्प हो, गुजरात का सर्वांगीण विकास हो या फिर अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने के लिये आवश्यक कठोर प्रशासक के रुप में मोदी जी ने प्रत्येक दायित्व को निष्ठा से निभाया है।

लद्दाख व जम्मू-कश्मीर को भारत की मुख्यधारा से जोड़ने के लिये धारा 370 व 35ए को खत्म करना हो या फिर रक्षा क्षेत्र में शक्तिमान भारत और आत्मनिर्भर भारत से रक्षा उत्पादन क्षेत्र में रिफोर्म वर्षों की जंग खायी व्यवस्थाओं पर आघात करते हैं। डोकलाम विवाद हो या फिर अपनी पसंद की जगह व समय पर राष्ट्रहितों के लिए की गई सर्जिकल स्ट्राईक हो, उनके नेतृत्व का दर्शन कराती है।

विकास के प्रकाश को सम्पूर्ण भारत में पहुँचाने के यज्ञ में, मध्यप्रदेश भी कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। आत्मनिर्भर भारत मिशन के अनुरुप मध्यप्रदेश का रोडमैप तैयार किया गया है, हम मध्यप्रदेश में मेक इन इंडिया व ईज आफ डूईंग बिजनेस के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं। उनके सर्व समावेशी विकास में गरीब, किसान, महिलाओं व पिछड़े वर्गों के आर्थिक उन्नयन के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उनके द्वारा क्रियान्वित हर योजना को शब्द व आत्मा से मध्यप्रदेश भी पूरा करने में जुटा है, विशेषकर पीएम आवास, उज्ज्वला, महिला

स्वसहायता, फसल बीमा योजना, कौशल विकास जैसी अति महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन में हम पूरे प्रयास कर रहे हैं। उनके भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टालरेंस व ना खाऊंगा न खाने दूँगा जैसे प्रयासों का हमें भी लाभ मिला है। जेम, जन-धन, आधार व मोबाइल की त्रिवेणी में आज मध्यप्रदेश के करोड़ों लोगों तक बिना बाधा के सहायता पहुँच रही है। डिजिटल इंडिया व फाईवर ऑप्टिक नेटवर्क योजनाओं ने हमारे प्रदेश को भी हाईवे के साथ आई वेब नॉलेज वे से जोड़कर कनेक्टिविटी की बाधाओं को दूर किया है। मध्यप्रदेश को देश के चारों कोनों से जोड़ने के लिये बनाये जा रहे राजमार्गों से अपनी आर्थिक उन्नति के लिए आवश्यक अधोसंरचना विकास का लाभ मिल रहा है। एक भारत-श्रेष्ठ भारत के मंत्र के साथ उनके मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश भी आगे बढ़ रहा है।

आपकी नेतृत्व कुशलता को पूरे विश्व ने स्वीकार किया है, आपके बिना अब विश्व मंच अधूरा होता है, कोरोना महामारी जैसी वैश्विक आपदा में आपने भारत ही नहीं, भारत की तरफ सहयोग की अपेक्षा रखने वाले प्रत्येक राष्ट्र का सहोदर भाव से सहयोग किया है। मोदी जी के नेतृत्व में भारत अब विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है, हम आपके मिनिमम गर्वनमेंट, मेक्सीमम गर्वनेंस के आदर्शों पर चलकर सुशासन व स्वराज को मूर्तरूप से क्रियान्वित करने कटिबद्ध हैं।

मैं अक्सर कहता हूँ कि वे मेन ऑफ आइडियाज हैं, परन्तु उन आयडियाज के अंकुरों को उन्होंने क्रियारूप में वटवृक्ष में बदल दिया है, हर मंच पर चाहे वो खेल हो, आर्थिक आवश्यकता हो, आपके आयडियाज अंधकार में सूर्य के प्रकाश का कार्य करते हैं। आज नयी शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से जो आपने स्किल इंडिया के माध्यम से भारत ही नहीं विश्व में उभरने वाली कौशलवान युवाओं की कमी को, भारत के युवाओं के द्वारा समाप्त करने का कार्य प्रशस्त किया है, उसमें मध्यप्रदेश भी अपने युवाओं को इस यज्ञ से जोड़ेगा।

मोदी जी के आदर्श, सिद्धांत, राजनैतिक मूल्य और जीवन का पल-पल देश के सर्वांगीण विकास को समर्पित हैं।

आज देश प्रधानमंत्री श्री नरेंद मोदी जी के नेतृत्व में आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। हम सभी कृत संकल्पित और गौरवान्वित हैं कि पूरे वर्ष भर देश की आजादी के लिये मर मिटने वालों की याद में कार्यक्रम आयोजित होंगे, जो देश की युवा पीढ़ी को क्रांतिवीरों के साहस, बलिदान, त्याग और समर्पण से परिचित कराएंगे। मध्यप्रदेश भी आजादी के रण बांकुरों की समाधि स्थलों पर वर्ष भर कार्यक्रम आयोजित करेगा। हम कृतज्ञ हैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के, जिनके प्रयासों से देश के युवाओं में क्रांतिवीरों की गाथाओं के स्वर गूजेंगे।

हम भाग्यशाली हैं कि देदीप्यमान नेतृत्व हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, प्रधानसेवक के रूप में देश को समृद्धशाली, वैभवशाली, संपन्नशाली, बनाने के लिये हर क्षण प्रयत्नशील हैं। वे एक विजनरी लीडर हैं, वे मैन ऑफ आइडियाज हैं। मोदी जी के आदर्श, सिद्धांत, राजनैतिक मूल्य और जीवन का पल-पल देश के सर्वांगीण विकास को समर्पित हैं। उनके नेतृत्व में भारत में नया सवेरा दिखाई दे रहा है, उनके संकल्पना भारत को आत्मनिर्भरता की ओर ले जा रही है। सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास के मंत्र को साकार कर, सबके प्रयासों से अतुल्य भारत के निर्माण को प्रतिबद्ध हैं। मैं प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस की मंगलमयी शुभकामनाओं के साथ भारत के बढ़ते वैभव को गतिमान रखने, उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु व शुभ संकल्पों को पूर्ण करने की ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ। ●

75 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

71 वें जन्मदिवस पर जन-जन के लाड़ले नेता और भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदीजी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ

सौजन्य से
श्री सुरेश कारपेंटर (शा.प्र. बेरछा)
श्री ईश्वरसिंह जादौन (पर्य. बेरछा)
श्री राजेन्द्र सिंह परमार (शा.प्र. अकोदिया)
श्री प्रहलादसिंह यादव (पर्य. अकोदिया)
श्री विजयपाल सिंह यादव (शा.प्र. कालापीपल)
श्री संतोष शर्मा (पर्य. कालापीपल)

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता) | श्री मनोज गुप्ता (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता) | श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री के.के. रायकवार (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रथभंवर, जि.शाजापुर
श्री संतोष कुमार सिसोदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोरसाली, जि.शाजापुर
श्री आत्माराम गुर्जर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तिलावद गोविंद, जि.शाजापुर
श्री अशोक कुमार गुप्ता (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कैथलाय , जि.शाजापुर
श्री मनोहरसिंह सिसोदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चौसला कुलमी, जि.शाजापुर
श्री बाबूलाल चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पोलायखुर्द, जि.शाजापुर
श्री ओमप्रकाश सोनी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कमल्याखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री शशिकांत गोठी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कालापीपल, जि.शाजापुर
श्री अशोक परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुन्दरसी, जि.शाजापुर
श्री साजिद अली (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मनसाया, जि.शाजापुर
श्री केदारसिंह मंडलोई (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिरगोद, जि.शाजापुर
श्री जगदीश वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नांदनी, जि.शाजापुर
श्री संतोष शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेरछा, जि.शाजापुर
श्री कमल नाहर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बेहरावल, जि.शाजापुर
श्री विष्णुप्रसाद पाटीदार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अकोदिया, जि.शाजापुर
श्री मनोहरसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढाबलाधीर, जि.शाजापुर
श्री सिद्धनाथ मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खाटसुर, जि.शाजापुर
श्री प्रेमनारायण मंडलोई (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लसुड़िया मलक, जि.शाजापुर
श्री सतीश कुमार गुप्ता (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री जोजनसिंह सोलंकी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बमुलिया मुछाली, जि.शाजापुर
श्री सतीश कुमार गुप्ता (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मकोड़ी, जि.शाजापुर
श्री तंवरसिंह गोयल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खजूरी अलहदाद, जि.शाजापुर
श्री अजबसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हडलायकलां, जि.शाजापुर
श्री सीताराम वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपलिया नगर, जि.शाजापुर
श्री मनोहर मीणा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोलाई, जि.शाजापुर
श्री शैलेन्द्रसिंह यादव (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

कृषि में कीर्तिमान गढ़ता मध्यप्रदेश

कृषि प्रधान अर्थ-व्यवस्था से गौरवान्वित मध्यप्रदेश कृषकों को सक्षम और सम्पन्न बनाने के लिए कृत-संकल्पित है। राज्य सरकार ने किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए लगातार कृषि कल्याणकारी योजनाओं और नवाचारों को बढ़ावा दिया है और किसान हित में ऐतिहासिक निर्णय भी लिए हैं। इसके सुखद परिणाम प्रदेश की खुशहाली के रूप में आ रहे है। अन्नदाताओं में विश्वास बढ़ा है और प्रदेश आत्म-निर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

विगत डेढ़ दशक में प्रदेश में बोई जाने वाली अधिकांश फसलों ने उत्पादन तथा उत्पादकता के क्षेत्र में नित नए कीर्तिमान स्थापित किये हैं। सोयाबीन की फसल तो मध्यप्रदेश की पहचान के साथ किसान बंधुओं की भी ताकत बन गई है। यह खरीफ मौसम में प्रदेश में सर्वाधिक बोई जाने वाली फसल है। इसके अलावा अरहर, मूंग, उड़द, धान, मक्का, ज्वार, बाजरा, कोदों, कुटकी, तिल, कपास आदि के उत्पादन और खरीदी में देश में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्यों में शामिल है। वहीं रबी में गेहूँ, चना, मटर, मसूर, सरसों, गन्ना, अलसी आदि प्रमुख फसलें हैं। इनमें गेहूँ का रकबा सर्वाधिक है। गेहूँ की उत्पादकता के लिये किये गये प्रयासों से इसका क्षेत्रफल, उत्पादन तथा उत्पादकता भी तेजी से बढ़ रही है। कपास तथा गन्ना फसल भी हमारी प्रमुख नकद फसलें हैं। कृषि क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा दिये जाने वाले सर्वश्रेष्ठ सम्मान कृषि कर्मण को मध्यप्रदेश द्वारा लगातार जीतने का गौरव हासिल करना वास्तव में अन्नदाताओं की कड़ी मेहनत और किसान-कल्याणकारी योजनाओं का ही परिणाम है।

म.प्र. में कृषि हितैषी कदमों को निरंतरता

कृषि हितों को लेकर विभिन्न आयामों को दृष्टिगत रखते हुए राज्य सरकार लगातार कदम उठा रही है। ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की समर्थन मूल्य में खरीदी से प्रदेश के किसान बंधुओं में और ज्यादा खुशहाली आएगी और उनका विश्वास बढ़ेगा। इसको ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकालीन वर्ष 2020-21 एवं विपणन वर्ष 2021-22 के लिये पंजीकृत कृषकों से फसल उपार्जन के लिये मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ को अधिकृत किया गया है। इन फसलों का उपार्जन आगामी 15 सितम्बर तक किया जायेगा। प्रदेश में ग्रीष्मकालीन वर्ष 2020-21 एवं विपणन वर्ष 2021-22 में भारत सरकार की प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के अंतर्गत प्राइस सपोर्ट स्कीम एवं मूल्य स्थिरीकरण कोष में उपार्जन के लिये मंजूरी दी गई है। अब तक समर्थन मूल्य पर 3 लाख 29 हजार मीट्रिक टन ग्रीष्मकालीन मूंग का उपार्जन किया जा चुका है।

आत्म-निर्भर म.प्र. के निर्माण में कृषि क्षेत्र महत्वपूर्ण

आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में कृषि क्षेत्र की महत्वपूर्ण भागीदारी है। कृषि उत्पादन को बढ़ाना, उत्पादन की लागत को कम करना, कृषि उपज के उचित दाम दिलाना और प्राकृतिक आपदा या अन्य स्थिति में उपज को हुए नुकसान में किसान को पर्याप्त क्षतिपूर्ति देना हमारी प्राथमिकताओं में है। गेहूँ उपार्जन में प्रदेश अब अग्रणी राज्य में शुमार हो गया है। किसानों के हित में कृषि उपज मंडी अधिनियम में संशोधन करते हुए ई-ट्रेडिंग का प्रावधान और किसानों को उपार्जन केन्द्र के साथ ही मंडी के अधिकृत निजी खरीदी केन्द्र और सौदा-पत्रक व्यवस्था के माध्यम से भी फसल बेचने की सुविधा प्रदान की गई।

प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना में मध्यप्रदेश भी

प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना से भारत के ग्रामीण समाज का विकास और प्रगति से सीधे जुडने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। भारत का आम किसान गाँवों में रहता है, उसके लिए खेती और उसकी मिट्टी आस्था का सवाल है। योजना में ट्रायल के तौर पर जिन 6 राज्यों का चयन किया गया है, उसमें मध्यप्रदेश भी है। पूरे प्रदेश के किसान इस योजना से अधिक से अधिक लाभान्वित हो, इसके लिए हम लगातार समन्वय और प्रशासनिक सुदृढ़ता से काम कर रहे है।

कृषि अवसंरचना कोष के उपयोग में अग्रणी म.प्र.

पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा किसानों की आय को दोगुना करने के लिये कई महत्त्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं। देश में कृषि अधोसंरचना में सुधार और सुदृढ़ करने के लिए वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन दिया जा रहा है। कृषि अवसंरचना कोष की स्थापना की गई है। इसमें मध्यप्रदेश को साल 2020-21 में 7500 करोड़ रूपये का आवंटन प्राप्त हुआ है, जिसके उपयोग में प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए आधुनिक मंडियों की स्थापना, फूड पार्क, शीत गृहों की श्रृंखला स्थापित करने के साथ साइलोस एवं वेयर हाउस के निर्माण को मिशन मोड में प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे किसान अपनी उपज को एम.एस.पी. के स्थान पर एम.आर.पी. पर बेचने हेतु सक्षम होंगे।

नेशनल एग्रीकल्चर इन्फ्रा फायनेंसिंग फेसिलिटी पोर्टल

नेशनल एग्रीकल्चर इन्फ्रा फायनेंसिंग फेसिलिटी (एआईएफ़) पोर्टल बहुत ही कम समय में एआईएफ़ पोर्टल पर 2,352 आवेदन आये हैं। इनका लगातार सत्यापन किया जा रहा है और 618 करोड़ का भुगतान भी बैंकों द्वारा कर दिया गया है। इस योजना का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में आधारिक तंत्र को मज़बूत करना है, जिससे देश के बड़े बाज़ारों तक किसानों की पहुँच सुनिश्चित की जा सके। साथ ही नवीन तकनीकों के माध्यम से फाइटोसैनेटिक मापदंडों को पूरा करते हुए अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों तक भारतीय किसानों की पहुँच बढ़ाई जा सके। योजना के माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों में अनाज और अन्य फसलों (जैसे-प्याज, लहसुन आदि) के भण्डारण हेतु आधुनिक तकनीकी से युक्त भंडार गृहों के निर्माण कर इसे ज्यादा दिनों तक सुरक्षित रखा जा सकेगा। प्रदेश के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में प्रतिवर्ष 6-6 हजार रूपये तो मिल ही रहे हैं। इसी कड़ी में प्रदेश के किसानों के लिये मुख्यमंत्री किसान-कल्याण सम्मान निधि योजना की शुरूआत कर किसानों को मध्यप्रदेश शासन की ओर से प्रतिवर्ष 4 हजार रूपये दो बराबर किश्तों में दिये जाना शुरू किया गया है।

अब डिजिटल कृषि भी

खेती में उत्पादकता बढ़ाने और उत्पादन लागत में कमी लाने के लिए मध्यप्रदेश में डिजिटल एग्रीकल्चर अंतर्गत लगातार काम किया जा रहा है। खेती को सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय रूप से लाभदायक और टिकाऊ बनाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) का इस्तेमाल करना ही डिजिटल कृषि कहलाता है। मध्यप्रदेश ने डिजिटल एग्रीकल्चर यानि फसलों की पैदावार बढ़ाने और खेती को सक्षम एवं लाभदायक बनाने के लिए आधुनिक तकनीक और सेवाओं का इस्तेमाल लगातार बढ़ाया है। यह कृषकों के लिए बेहद लाभदायक साबित हो रहा है।

सिंचाई क्षमता में वृद्धि को प्राथमिकता

किसानों की आय को बढ़ाने के लिये बेहतर प्रबंधन और सिंचाई परियोजनाओं पर भी प्राथमिकता से कार्य करवाये जा रहे है। इन कार्यों से प्रदेश में अधिक से अधिक क्षेत्र में सिंचाई की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। प्रदेश में अगले 5 वर्षों में 65 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य है।

बहरहाल कृषि क्षेत्र में बेहतर योजनाओं, रणनीति, प्रशिक्षण, संवाद और सहभागिता सुनिश्चित कर सरकार ने अन्नदाताओं के लिए स्वर्णिम संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। इसी का सुफल है कि हमारे किसान आत्म-निर्भर और अग्रणी बनकर आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण सहयोगी बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

- किसान क्रेडिट कार्ड (फसल ऋण)
- ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि यंत्रों हेतु ऋण
- दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
- मत्स्य पालन हेतु ऋण
- स्थायी विद्युत कनेक्शन के लिए ऋण
- स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ऋण
- कृषक को खेत पर शेड बनाने के लिए ऋण
- कम्बाइन हार्वेस्टर एवं रिपर कम बाइंडर क्रय ऋण

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिवस की अनेक बधाइयाँ

75वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री सुनील सिंह (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आलोक कुमार जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से
श्री प्रहलादसिंह चंद्रावत (शा.प्र. ताल)
श्री रमेश प्रजापति (पर्यवेक्षक ताल)
श्री सुभाष मजावदिया (शा.प्र. कृषि रतलाम)
श्री राहुल केलवा (पर्यवेक्षक कृषि रतलाम)
श्री विजयसिंह सोनगरा (पर्यवेक्षक कृषि रतलाम)
श्री नरेन्द्र जागेटिया (शा.प्र. बिलपांक)
श्री सुरेश जैन (पर्यवेक्षक बिलपांक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. ताल, जि.रतलाम श्री प्रह्लादसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)	प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. केलुखेड़ा, जि.रतलाम श्री रमेश प्रजापति (प्रबंधक)	प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. धामनोद, जि.रतलाम श्री राहुल केलवा (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. खारवाखुर्द, जि.रतलाम श्री मनीष मेहता (प्रबंधक)	प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बरखेड़ा खुर्द, जि.रतलाम श्री रमेश प्रजापति (प्रबंधक)	प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. राजगढ़, जि.रतलाम श्री राहुल केलवा (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. करवाखेड़ी, जि.रतलाम श्री मनीष मेहता (प्रबंधक)	प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सेमलिया, जि.रतलाम श्री रमेश प्रजापति (प्रबंधक)	प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बिलपांक, जि.रतलाम श्री संजयसिंह राठौर (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. कछालिया, जि.रतलाम श्री प्रह्लादसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)	प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. मूंदड़ी, जि.रतलाम श्री विजयसिंह सोनगरा (प्रबंधक)	प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. भाटी बड़ोदिया, जि.रतलाम श्री सुरेश जैन (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. मकनपुरा, जि.रतलाम श्री प्रह्लादसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)	प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सागोद, जि.रतलाम श्री विजयसिंह सोनगरा (प्रबंधक)	प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सरवड़ जमुन्या, जि.रतलाम श्री सुरेश जैन (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. आक्याकलां, जि.रतलाम श्री प्रह्लादसिंह चंद्रावत (प्रबंधक)	प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. कुआंझागर, जि.रतलाम श्री हेमंत हेमावत (प्रबंधक)	प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. ढिकवा, जि.रतलाम श्री सुरेश जैन (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. माधौपुर, जि.रतलाम श्री रमेश प्रजापति (प्रबंधक)	प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. नगरा, जि.रतलाम श्री हेमंत हेमावत (प्रबंधक)	प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. धराड़, जि.रतलाम श्री संजयसिंह राठौर (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. जमुन्या शंकर, जि.रतलाम श्री रमेश प्रजापति (प्रबंधक)	प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. कनेरी, जि.रतलाम श्री हेमंत हेमावत (प्रबंधक)	प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. प्रीतमनगर, जि.रतलाम श्री संजयसिंह राठौर (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

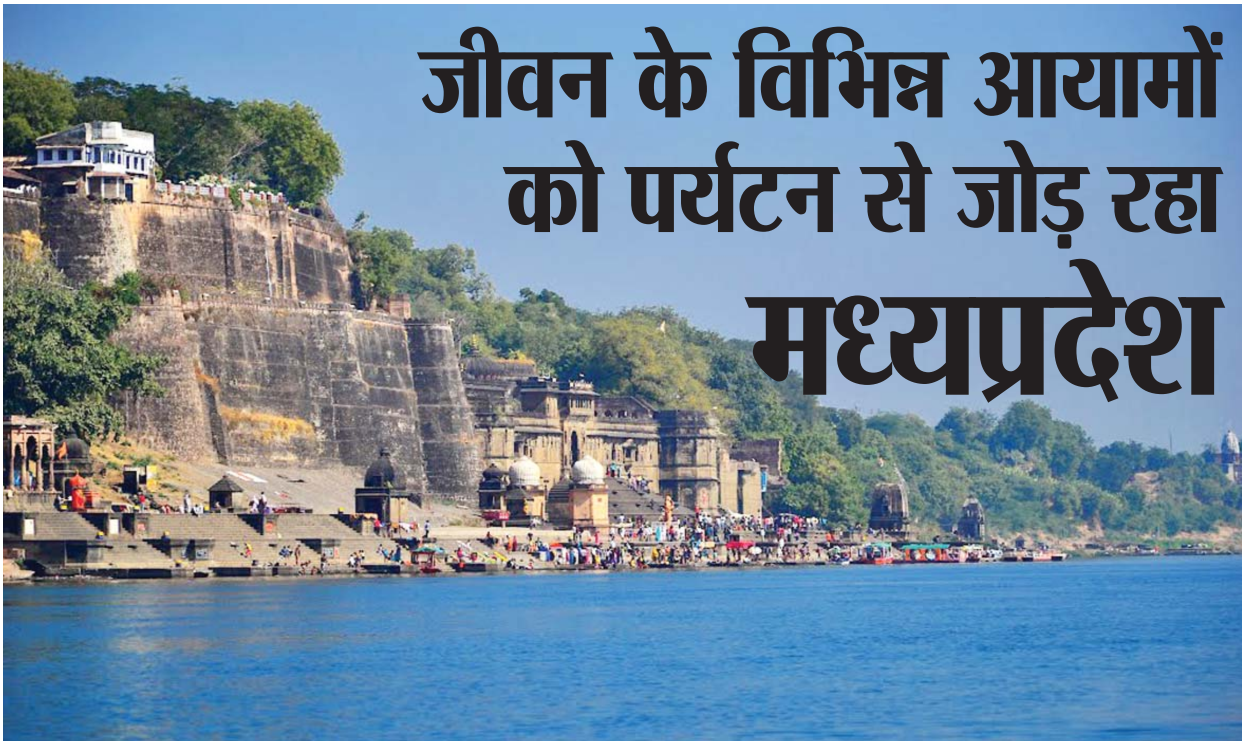

जीवन के विभिन्न आयामों को पर्यटन से जोड़ रहा मध्यप्रदेश

■ **उषा ठाकुर**

पर्यटन, संस्कृति और अध्यात्म मंत्री, मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए अपनी जीवन-यात्रा के विभिन्न पड़ावों पर रुचि अनुसार पर्यटन स्थलों के चयन करने के सभी विकल्प उपलब्ध हैं। प्रदेश का नैसर्गिक सौंदर्य और ऐतिहासिक स्थल न सिर्फ आपको लुभाने के लिए तैयार हैं, बल्कि स्थानीय संस्कृति और खासकर प्रदेशवासियों का आत्मीय व्यवहार भी आपका स्वागत करने के लिए आतुर है।

जीवन के विविध आयामों से गुजरती जीवन-यात्रा मानव के चित्त को परमात्मा से जोड़ती है। लोक से परलोक, भौतिकता से आध्यात्म, अंधकार से प्रकाश और आत्मा से परमात्मा तक के सफर को समेटे हुए मानव अपना जीवन चक्र पूरा करता है। जीवन-यात्रा के इन विविध पड़ाव और आयामों को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पर्यटन से जोड़ने की अभिनव पहल की है। इस पहल को मूर्त रूप देने के लिए प्रदेश के पर्यटन विभाग ने अंतर-विभागीय और बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया है। पर्यटन विभाग ने मानव की जीवन यात्रा के विभिन्न पड़ाव और आयामों को धर्म, संस्कृति, आध्यात्म और स्वास्थ्य के साथ जोड़कर विकसित किया है। इससे आरामदायक और सुलभ पर्यटन के साथ मनुष्य का धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उन्नयन संभव हो सकेगा।

व्यक्तित्व के विकास के लिए ज्ञानवर्धन के साथ धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उन्नयन भी आवश्यक होता है। पर्यटन विभाग ने संस्कृति और आध्यात्म विभाग के परस्पर समन्वय से व्यक्तित्व विकास के लिए पर्यटन के विभिन्न आयाम को शामिल किया है। इनमें अनुभूति पर्यटन, साहसिक पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, मॉनसून पर्यटन, धार्मिक पर्यटन, वैलनेस टूरिज्म और रॉक आर्ट टूरिज्म जैसे नवाचार पर्यटकों को रोचक जानकारी और अनुभव देने के साथ उनके व्यक्तित्व विकास में योगदान देंगे। प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के समीप अन्य महत्वपूर्ण पर्यटन और ऐतिहासिक स्थलों को जोड़कर टूरिज्म सर्किट विकसित किए जा रहे हैं। इन सर्किटों में पर्यटको को पर्यटन के साथ आसपास के क्षेत्र की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक इमारत, म्यूजियम और स्थानीय संस्कृति से परिचित मिलेगा, वहीं स्थानीय निवासियों को आर्थिक उन्नयन के साधन उपलब्ध होंगे। यह दोनों के लिए ही विन-विन सिचुएशन होगी, जिससे क्षेत्र का समग्र विकास संभव हो सकेगा।

ग्रामीण पर्यटन कार्यक्रम के अंतर्गत मध्यप्रदेश के प्रमुख 6 सांस्कृतिक क्षेत्रों में ग्रामों को हेरिटेज ग्राम के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें 1500 से अधिक होमस्टे विकसित किए जायेंगे। पर्यटक को पर्यटन स्थल के समीप ही स्थानीय संस्कृति से परिचय, स्थानीय व्यंजन के स्वाद, हस्त-कला और हस्त-शिल्प के उत्पादों को क्रय करने का अवसर मिलेगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के साधन भी उपलब्ध होंगे। हाल ही में केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा ओरछा के ग्राम लाडपुरा खास को यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गेनाइजेशन अवार्ड मे

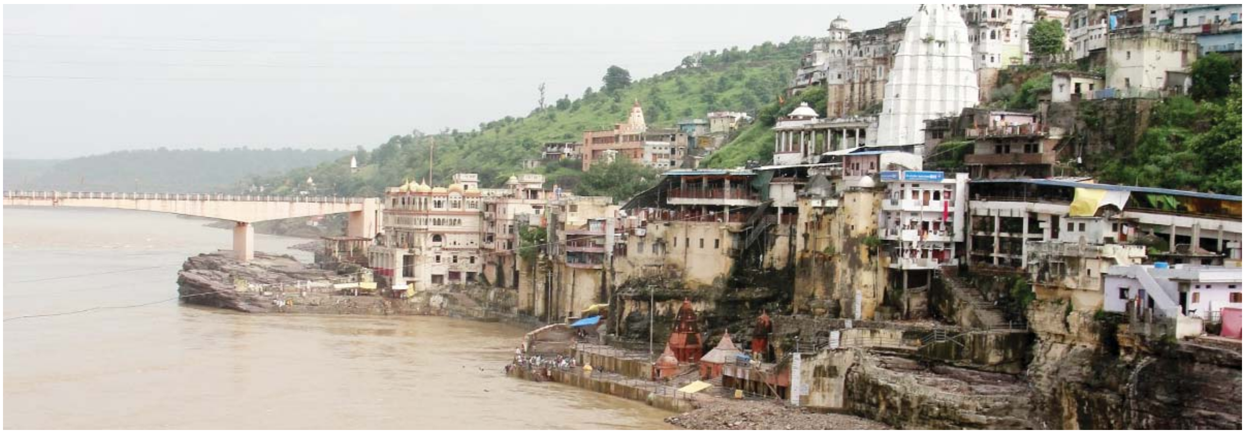

बेस्ट टूरिज्म विलेज श्रेणी में नामांकित किया गया है। अगले 5 वर्ष में प्रदेश के 100 गाँवों को ग्रामीण पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा। इनमें ओरछा, खजुराहो, मांडू, साँची, पचमढ़ी, तामिया, पन्ना नेशनल पार्क, बांधवगढ़ नेशनल पार्क, संजय दुबरी नेशनल पार्क, पेंच और कान्हा नेशनल पार्क आदि क्षेत्रों में उपयुक्त स्थलों का चयन कर विकास किया जाएगा।

प्रदेश के नैसर्गिक प्राकृतिक सौंदर्य के प्रति अनायास ही पर्यटक आकर्षित हो जाते है। मॉनसून पर्यटन वर्षा काल में पर्यटकों को प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य से परिचय कराने के लिए जंगल में बफर में सफर कैंपेन चलाया गया। इस कैंपेन में पर्यटकों ने जंगल के बफर जोन में सफारी का आनन्द लिया। साथ ही बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान में हॉट एयर बैलून सफारी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहे। पर्यटकों ने बताया हॉट एयर बैलून में ऊँचाई से राष्ट्रीय उद्यान की हरियाली और सुंदरता को निहारना उनके जीवन का न भूलने वाला पल बन गया है। कैंपिंग और साहसिक पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए साहसिक पर्यटन अंतर्गत प्रदेश में युवाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। युवाओं के लिए चुनिंदा पर्यटन स्थलों पर साइकिल टूर, वॉटर स्पोर्ट्स, कैंपिंग, हॉट एयर बैलून सफारी जैसी रोमांचक गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इसके साथ ही मांडू उत्सव, खजुराहो नृत्य समारोह और जल महोत्सव में युवाओं के लिए म्यूजिक कंसर्ट का भी आयोजन किया जा रहा हैं।

प्रदेश के धार्मिक स्थल और वहाँ की आध्यात्मिक अनुभूति अपने आप में विशिष्ट स्थान रखते हैं। यह धार्मिक स्थल परमात्मा से संपर्क का सीधा माध्यम है। पर्यटकों को धार्मिक स्थलों तक पहुँच सुगम और कुशल तरीके से उपलब्ध कराने के लिए पर्यटन विभाग ने धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन अंतर्गत प्राचीन नगरी उज्जैन, चित्रकूट, अमरकंटक, मैहर, महेश्वर, मंदसौर, ओंकारेश्वर, खजुराहो, ग्वालियर और ओरछा आदि में सुलभ और आरामदायक पर्यटन की सुविधाओं का विकास किया है। अब पर्यटक इन स्थलों पर धार्मिक व आध्यात्मिक अनुभूति के साथ आस-पास के स्थलों पर मनोरंजन और रोमांचक गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे।

अधिक उम्र और वृद्ध पर्यटकों के स्वास्थ्य की चिंता भी पर्यटन विभाग को है। वेलनेस टूरिज्म के अंतर्गत प्रदेश के 7 महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल पर वेलनेस सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। वैलनेस सेंटर पर पर्यटक के लिए योग, आयुर्वेद पद्धति से पंचकर्म, कायचिकित्सा, मेन्टल हेल्थ व्यायाम जैसी चिकित्सा और वैलनेस सुविधाएँ उपलब्ध होगी। पर्यटन विभाग की इकाइयों जैसे होटल होलीडे होम्स अमरकंटक, सैलानी आईलैंड रिजॉर्ट सैलानी, गांधी सागर डैम के समीप स्थित हिंगलाज रिजॉर्ट मंदसौर, व्हाइट टाइगर फॉरेस्ट लॉज बांधवगढ़, किपलिंग कोर्ट और इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, ओरछा आदि प्रमुख शहर में वैलनेस सेंटर स्थापित किए जायेंगे।

महिलाओं की सुरक्षा प्रदेश की प्राथमिकता है। प्रदेश के पर्यटन स्थलों में महिला पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करने और उन्हें भयमुक्त वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना का क्रियान्वयन किया जाएगा। पर्यटन स्थलों में कौशल उन्नयन कर महिलाओं को रोजगार एवं स्व-रोजगार से जोड़ा जाएगा, जिससे आने वाली महिला पर्यटक अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सकें। साथ ही पर्यटन को अधिक जिम्मेदार और सतत बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश रिस्पांसिबल टूरिज्म मिशन प्रारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत स्थानीय स्तर पर कौशल उन्नयन कार्यक्रम, हस्तशिल्प एवं कला, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, सुगम्यता अंकेक्षण आदि का संचालन किया जाएगा। कोविड-19 की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए पर्यटकों की सुरक्षा और पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। प्रदेश के टूरिज्म होटलों और पर्यटन स्थल पर कार्यरत सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और स्टाफ का वैक्सीनेशन सुनिश्चित किया गया है।

मध्यप्रदेश में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए अपनी जीवन-यात्रा के विभिन्न पड़ावों पर रुचि अनुसार पर्यटन स्थलों के चयन करने के सभी विकल्प उपलब्ध हैं। प्रदेश का नैसर्गिक सौंदर्य और ऐतिहासिक स्थल न सिर्फ आपको लुभाने के लिए तैयार हैं, बल्कि स्थानीय संस्कृति और खासकर प्रदेशवासियों का आत्मीय व्यवहार भी आपका स्वागत करने के लिए आतुर है। जीवन में एक बार मध्यप्रदेश की यात्रा कर पर्यटन स्थलों का आनंद अवश्य लें। देश के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश में आपका स्वागत है। ●

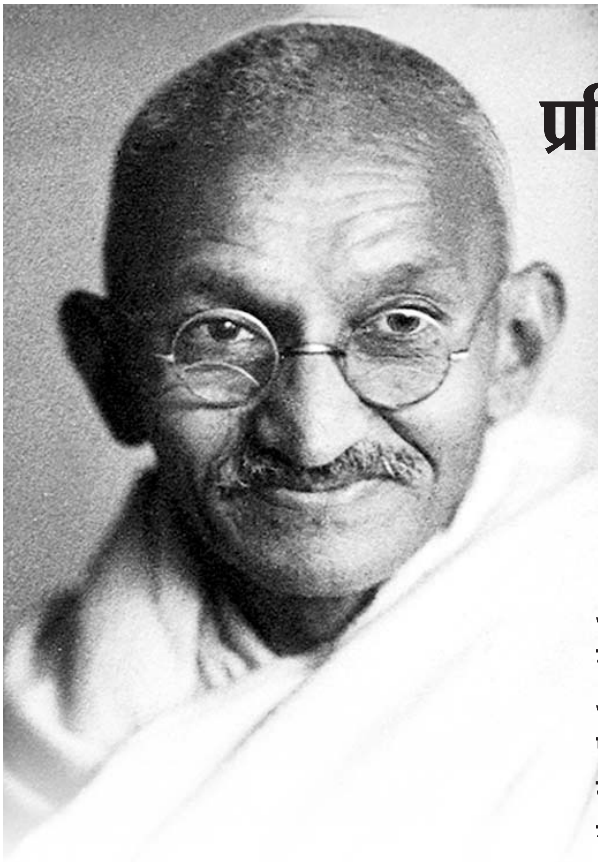

प्रतिरोध की राजनीति के बीच गाँधी की प्रासंगिकता

■ मोहन सिंह

आज से (2अक्टूबर 1869 ई) 152 साल पहले जन्मे महात्मा गांधी की प्रासंगिकता का सवाल बार-बार हमारे सामने इसलिए आता है क्योंकि उनकी सोच, अपने जीवन के साथ किए उनके प्रयोग, देश समाज और उनके राजनीतिक संघर्ष में, आज भी ऐसा कुछ न- कुछ प्रासंगिक मिल ही जाता है- जिसको आमने-सामने रखकर हम सवाल कर सकते हैं।

अपने समय-समाज की जांच-परख और शिनाख्त करने का साहस-दुःसाहस भी कर सकते हैं। गांधी जी का अपने जीवन के साथ प्रयोग, जन्म काल से 30 जनवरी 1948 को हत्या होने तक निरन्तर चलता रहा। इस दौरान वे दक्षिण अफ्रीका, लंदन और भारत में भी अपने तमाम रचनात्मक परियोजनाओं को अमलीजामा पहनाते हुए अपने हत्यारों से मिलते-पहचानते और माफ करते हुए बेफिक्र और निर्द्वंद भाव से आगे बढ़ते रहे। अपनी पूरी राजनीतिक यात्रा में सत्य, अहिंसा, और सत्याग्रह को एक व्रती की तरह अपनाते हुए अकेले निकलने का साहस अपने समय में किसी राजपुरुष में था, तो वह थे-महात्मा गांधी ।

'अ ट्रिब्यूट टू गांधी' पर लिखे अपने लेख में थॉमस मर्टन कहते हैं- गांधी का सत्य आध्यत्मिकता पर आधारित है, जिसमें हिन्दू, बौद्ध, ईसायत, इस्लाम ,यहूदी सभी साझा करते हैंः यह प्रज्ञा कि सत्य हमारे होने की अंदरूनी विधि है और अहिंसा भी इसी आध्यामिक परम्परा से ली गई है, जिसे हम पूरब और पश्चिम की साझा परम्परा के रूप में देख सकते है।

गांधी जी के राजनीतिक गुरु गोपाल कृष्ण गोखले की भी यही सीख थी कि देश की राजनीति में हर आदमी को रुचि लेना चाहिए, ताकि राजनीति को आधात्मिक रास्ते पर ले जाया जा सकें। गांधी का राजनीति में आना एक तरह राजनीति को आध्यात्मिक राह पर ले जाने का ही एक प्रयास है। उनके लिए राजनीति सत्य को कार्य रूप में अमलीजामा पहनाने का एक का माध्यम है। प्रेम, करुणा और आस्था पर आधारित अहिंसा, उप-जातीय समाज के सबसे कमजोर और वंचित तबके के लिए प्रतिरोध का एक हथियार है।

किसी विपरीत परिस्थिति में कौन सा राजनीतिक कार्यक्रम जनता के मिजाज को गहराई तक प्रभावित कर सकता है, इसकी गांधी सरीखा समझ आज तक किसी नेता में नहीं है। शायद इसलिए कि बहुत से राजनेता -राजनीति को समाज सेवा के बजाय अपने परिवार और अपनी सुख-सुविधा के अलावा अल्पकालिक तौर ही अपनाते और इस्तेमाल करते हैं। शायद इस वजह से ही

चार्ल्स दि गाल को कहना पड़ा- ''राजनीति एक गंभीर मसला है, इसे सिर्फ राजनेताओं के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।'' सत्ता को ही राजनीति का अंतिम पायदान मानने वाले राजनेताओं के लिए गांधी की यह सीख है कि ''सत्ता केवल सेवा का माध्यम है। इससे ज्यादा कुछ नहीं।'' क्या आज सत्तातुर राजनेताओं के लिए गांधी के इस सीखवान से कोई सबक मिल सकता है?

बीएचयू में दिखा था गांधी का तेवर

गांधी अपने जीवन के अंतिम समय तक अनाशक्त भाव से राजनीति से जुड़े रहे, तब भी जब उनकी लगभग अनदेखी करते हुए भारत का विभाजन हुआ और कांग्रेस के अंदर ही उनकी बात

सुनने और मानने वाला कोई नहीं था। दक्षिण अफ्रीका से भारत आने पर अपने राजनीतिक गुरु गोपाल कृष्ण गोखले की सलाह पर पूरे एक साल तक वे पूरे भारत का दौरा करते रहे।

6 फरवरी 1916 को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के स्थापना समारोह के अपने पहले सार्वजनिक भाषण में ही गांधी ने अपने विद्रोही तेवर का अहसास करा दिया। समारोह में उपस्थित राजाओं के चमचमाते गहनों से लेकर वायसराय हार्डिंग की सुरक्षा में लगे खुफिया और पुलिस की मौजूदगी को जमकर लताड़ा। नतीजतन राजा-महाराजाओं ने वहां से निकल जाना ही बेहतर समझा।

इस भाषण में महात्मा गांधी ने देश के किसानों के हालात को बयां करते हुए कहा कि देश के किसानों की खुशहाली के बिना भारत की समृद्धि की कल्पना नहीं किया जा सकती है। बनारस के विश्वनाथ मंदिर के आसपास और गलियों में फैलीं गंदगी को देखकर वे काफी विचलित हुए। इसके बाद सफाई को अपने स्वराज अभियान का हिस्सा बना दिया। इस अभियान को ही 2 अक्टूबर 2019 को गांधी जी के 150वीं जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन को कार्य रूप में परिणित करने की कोशिश शुरू हुई।

गांधी जी के जीवन में विद्रोही तेवर के बीज तो बचपन में ही पड़ चुके थे। जिन वजहों से गांधी को ये विद्रोही तेवर अख्तियार करना पड़ा, वे घटनाएं ही दरअसल गांधी को बाद के सार्वजनिक जीवन में स्वाभिमानी, दूसरों से अलग और महान बनाती हैं। वह चाहे खानपान में मांस भक्षण और सोमपान का मामला हो, बचपन में ही अपने से बड़ी उम्र की कस्तूरबा के साथ शादी होने की वजह से कामजनित आवेग में अपने बीमार पिता के अंतिम समय में बरती गयी असावधानी हों, अथवा जाति से निकाले जाने का जोखिम लेते हुए भी सन् 1888 में बैरिस्टरी की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड जाना हो। ये सारी घटनाएं गांधी के सार्वजनिक जीवन को एक नया मोड़ देती हैं।

बापू के जीवन की बड़ी घटना

सन 1893 में दक्षिण अफ्रीका की पहली यात्रा में ही गांधी को रेल का प्रथम श्रेणी का टिकट होने के बावजूद अंग्रेजों की रंगभेदी नीति का सामना करना पड़ा। गांधी को रेल के डिब्बे से समान समेत मैरिटजवर्ग रेलवे स्टेशन पर बाहर निकाल दिया गया। उस वक्त गांधी अगर मन मसोस कर भारत लौट आते, तो शायद गांधी वो नहीं होते जो दक्षिण अफ्रीका में टिककर, अंग्रेजों की रंगभेदी नीति के विरुद्ध मुहिम छेड़कर और उसे अहिंसक संघर्ष के जरिए परास्त कर, गांधी बने।

दक्षिण अफ्रीका में गांधी की बनी इस छवि ने ही दुनिया के सामने उनकी एक ऐसी नजीर को पेश किया, जो मार्टिन लूथर किंग जूनियर , नेल्सन मंडेला और हाल में जॉर्ज लॉयड के साथ बरते गए अमरीकी प्रशासन की हिंसक और नस्ल विरोधी अभियान में भी काम आया।

जब बापू के मॉब लिंचिंग की रची गई थी साजिश

जिस भीड़ हत्या की चर्चा अपने देश के कभी-कभार होती है, उसके पहले शिकार शायद भारतीय राजनेताओं में गांधी ही हुए है। बात 18 दिसम्बर 1896 की है। तब गांधी रायटर न्यूज़ एजेंसी के एक सत्याभाषी (पोस्ट ट्रूथ) खबर के झूठ का शिकार हुए। ठीक वैसे ही जैसे महाभारत में अश्वत्थामा की झूठी मौत की सूचना फैलाकर महारथी द्रोण की हत्या की गई। रायटर की खबर के मुताबिक गांधी भारत से नेडेरी जहाज से पांच सौ से ज्यादा भारतीयों को ले जाकर ब्रितानी हुक़ूमत के विरुद्ध विद्रोह की योजना बना रहे हैं।

यह महज संयोग था कि ठीक उसी समय गांधी भी कोरलैंड जहाज से अपने परिवार के दूसरे सदस्यों के साथ नटाल के डरबन बंदरगाह पर पहुंचे थे। इस ख़बर का असर यह हुआ कि

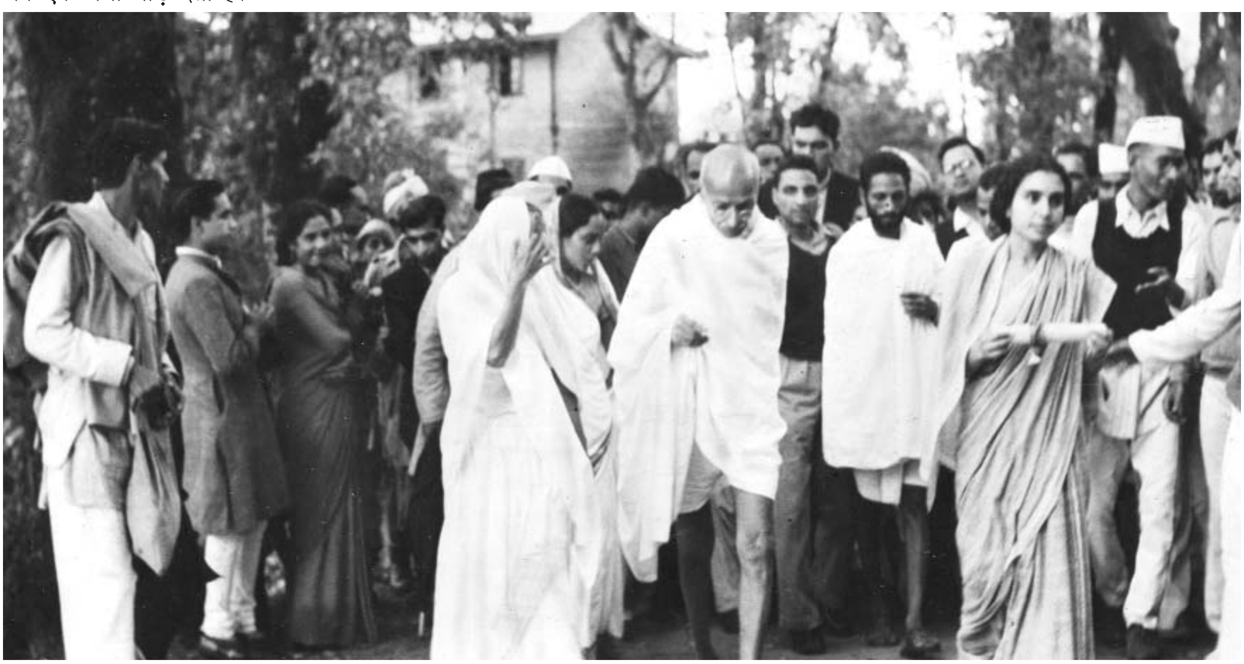

गांधी और भारतीयों को डरबन के किसी भी तट पर नहीं उतरने देने के लिए स्थानीय लोग लामबंद हो गए, तब नटाल के कार्यवाहक प्रधानमंत्री हैरी एस्काम्बे की पहली रणनीति यह थी कि गांधी को भीड़ के हवाले कर दिया जाए, जो उनकी हत्या कर दें।

दूसरा इससे स्थानीय लोगों को भारतीयों के खिलाफ गुस्से को हवा देकर आने वाला चुनाव जीतने में आसानी होगी। पर अपने यहां कहा गया है कि जाको राखें सांईयां , मार सकें ना कोऊं। एन वक्त स्थानीय पुलिस अधीक्षक की पत्नी जेनी अलेक्जेंडर ने अपने छाते के अंदर लेकर हत्यारी भीड़ से गांधी की जिंदगी बचायी। यही हैरी एस्काम्बे कुछ दिन बाद में डरबन प्रवास के दौरान गांधी के पड़ोसी हो गए। एक दिन सड़क पार करते हुए अपने मौत के तीन घंटे पहले गांधी से मिले। एस्काम्बे ने डरबन में गांधी के आगमन के समय घटीं घटनाएं और एशिया विरोधी कानून के लिए माफी मांगी।

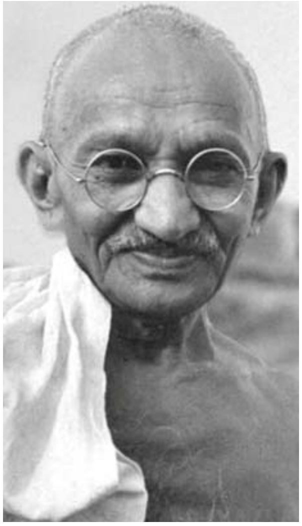

गांधी ने यह कहते हुए माफी दे दी कि मेरे लिए ये तकरीरें वहीं छूट गयी, जब वे हुई थी। बाद में एस्काम्बे के मूर्ति अनावरण के मौके पर गांधी ने कहा कि मैं इस महान आदमी की निष्पक्षता और सदासयता के प्रति न्याय बरतना चाहता हूं। एक समय गांधी की हत्या के लिए भीड़ को उकसाने वाले इन्सान पर ऐसी रहमदिली गांधी जैसे महान आत्मा के ही बूते की बात थी। ऐसी दो और घटनाओं से दक्षिण अफ्रीका में गांधी का सामना हुआ, जब गांधी जी के हत्या के प्रयास हुए और बाद में वे हत्यारे गांधी के दोस्त बन गए।

सत्याग्रह की असली परीक्षा चंपारण (बिहार) में अंग्रेजों का निलहें किसानों पर किए जा रहें अत्याचार के विरोध में हुई। अंग्रेजों के किसानों पर जबरन तीन कठिया खेती करने के दबाव के प्रतिरोध में इस आंदोलन का नेतृत्व गांधी ने किया। सत्याग्रह का असली रूप बिहार कांग्रेसी नेताओं को तब समझ आया, जब गांधी ने कानून की अवज्ञा के लिए खुद कानून के हवाले किया। गांधी के पहले ऐसी गिरफ्तारी की कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। सत्याग्रह का एक और रूप देश के सामने तब सामने आया रौलट एक्ट के विरोध में गांधी ने हड़ताल, पर्दशन, बहिष्कार का आह्वान किया। इस कानून के तहत बिना कोई अपील, बिना किसी दलील, बिना किसी वकील के देश के किसी भी नागरिक को पाबंद करने और जेल भेजने की छूट थी।

गांधी के आह्वान पर शुरू यह आंदोलन पंजाब में हिंसक रूप ले लिया। सैफुद्दीन किचलू और सतपाल डांग के नेतृत्व निकले जुलूस ने थाने फूंक दिया और पुलिस कर्मियों की हत्या कर दिया। गांधी ने ऐसी घटनाओं की जिम्मेदारी खुद पर लेते हुए घोषणा किया कि अहिंसा के बिना उचित प्रशिक्षण की वजह से ऐसी घटनाएं घटित हुई। इसे गांधी ने अपनी हिमालय सरीखा भूल की संज्ञा दी।

उत्तर प्रदेश के चौरी-चौरा में हुई हिंसात्मक घटनाओं के बाद गांधी ने जब आंदोलन वापस लिया तो इसका कांग्रेस में और देश के दूसरे नेताओं के बीच खूब आलोचना हुई। पर गांधी की एक खूबी थी कि वे हर आंदोलन से सबक लेते है और उसके बाद आगे की भूमिका तय करते है। इसलिए उनका हर अगला आंदोलन पहले से बड़ा और प्रभावी हुआ।

सन 1924 के बाद वे कांग्रेस से अलग हुए और जब सन 1929 में जवाहर लाल नेहरू जब कांग्रेस के अध्यक्ष बनें तो कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज हासिल करने का लक्ष्य तो घोषित कर दिया। पर आगे इसे प्राप्त करने के लिए कांग्रेस को कोई प्रभावी कार्यक्रम सूझ नहीं रह था। यह जिम्मेदारी गाधी के कंधों पर डाली गई।

करो या मरो का नारा

सन 1942 आते -आते देश में परिस्थितियां बड़ी तेजी से बदल रहीं थी। गांधी के सामने भी थोड़े ही विकल्प बचे थे। वे अंग्रेजों से अपील करते हैं कि भारत जैसा भी है, वे भारतीयों भाग्य भरोसे छोड़कर कर चलें जाएं। उस वक्त गांधी जी ने देशवासियों को एक युक्ति दी कि अब करो या मरो के अलावा कोई दूसरा उपाय उनके सामने नहीं है।

इसके बाद गांधी समेत कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं को जेल में कैद कर दिया गया। गांधी को आगा खां पैलेस में कैद किया गया। इस पैलेस में ही गांधी के विश्वसनीय सहयोगी रहे महादेव देसाई और उनकी पत्नी कस्तूरबा की मौत हुई। इस दौरान अंग्रेजों की ओर से कई प्रस्ताव आए पर इन तमाम प्रस्तावों का अंतिम नतीजा यह रहा कि देश का विभाजन धर्म के आधार पर हो गया, जो गांधी नहीं चाहते थे। गांधी के जाने के बाद आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर भी आज हम उन सवालों से जूझ रहे हैं, जिनसे तीस के दशक में वे रुबरू थे। मसलन हिन्दू-मुसलमानों के बीच आपसी सौहार्द और एकता की अब तक तमाम कोशिशें नाकाम रहीं है। एक धर्मनिरपेक्ष राज्य के इतने साल के शासन के बाद भी ये समस्याएं ज्यों की त्यों बनीं हुई है। राज्य मशीनरी उन कार्यक्रमों से पहले ही पाला झाड़ चुका है, जो गांधी ने सुझाए।

गांधी के ग्रामस्वराज्य का सपना आज विकेन्द्रित भृष्टाचार का अड्डा बन चुका है। जनता की भागीदारी के बजाय इस पर नौकरशाही हॉबी है। इस अर्थ में पार्था चटर्जी के इस बात से सहमत होने की काफी गुंजाइश है कि ÷गांधी के कार्यक्रम को राज्य मशीनरी लागू ही नहीं कर सकती। फिर भी गांधी के विचारों की चर्चा इस वजह से होनी चाहिए कि उनके विचार कभी भी आपके बीच एक फाइनल प्रोजेक्ट के बजाय निरन्तर होने और विकसित होते हुए नजर आएंगे। और कहना न होगा कि ऐसे बीज विचारों में ही भविष्य की कोई राह निकलने की संभावना हो सकती है। ●

75 वें स्वाधीनता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिवस की अनेक बधाइयाँ

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री अरविंद कुमार दुबे
(कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री पुष्पेन्द्र कुशवाह
(प्रभारी उपायुक्त सहकारिता)

श्री एम.ए. कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री एन.यू. सिद्दीकी
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से
श्री जी.के. सक्सेना (शा.प्र. गैरतगंज)
श्री रामगोपाल सनोड़िया (शा.प्र. मंडीदीप)
श्री मयंक तेटवाल (शा.प्र. सुल्तानपुर)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. गढ़ी, जि.रायसेन
श्री कैलाश तिवारी (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सिंहपुर, जि.रायसेन
श्री रामसिंह यादव (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. चांदोनीगढ़ी, जि.रायसेन
श्री अजबसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बम्हौरी गोदड़, जि.रायसेन
श्री कमलसिंह गुर्जर (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. दाहोद, जि.रायसेन
श्री समुन्दरसिंह नागर (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. गैरतगंज, जि.रायसेन
श्री शिवकुमार शर्मा (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. चाँदपुर, जि.रायसेन
श्री मुकेश लोधी (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. पोलाहा, जि.रायसेन
श्री रंजीत लोवंशी (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. अगरियाकलां, जि.रायसेन
श्री राधेलाल धाकड़ (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. रजपुरा, जि.रायसेन
श्री श्यामबाबू शर्मा (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. उमरावगंज, जि.रायसेन
श्री मावधसिंह लोवंशी (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. आलमपुर, जि.रायसेन
श्री कन्छेदीलाल साहू (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. मंडीदीप, जि.रायसेन
श्री बृजेश वर्मा (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सुल्तानपुर, जि.रायसेन
श्री संतोष रघुवंशी (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. रमपुराकलां, जि.रायसेन
श्री घनश्याम व्यास (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. मूंडला, जि.रायसेन
श्री नरेन्द्र पाल (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. भीमपुर कंजई, जि.रायसेन
श्री त्रिलोचनसिंह (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सोडरपुर, जि.रायसेन
श्री मुन्नालाल दुबे (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. चांदलाखेड़ी, जि.रायसेन
श्री सादिक मोहम्मद (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. खमरिया सोहनपुर, जि.रायसेन
श्री रामभुवन द्विवेदी (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. समनापुर, जि.रायसेन
श्री चन्द्रभान गौर (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. चिकलोद खुर्द जि.रायसेन
श्री हनुमतसिंह प्रजापति (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. चंपानेर, जि.रायसेन
श्री जितेन्द्र विश्वकर्मा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा

देश के विकास में सहकारिता का बहुत महत्वपूर्ण योगदान

भारत की जनता के स्वभाव में सहकारिता घुलमिल गई है और संस्कार में सहकारिता है, और ये कोई उधार लिया हुआ विचार नहीं है, इसीलिए भारत में सहकारिता आंदोलन कभी भी अप्रासंगिक नहीं हो सकता। सहकारी आंदोलन ने इस देश को कई संकटों से बाहर निकालने में अपना योगदान दिया है। सहकारिता मंत्रालय कोऑपरेटिव संस्थाओं को मज़बूत करने, उनमें पारदर्शिता लाने, उनका आधुनिकीकरण करने, कम्प्यूटरीकृत करने और स्पर्धा में टिक सकने वाली कोऑपरेटिव तैयार करने के लिए ही बनाया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में हर वंचित तक विकास को पहुंचाने की चुनौती को पार करने के लिए सहकारिता मंत्रालय निरंतर कार्य करेगा।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह नई दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर सहकारिता से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने देश के पहले सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह का स्वागत किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री बी. एल. वर्मा, इंटरनैशनल कोआपरेटिव एलायंस (ग्लोबल) के अध्यक्ष डॉ. एरियल ग्वार्को, सहकारिता मंत्रालय व कृषि तथा किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव और भारत की अग्रणी सहकारी संस्थाओं- इफ़्को, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ, अमूल, सहकार भारती, नैफेड और कृभको समेत समस्त सहकारी परिवार के अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

श्री अमित शाह ने कहा कि आज़ादी के 75 सालों के बाद और ऐसे समय पर जब सहकारिता आंदोलन की सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी, उस समय देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय बनाया। उन्होंने देशभर के करोड़ों सहकारिता कार्यकर्ताओं की ओर से सहकारिता आंदोलन का गठन करने के लिए प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद व्यक्त किया और कहा कि देश का पहला सहकारिता मंत्री बनना उनके लिए बहुत गौरव की बात है। श्री शाह ने सहकारिता मंत्री के रूप में देशभर के सहकारिता नेताओं और कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि अब उपेक्षा का समय समाप्त हो गया है और प्राथमिकता का समय शुरू हुआ है और सब मिलकर सहकारिता को आगे बढ़ाएं।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि देश के विकास में सहकारिता बहुत महत्वपूर्ण योगदान देती है और ये योगदान आज भी है, लेकिन अब भी कई आयामों तक पहुंचना अभी बाक़ी है। उन्होंने कहा कि इसके बारे में नए सिरे से सोचना होगा, नए सिरे से रेखांकित करना होगा, हमारे काम का दायरा बढ़ाना होगा, काम में पारदर्शिता लानी होगी, और काम में सहकारिता की भावना को स्वभाव और संस्कार की तरह शामिल कर सहकारिता के आंदोलन को आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि देश के करोड़ों किसानों, वंचितों, पिछड़ों, दलितों, ग़रीबों, उपेक्षितों, महिलाओं के

विकास का मार्ग केवल सहकारिता के माध्यम से ही प्रशस्त हो सकता है।

श्री अमित शाह ने कहा कि कई लोग सहकारिता की प्रासंगिकता पर सवाल उठाते हैं और उन्हें लगता है कि सहकारिता आंदोलन अब अप्रासंगिक हो गया है, लेकिन सहकारिता आंदोलन सबसे ज़्यादा प्रासंगिक आज है और लंबा सफ़र अभी बाक़ी है। उन्होंने कहा कि हर गांव को कोऑपरेटिव के साथ जोड़कर, सहकार से समृद्धि के मंत्र से हर गांव को समृद्ध बनाना और इसके ज़रिए देश को समृद्ध बनाना, यही सहकारिता आंदोलन की भूमिका होती है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि सहकारिता शब्द, 'सह' और 'कार्य' शब्दों से मिलकर बना है, मिलजुलकर, एक लक्ष्य के साथ, बंधुत्व भाव से एक दिशा में काम करना ही सहकारिता है। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि सहकारिता क्षेत्र में काम करने वाले हम सब लोगों की ताक़त और आर्थिक शक्ति कम हो, लेकिन हमारी संख्या इतनी अधिक है कि अगर इसे कोऑपरेटिव के माध्यम से एकत्र करते हैं तो एक प्रचंड ताक़त का निर्माण होता है, जिसे कोई हरा नहीं सकता। श्री शाह ने कहा कि अब आत्मविश्वास के साथ सहकारिता आंदोलन में एक नई शुरूआत करने का समय आ गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक मंत्र दिया है, सहकार से समृद्धि का, और उन्होंने जो पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का एक लक्ष्य रखा है, सहकारिता क्षेत्र भी इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए पूरा ज़ोर लगा देगा। श्री अमित शाह ने अपने संबोधन में सहकारिता आंदोलन को बल देने वाले, माधवराव गोडबोले, बैकुंठभाई मेहता, त्रिभुवनदास पटेल, विट्ठलराव विखे पाटिल, यशवंतराव चव्हाण, धनंजयराव गाडगिल, और लक्ष्मणराव इनामदार जैसे कई लोगों को याद और नमन किया।

केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री ने कहा कि कई लोग उनसे पूछते हैं कि क्या सहकारिता आंदोलन आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने सहकारी आंदोलन की अच्छी बातों के बारे में बताते हुए गुजरात के अमूल का ज़िक्र किया और कहा कि अमूल का जन्म सरदार पटेल की दीर्घदृष्टि से हुआ। उन्होंने कहा कि 1946 में अंग्रेज़ों ने एक फ़ैसला किया कि किसानों को अनिवार्य रूप से अपना सारा दूध एक निजी कंपनी को देना होगा। इसके ख़िलाफ़ खेड़ा ज़िले में एक आंदोलन हुआ और सरदार पटेल ने त्रिभुवनभाई को कहा कि जब तक दूध बेचने की व्यवस्था नहीं होती, तब तक इसके ख़िलाफ़ आंदोलन सफल नहीं हो सकता और वहीं से अमूल की शुरूआत हुई। सरदार पटेल के मार्गदर्शन में त्रिभुवनभाई पटेल ने दो प्राथमिक ग्राम दुग्ध उत्पादक समितियों का पंजीकरण किया जिसमें 80 किसान जुड़े और वो अमूल आज कहां है। वर्ष 2020-21 में अमूल का ग्रुप टर्नओवर 53 हज़ार करोड़ रूपए को पार कर गया है और 36 लाख किसान परिवार इससे जुड़े हुए हैं, विशेषकर महिलाओं को सशक्त करने का काम इसने किया है। बड़ी से बड़ी कॉर्पोरेट डेयरी जो नहीं कर सकती, वो हमारे अमूल ने किया है। इसी प्रकार लिज्जत पापड़ का ज़िक्र करते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि 1959 में जसवंतीबेन पोपट नाम की एक साहसी गुजराती महिला ने 80 बहनों को साथ लेकर पापड़ बनाने की एक कोआपरेटिव कि शुरूआत की थी, और वर्ष 2019 में उनका कारोबार 1600 करोड़ रूपए से अधिक का था और 80 करोड़ रूपए का निर्यात करती हैं। आज लगभग 45,000 महिलाएं लिज्जत के

कोऑपरेटिव आंदोलन से जुड़ी हैं और ये सक्सेस स्टोरी देशभर की महिलाओं के लिए एक प्रेरणास्त्रोत है। आज अमूल और लिज्जत की सफलता में देश की महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान है।

उन्होंने कहा कि इफ़्को ने इस देश की हरित क्रांति को एक नई दिशा देने का काम किया है। वर्ष 1967 में 57 कोऑपरेटिव्स के साथ एक सोसायटी बनी और वो बढ़ते-बढ़ते आज 36,000 से ज़्यादा कोऑपरेटिव को सदस्य बनाकर लगभग 5.5 करोड़ किसानों को उनका लाभांश पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि एक बहुत बड़ी कंपनी अगर कुछ कमाएगी तो उसका सबसे बड़ा हिस्सा उसके मालिक़ के पास जाएगा, लेकिन इफ़्को जो कुछ भी कमाएगी उसकी पाई-पाई 5.5. करोड़ किसानों के घर में जाएगी और इसी को कोऑपरेटिव कहते हैं। श्री अमित शाह ने नैनोटेक्नोलॉजी को ज़मीन पर उतारने के लिए इफ़्को की प्रशंसा की। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले दिनों में, कोआपरेटिव संस्थाओं के माध्यम से ही, उर्वरक और खाद आयात करने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी और हम आत्मनिर्भर बनेंगे। इसी प्रकार कृभको भी 9,500 समितियों का एक संघ है और इसकी शेयर पूंजी लगभग 388 करोड़ रूपए है और शेयरधारकों को एक वर्ष में 2118 करोड़ रूपए का लाभांश कृभको ने दिया है। उन्होंने कहा कि सफलता की कहानियों की ये सूची बहुत लंबी है जिन्होंने सहकारी आंदोलन के माध्यम से छोटे-छोटे लोगों से पूंजी इकट्ठा करके देश के अर्थतंत्र और विकास में कितना बड़ा योगदान दिया है और सारा मुनाफ़ा छोटे-छोटे निवेशकों के घरों में जाता है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि कृषि ऋण वितरण का 29% कोऑपरेटिव व्यवस्था से जाता है, उर्वरक वितरण 35% कोऑपरेटिव करता है, लगभग 30% खाद का उत्पादन करता है, चीनी का उत्पादन 31% सरकारी कोऑपरेटिव सरकारी मिलें करती है, दूध की ख़रीद और उत्पादन 20%, गेहूं की 13% ख़रीद कॉपरेटिव करती है, धान की 20% ख़रीद कोऑपरेटिव करती हैं और मछलीपालन के क्षेत्र में भी कोऑपरेटिव का योगदान 21% है। उन्होंने कहा कि आज एक बहुत मजबूत प्लेटफार्म पर हम खड़े हैं और अब समय आ गया है, नए लक्ष्य तय करना और नए लक्ष्यों को सिद्ध करने के लिए हम आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि ये जो मंच भारत के सहकारी आंदोलन के पुरखों ने हमें दिया है, उस पर एक मज़बूत बहुमंजिला इमारत बनाने का काम सभी सहकारी कार्यकर्ताओं का है और इसीलिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सहकारिता आंदोलन को गति देने के लिए सहकारिता मंत्रालय की रचना की है।

केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री ने कहा कि हमारी सफलता चार चीजों पर निर्भर हो सकती है, संकल्प शक्ति, साफ नियत, परिश्रम और संघ भाव से काम करना और अगर हम अपने कोऑपरेटिव में इन चार मूल सिद्धांतों को शामिल करते हैं तो हम अपने आंदोलन को बहुत बड़ी गति देंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जो सहकारिता मंत्रालय बनाया है उसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में विकास को पहुंचाना और ग्रामीण क्षेत्र में हर वंचित तक विकास को पहुंचाने की चुनौती को पार करने के लिए सहकारिता मंत्रालय निरंतर कार्य करेगा। उ

श्री अमित शाह ने कहा कि मैं अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की समस्याओं से अवगत हूँ और विश्वास दिलाना चाहता हूं कि इस क्षेत्र के साथ कोई अन्याय नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा कि इसीलिए मोदी जी ने सहकारिता को प्राथमिकता दी है और आत्मनिर्भर भारत में सहकारिता को प्रमुख स्थान दिया है। उनका कहना था कि हम चाहते हैं सम-विकास होना चाहिए, विकास सर्व-स?पर्शी होना चाहिए, सर्व-समावेशी होना चाहिए, विकास के मॉडल के अंदर सब को छूने की ताकत होनी चाहिए और विकास का मॉडल सबको समाहित करने के लिए बाहें फैलाकर खड़ा होना चाहिए जो कोआपरेटिव के अलावा संभव नहीं है। इसलिए सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की गई है।

श्री अमित शाह ने इंटरनैशनल कोआपरेटिव एलांयस (ग्लोबल) के अध्यक्ष डॉ. एरियल ग्वार्को को विश्वास दिलाते हुए कहा कि भारत का सहकारिता क्षेत्र, भारत का सहकारी आंदोलन देशभर में गुड प्रैक्टिस साझा करने, एक्सचेंज करने का एक प्लेटफॉर्म बन सकता है। उन्होंने कहा कि आप इनीशिएटिव लेकर ऐसी किसी संस्था का भारत में हेड क्वार्टर बनाइए जो दुनिया भर की गुड प्रैक्टिसेज कोपॅरेटिव, गुड प्रैक्टिस एक्सचेंज का माध्यम बने और हम आपका स्वागत करने के लिए तैयार हैं। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मन की इच्छा है कि सहकारिता के आधार पर भारत में विकास का एक नया अध्याय लिखा जाए, मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को चरितार्थ करने के लिए सहकारी क्षेत्र को इसमें प्रमुख भूमिका निभानी होगी और हमें सहकारिता को संस्कार बनाना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि जो महत्वपूर्ण भूमिका हम निभाएंगे आने वाली कई पीढ़ियाँ उसे याद रखेंगी। •

सहकारिता के क्षेत्र में सुधार शुरू

सहकारिता क्षेत्र की मुश्किलें आसान करने के लिए मंत्रालय सक्रिय हो गया है। इससे स्पष्ट है कि सहकारिता क्षेत्र के दिन जल्द ही सुधरने वाले हैं। को-ऑपरेटिव सेक्टर में सुधार की प्रक्रिया तेज गति से शुरू हो गई है। इस बात का संकेत सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने दिया था। उन्होंने कहा कि कराधान संबंधी विसंगतियों में सुधार कर उसे तर्कसंगत बनाना पहली प्राथमिकता है। टैक्स में राहत देने के बारे में गंभीरता से विचार-विमर्श किया जा रहा है। सहकारी संस्थाओं के लिए दीपावली तोहफे के रूप में इसकी घोषणा की जा सकती है। सूत्रों के मुताबिक इस बारे में वित्त मंत्रालय को विस्तृत ब्यौरा भेजकर इसमें सुधार का आग्रह किया गया है। इससे प्राथमिक सहकारी समितियों के सदस्यों के लाभांश में वृद्धि हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक सहकारी संस्थाओं के लिए यह बड़ा तोहफा साबित हो सकता है।

कीमती फसलों के रक्षक,
तेज असरकारक एवं विश्वसनीय
बायो क्रान्ति में शानदार धमाका
बायो करे कमाल
किसान बने खुशहाल
तरल, घुलनशील एवं भुरकाव हेतु उपयोगी
55 कीटनाशकों की विशाल श्रृंखला
तरल – बायो पौषक, अमिनोटॉप, ह्युमिटॉप, स्कारपियो, रिसर्च–30,
तरल एवं ग्रेन्यूल – बायो टेक झाईम, बायो पंचरत्न, बायो बूम–एन
शिपॉन केमिकल्स प्रा. लि.
रजिस्टर्ड ऑफिस : गोयल मार्केट, 38, वेयर हाउस रोड, इन्दौर–452 007
फोन : 0731–2475465, मो. : 98270–25084, 98930–25084
ब्रांच ऑफिस : 12–ए, रजनीगंधा सोसायटी, मुम्बई
अन्य ब्रांचेस : बेल्लारी, रायपुर
biopest
बायो पेस्ट केमिकल्स
कॉर्पोरेट ऑफिस : अंधेरी (वेस्ट), मुम्बई
रजिस्टर्ड ऑफिस : गोयल मार्केट, 38, वेयर हाउस रोड, इन्दौर–452 007
फोन : 0731–2475465, मो. : 98270–25084, 98930–25084
sonie ads
डीलरशीप हेतु सम्पर्क करें

बायोस्टेड इंडिया लि. के उत्कृष्ट उत्पाद
BIOSTADT
बायोज़ाइम®
जीव विज्ञान पर आधारित
पौधों के लिए सम्पूर्ण विकास वर्धक,
अधिकतम पैदावार एवं बेहतर
क्वालिटी के लिए
BIOZYME Vegetable
BIOZYME बायोज़ाइम ग्रेन्यूल्स
BIOZYME SOYA +
BIOZYME Vegetable
वितरक :
पटवारी एग्रो एजेन्सीज
17, विशाल टॉवर, इंदिरा कॉम्प्लेक्स, नवलखा, इंदौर (म.प्र.)
फोन : (ऑ.) 2403694, 2400412,
(बिजलपुर) 2321668, 2321918, (नि.) 2321723

गेहूँ उत्पादन की नई तकनीक

भूमि का चुनाव-खेत की तैयारी

गेहूँ की खेती के लिए काली, गुमट एवं हल्की जमीन जिसमें पानी की उपलब्धता होना आवश्यक है। अक्टूबर, नवंबर माह में दो-तीन जुताई कर खेत तैयार करें। पर्याप्त नमी के अभाव में आवश्यकतानुसार पलेवा कर खेत की तैयारी करें। यदि प्रति वर्ष संभव न हो तो हर दूसरे तीसरे वर्ष 10-15 टन प्रति हैक्टेयर गोबर की अच्छी सड़ी हुई खाद या कम्पोस्ट अवश्य प्रयोग में लाएँ।

बीज उपचार

बीज जनित रोगों के बचाव के लिए दो से तीन ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से बीज को थायरस/ कार्बेंडाजिम से बीज उपचारित करें। पीएसबी कल्चर 5 ग्राम/किलो बीज से उपचारित करने पर फास्फोरस की उपलब्धता बढ़ती है।

बोनी का समय

असिंचित तथा अर्द्धसिंचित गेहूँ की बोवनी 20 अक्टूबर से 10 नवंबर तक एवं सिंचित क्षेत्र में 10 नवंबर से 25 नवंबर तक की जा सकती है। इसके अलावा देर से बोए जाने वाले गेहूँ की दिसंबर तक बोवाई की जा सकती है। गेहूँ की बोवाई में तापमान 20 डिग्री के आसपास हो तो अंकुरण अच्छा होता है।

बीज दर/बोने की विधि

100 किलो प्रति हैक्टेयर। देर से बोए जाने पर बीज दर में 20 से 25 प्रतिशत वृद्धि की जा सकती है। गेहूँ में 1000 दानों में वजन के आधार पर बीज की दर निर्धारित करें। सामान्यतः 1000 दानों का वजन जितने ग्राम आए उतने कि.ग्रा. बीज प्रति एकड़ उपयोग में लाएँ। बोनी किस्मों में 4 से 5 से.मी. गहराई तथा असिंचित किस्मों में 5 से 6 से.मी. गहराई पर बीज की बोवाई करें। कतार से कतार की दूरी 20 से 22 से.मी. रखें।

लागत में कमी (नई तकनीक)

*बीज एवं उर्वरक में महँगे आदान की मात्रा कम करने के लिए मेड़-नाली पद्धति अपनाने से बीज दर 30-35 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।

*उर्वरक की खपत में कमी

*नींदा नियंत्रण आसान

*सिंचाई में पानी की कम मात्रा

जीरो टिलेट तकनीक :

धान की पछेती फसल की कटाई के उपरांत खेत में समय पर गेहूँ की बोवनी के लिए समय नहीं बचता और खेत, खाली छोड़ने के अलावा किसान के पास विकल्प नहीं बचता ऐसी दशा में एक विशेष प्रकार से बनाई गई बीज एवं खाद ड्रिल मशीन से गेहूँ की बुवाई की जा सकती है।

जिसमें खेत में जुताई की आवश्यकता नहीं पड़ती। धान की

उपयुक्त किस्मों का चयन : क्षेत्रवार बोवनी के समय एवं सिंचाई जल उपलब्धता के आधार पर

1. मालवा अंचल : रतलाम, मंदसौर, इंदौर, उज्जैन, शाजापुर, राजगढ़, सीहोर, धार, देवास तथा गुना का दक्षिणी भाग

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित** : जे.डब्ल्यू. 17, जे.डब्ल्यू. 3269, जे.डब्ल्यू. 3288, एच.आई. 1500, एच.आई. 1531, एच.डी. 4672 (कठिया)
- **सिंचित (समय से)** : जे.डब्ल्यू. 1201, जे.डब्ल्यू. 322, जे.डब्ल्यू. 273, एच.आई. 1544, एच.आई. 8498 (कठिया), एम.पी.ओ. 1215
- **सिंचित (देरी से)** : जे.डब्ल्यू. 1203, एम.पी. 4010, एच.डी.2864, एच.आई. 1454

2. निमाड़ अंचल : खंडवा, खरगोन, धार एवं झाबुआ का भाग

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित**:जे.डब्ल्यू.3020,जे.डब्ल्यू. 3173, एच.आई. 1500, जे.डब्ल्यू. 3269
- **सिंचित (समय से)** : जे.डब्ल्यू. 1142, जे.डब्ल्यू. 1201, जी.डब्ल्यू. 366, एच.आई. 1418
- **सिंचित (देरी से)** : इस क्षेत्र में देरी से बुवाई से बचें। समय से बुआई को प्राथमिकता क्योंकि पकने के समय पानी की कमी। किस्में : जे.डब्ल्यू. 1202, एच.आई. 1454

3. विंध्य पठार : रायसेन, विदिशा, सागर, गुना का भाग

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित** : जे.डब्ल्यू. 17, जे.डब्ल्यू. 3173, जे.डब्ल्यू. 3211, जे.डब्ल्यू. 3288, एच.आई. 1531, एच.आई. 8627 (कठिया)
- **सिंचित (समय से)** : जे.डब्ल्यू. 1142, जे.डब्ल्यू. 1201, एच.आई. 1544, जी.डब्ल्यू. 273, जे.डब्ल्यू. 1106 (कठिया), एच.आई. 8498 (कठिया), एम.पी.ओ. 1215 (कठिया)
- **सिंचित (देरी से)** : जे.डब्ल्यू. 1202, जे.डब्ल्यू. 1203, एम.पी. 4010, एच.डी. 2864, डी.एल. 788-2

4. नर्मदा घाटी : जबलपुर, नरसिंहपुर, होशंगाबाद, हरदा

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित** : जे.डब्ल्यू. 17, जे.डब्ल्यू. 3288, एच.आई. 1531, जे.डब्ल्यू. 3211, एच.डी. 4672 (कठिया)
- **सिंचित (समय से)** : जे.डब्ल्यू. 1142, जी.डब्ल्यू. 322, जे.डब्ल्यू. 1201, एच.आई. 1544, जे.डब्ल्यू. 1106, एच.आई. 8498, जे.डब्ल्यू. 1215
- **सिंचित (देरी से)** : जे.डब्ल्यू. 1202, जे.डब्ल्यू. 1203, एम.पी. 4010, एच.डी. 2932

5. बैनगंगा घाटी : बालाघाट एवं सिवनी क्षेत्र

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित** : जे.डब्ल्यू. 3269, जे.डब्ल्यू.3211,जे.डब्ल्यू.3288, एच.आई. 1544
- **सिंचित (समय से)** : जे.डब्ल्यू. 1201, जी.डब्ल्यू. 366, एच.आई. 1544, राज 3067
- **सिंचित (देरी से)** : जे.डब्ल्यू. 1202, एच.डी. 2932, डी.एल. 788-2

6. हवेली क्षेत्र : रीवा, जबलपुर और नरसिंहपुर का भाग

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित** : जे.डब्ल्यू. 3020, जे.डब्ल्यू. 3173, जे.डब्ल्यू. 3269, जे.डब्ल्यू. 17, एच.आई. 1500
- **सिंचित (समय से)** : जे.डब्ल्यू. 1142, जे.डब्ल्यू. 1201, जे.डब्ल्यू. 1106, जी.डब्ल्यू. 322, एच.आई. 1544
- **सिंचित (देरी से)** : जे.डब्ल्यू. 1202, जे.डब्ल्यू. 1203, एच.डी. 2864, एच.डी. 2932

7. सतपुड़ा पठार : छिंदवाड़ा एवं बैतूल

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित**: जे.डब्ल्यू.17, जे.डब्ल्यू. 3173, जे.डब्ल्यू. 3211, जे.डब्ल्यू. 3288, एच.आई. 1531
- **सिंचित (समय से)** : एच.आई. 1418, जे.डब्ल्यू. 1201, जे.डब्ल्यू. 1215, जी.डब्ल्यू. 366
- **सिंचित (देरी से)** : एच.डी. 2864, एम.पी. 4010, जे.डब्ल्यू. 1202, जे.डब्ल्यू. 1203

8. गिर्द क्षेत्र : ग्वालियर, भिंड, मुरैना एवं दतिया का भाग

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित** : जे.डब्ल्यू. 3288, जे.डब्ल्यू. 3211, जे.डब्ल्यू. 17, एच.आई. 1531, जे.डब्ल्यू. 3269, एच.डी. 4672
- **सिंचित (समय से)** : एच.आई. 1544, जी.डब्ल्यू. 273, जी.डब्ल्यू. 322, जे.डब्ल्यू. 1201, जे.डब्ल्यू. 1106, जे.डब्ल्यू. 1215, एच.आई. 8498
- **सिंचित (देरी से)** : एम.पी. 4010, जे.डब्ल्यू. 1203, एच.डी. 2932, एच.डी. 2864

9. बुंदेलखंड क्षेत्र : दतिया, शिवपुरी, गुना, टीकमगढ़, छतरपुर एवं पन्ना का भाग

- **असिंचित/अर्द्धसिंचित** : जे.डब्ल्यू. 3288, जे.डब्ल्यू. 3211, जे.डब्ल्यू. 17, एच.आई. 1500, एच.आई. 1531
- **सिंचित (समय से)** : जे.डब्ल्यू. 1201, जी.डब्ल्यू. 366, राज 3067, एम.पी.ओ. 1215, एच.आई. 8498
- **सिंचित (देरी से)** : एम.पी. 4010, एच.डी. 2864
- **विशेष** : सभी क्षेत्रों में अत्यंत देरी से बुवाई की स्थिति में **किस्में** : एच.डी. 2404, एम.पी. 1202
- **उन्नत कठिया किस्म** : एच.डी. 8713 (पूसा मंगल), एच.आई. 8381 (मालवश्री), एच.आई. 8498 (मालवा शक्ति), एच.आई. 8663 (पोषण), एम.पी.ओ. 1106 (सुधा), एम.पी.ओ. 1215, एच.डी. 4672 (मालव रत्न), एच.आई. 8627 (मालव कीर्ति)
- **सिंचित देर से बुवाई के लिए उपयुक्त किस्में** : जे.डब्ल्यू. 3211, जे.डब्ल्यू. 3173

सिंचाई		नत्रजन	स्फुर	पोटाश
असिंचित खेती		40	20	10
अर्द्धसिंचित	एक सिंचाई दो सिंचाई	40 80	30 40	15 20
पूर्ण सिंचित	समय पर बोवाई देर से बोवाई	120 80	60 40	40 30

कटाई के उपरांत बिना जुताई किए मशीन द्वारा गेहूँ की सीधी बुवाई करने की विधि को जैसे टिलेज कहा जाता है। इस विधि को अपनाकर गेहूँ की बुवाई देर से होने पर होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है एवं खेत को तैयारी पर होने वाले खर्च को भी कम किया जा सकता है। इस तकनीक को चिकनी मिट्टी के अलावा सभी प्रकार की भूमियों में किया जा सकता है। जीरो टिलेज मशीन साधारण ड्रिल की तरह ही है। इसमें टाइन चाकू की तरह है। यह टाइंस मिट्टी में नाली जैसी आकार की दरार बनाता है जिससे खाद एवं बीज उचित मात्रा एवं गहराई पर पहुँचता है।

जीरो टिलेज तकनीक के लाभ

1. इस मशीन द्वारा बुवाई करने से 85-90 प्रतिशत ईंधन, ऊर्जा एवं समय की बचत की जा सकती है।

2. इस विधि को अपनाने से खरपतवारों का जमाव कम होता है।

3. इस मशीन के द्वारा 1-1.5 एकड़ भूमि की बुवाई 1 घंटे में की जा सकती है। यह कम ऊर्जा की खपत तकनीक है अतः समय से बुवाई की दशा में इससे खेत तैयार करने की लागत 2000-2500 रु. प्रति हैक्टेयर की बचत होती है।

4. समय से बुवाई एवं 10-15 दिन खेत की तैयारी के समय को बचा कर बुवाई करने से अच्छा उत्पादन लिया जा सकता है।

5. बुवाई शुरू करने से पहले मशीन का अंशशोधन कर ले जिससे खाद एवं बीज की उचित मात्रा डाली जा सके।

6. इस मशीन से सिर्फ दानेदार खाद का ही प्रयोग करें जिससे खाद एवं बीज की उचित मात्रा डाली जा सके।

7. इस मशीन में सिर्फ दानेदार खाद का ही प्रयोग करें, जिससे पाइपों में अवरोध उत्पन्न न हो।

8. मशीन के पीछे पाटा कभी न लगाएँ।

फरो इरीगेशन रेज्ड बेड (फर्व) मेड़ पर बुवाई तकनीक

मेड़ पर बुवाई तकनीक किसानों में प्रचलित कतार में बोवनी या छिड़ककर बोवनी से सर्वथा भिन्न है। इस तकनीक में गेहूँ को ट्रैक्टर चलित रोजर कम ड्रिल से मेड़ों पर दो या तीन कतारों में बीज बोते हैं। इस तकनीक से खाद एवं बीज की बचत होती है एवं उत्पादन भी प्रभावित नहीं होता है।

मेड़ पर फसल बोने से लाभ

1. बीज, खाद एवं पानी की मात्रा में कमी एवं बचत, मेड़ों में संरक्षित नमी लंबे समय तक फसल को उपलब्ध रहती है एवं पौधों का विकास अच्छा होता है।

2. गेहूँ, उत्पादन लागत में कमी।

3. गेहूँ की खेती नालियों एवं मेड़ पर की जाती इससे फसल गिरने की समस्या नहीं होती। मेड़ पर फसल होने से जड़ों की वृद्धि अच्छी होती है एवं जड़ें गहराई से नमी एवं पोषक तत्व अवशोषित करते हैं।

4. इस विधि से गेहूँ उत्पादन में नालियों का प्रयोग सिंचाई के लिए किया जाता है। यही नालियाँ अतिरिक्त पानी की निकासी की भी सहायक होती है।

5. दलहनी एवं तिलहनी फसलों की उत्पादकता में वृद्धि होती है।

6. मशीनों द्वारा निंदाई गुड़ाई भी की जा सकती है।

7. अवांछित पौधों को निकालने में आसानी रहती है।

खाद-उर्वरक

गेहूँ के लिए सामान्यतः नत्रजन स्फुर एवं पोटाश 4:2:1 के अनुपात में देना चाहिए। मिट्टी परीक्षण अवश्य कराएँ। परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फेट एवं पोटाश की मात्रा का निर्धारण करें। जिंक सल्फेट का प्रयोग 3 फसल के उपरांत 25 कि.ग्रा./हैक्टे. की दर से करें।

(अ) बोवाई के समय स्फुर एवं पोटाश की पूरी तथा नत्रजन की 1/3 मात्रा बोवाई के समय उपयोग करें।

(ब) नत्रजन की शेष मात्रा दो बराबर हिस्सों में बाँटकर पहली तथा दूसरी सिंचाई के साथ दें।

(स) असिंचित खेती में पूरी उर्वरक की मात्रा बोवाई के समय दें तथा असिंचित खेती में नत्रजन की आधी मात्रा प्रथम सिंचाई कर दें।

सिंचाई

पहली सिंचाई 25 दिनों के अंतराल में अवश्य करें क्योंकि इस समय काऊन रूप बनती हैं जिससे कल्ले ज्यादा होंगे। दूसरी सिंचाई 40 से 45 दिन में, तीसरी सिंचाई 60 से 70 दिन में, चौथी सिंचाई 80 से 90 दिन में, पाँचवीं सिंचाई 90 से 100 दिन में दुग्धावस्था में देने से अच्छा उत्पादन प्राप्त होता है। नई विकसित किस्मों में 5-6 सिंचाई की आवश्यकता नहीं 3-4

नींदानाशक रसायनों की मात्रा एवं प्रयोग समय

नींदानाशक	खरपतवार	दर/हे.	प्रयोग का समय
पेंडीमिथेलीन	संकरी एवं चौड़ी	1.0 कि.ग्रा.	बुवाई के तुरंत बाद
सल्फोसल्फूरान	संकरी एवं चौड़ी	33.5 ग्रा.	बुवाई के 35 दिन तक
मेट्रीब्यूजिन	संकरी एवं चौड़ी	250 ग्रा.	बुवाई के 35 दिन तक
2, 4-डी	चौड़ी पत्ती	.4-.5 किग्रा	बुवाई के 35 दिन तक
आइसोप्रोट्यूरान	संकरी पत्ती	750 ग्रा.	बुवाई के 20 दिन तक
आइसोप्रोट्यूरान + 2, 4-डी	चौड़ी एवं संकरी पत्ती	750 ग्रा.+ 750 ग्रा.	बुवाई के 35 दिन तक

सिंचाई पर्याप्त (55-60 क्विंटल उपज) हैं। जहाँ तक संभव हो स्प्रिंकलर का उपयोग करें। एक सिंचाई अवस्था, पूरे कल्ले निकलने पर, दाना बनने के समय, चार सिंचाई : किरीट अवस्था, पूरे कल्ले निकलने पर, फूल आने पर, दुधिया अवस्था।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवारों द्वारा 25-35 प्रतिशत तक उपज में कमी आने की संभावना बनी रहती है। यह कमी फसल में खरपतवारों की सघनता पर निर्भर करती है। गेहूँ की फसल में होने वाले खरपतवार मुख्यतः दो भागों में बाँटे जाते हैं।

1. **चौड़ी पत्ती :** बथुआ, सेंजी, दूधी, कासनी, जंगली पालक, अकरी, जंगली मटर, कृष्णनील, सत्यानाशी, हिरनखुरी आदि।

2. **सँकरी पत्ती :** मोथा, कांस, जंगली जई, चिरैया बाजरा एवं अन्य घासें।

रासायनिक विधि से नींदा नियंत्रण को प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि इससे समय की बचत होती है एवं आर्थिक रूप से भी लाभप्रद रहता है। इस विधि से नींदा नियंत्रण (तालिका में दर्शाए अनुसार) करते हैं।

पौध संरक्षण

प्रमुख कीटों में निम्नलिखित कीट ज्यादा नुकसान करते हैं :

1. **तना छेदक :** फसल के फूटान के समय इसका प्रयोग होता है। इसके नियंत्रण हेतु क्वीनालफास 25 ईसी एक लीटर दवा को 400 से 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टयर छिड़काव करें।

2. **मकड़ी एवं तेला :** यदि फसल पर लाल मकड़ी दिखाई दे तो डायमेथोएट 30 ईसी या फास्फोमिडान 85 डब्ल्यू.सी. का 300 मि.ली. 300 से 400 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

3. **झुलसा रोग :** फसल पर झुलसा रोग के लक्षण दिखाई दे तो कॉपर आक्सीक्लोराइड 3 किलो प्रति हैक्टेयर की दर से 3 बार छिड़काव करें।

4. **करनॉलबंट/कंडवा (लूस स्मट) :** प्रायः यह रोग म.प्र. में नहीं पाया जाता है। फिर भी यदि लक्षण दिखाई दें तो रोगग्रस्त बालियाँ उखाड़कर नष्ट कर देना चाहिए।

5. **गेरुआ रोग :** यह लाल भूरा आदि रंग का होता है। सबसे अधिक हानि काले रस्ट से होती है। ज्यादा रोग फैलने पर दाने राई की तरह हो जाते हैं। पौधा लोहे की जंग के रंग का हो जाता है। नियंत्रण के लिए गंधक चूर्ण 25 कि.ग्रा. प्रति हैक्टेयर से भुरकाव करें या डायथेन एम-45 (0.2 प्रतिशत) का भुरकाव करें। इस रोग पर घुलनशील गंधक (0.2 प्रतिशत) घोल का प्रयोग करें।

कटाई एवं गहाई

फसल के पूरी तरह पकने पर कटे हुए गेहूँ के बंडल सावधानीपूर्वक बनाएँ। ज्यादा सूखने पर दाने झड़ने का अंदेशा रहता है तथा कटाई के तुरंत बाद थ्रेसिंग कार्य करना चाहिए। ●

सदस्यता फॉर्म

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

हरियाली के रास्ते

कृषि, सहकारिता एवं स्थानीय प्रशासन पर केन्द्रित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-उत्तरप्रदेश का प्रवक्ता

नियमित अंकों सहित विशेषांक भी

सदस्यता शुल्क

480/-	850/-	9000/-
वार्षिक	द्विवार्षिक	आजीवन

नाम : ....

पिता : ....

पता : ....

....

....

पिनकोड : ....

फोन : ....

मोबाइल : ....

ई-मेल : ....

सम्पर्क करें

हरियाली के रास्ते

111/ए-ब्लॉक, शहनाई-II रेसीडेंसी, कनाड़िया रोड, इंदौर
मो. 8989179472, 9752558186

सदस्यता शुल्क जमा करने हेतु बैंक अकाउंट विवरण

» खाता नाम : हरियाली के रास्ते
» बैंक : भारतीय स्टेट बैंक » शाखा : गोयल नगर
» खाता संख्या : 31450697620 » SBIN0030412
» PAN Card No. AHGPT7845K

अनुरोध : सदस्यों से अनुरोध है कि सदस्यता प्राप्त करने के बाद रसीद अवश्य प्राप्त करें।

स्वतंत्रता दिवस की 74वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिवस की अनेक बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड | कृषि यंत्र के लिए ऋण

श्री पी.के. सिद्धार्थ (प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री पंकज गुप्ता (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आर.सी. पटले (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री अश्विनी तिवारी (शा.प्र. करेली)

श्री सुरेश रघुवंशी (पर्य. करेली)

श्री श्रीकांत अग्रवाल (शा.प्र. बरमान)

श्री विष्णु अवस्थी (पर्य. बरमान)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करेली, जि.नरसिंहपुर
श्री राघवेन्द्र रघुवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिल्हेटी, जि.नरसिंहपुर
श्री सुरेन्द्र कौरव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सासबहू, जि.नरसिंहपुर
श्री राघवेन्द्र रघुवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लिंगा, जि.नरसिंहपुर
श्री जितेन्द्र पटेल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बधुवार, जि.नरसिंहपुर
श्री सुरेश रघुवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिमरिया, जि.नरसिंहपुर
श्री संजय मिश्रा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मड़ेसुर, जि.नरसिंहपुर
श्री सुरेश रघुवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कोदसा, जि.नरसिंहपुर
श्री रामचरण पटेल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करपगाँव, जि.नरसिंहपुर
श्री राघवेन्द्र रघुवंशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिलहरा, जि.नरसिंहपुर
श्री कमलेश चौरसिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बारहा, जि.नरसिंहपुर
श्री बलराम पटेल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चावरपाठा, जि.नरसिंहपुर
श्री राजेश कुमार नोरिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोहद, जि.नरसिंहपुर
श्री संदीप पंसारी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. केरपानी, जि.नरसिंहपुर
श्री राजेश चौरसिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आमगाँव, जि.नरसिंहपुर
श्री प्रहलाद नामदेव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मुर्गाखेड़ा, जि.नरसिंहपुर
श्री विष्णु अवस्थी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डुंगरिया, जि.नरसिंहपुर
श्री द्वारिका प्रसाद मिश्रा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सगरी, जि.नरसिंहपुर
श्री छत्रपाल पटेल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रांकई, जि.नरसिंहपुर
श्री भागीरथ रजक (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुआतला, जि.नरसिंहपुर
श्री सुनील कुमार भार्गव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. शाहपुर, जि.नरसिंहपुर
श्री सत्यनारायण पचोरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हिरनपुर, जि.नरसिंहपुर
श्री लालचंद्र अग्रवाल (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

फसलों की 35 विशेष किस्में राष्ट्र को समर्पित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विशेष गुणों वाली फसलों की 35 किस्में राष्ट्र को समर्पित कीं। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान, रायपुर का नवनिर्मित परिसर भी राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कृषि विश्वविद्यालयों को ग्रीन कैंपस अवार्ड भी वितरित किए। उन्होंने उन किसानों के साथ बातचीत की, जो नवोन्मेषी तरीकों का उपयोग करते हैं तथा सभा को भी संबोधित किया।

प्रधानमंत्री ने जम्मू और कश्मीर के गांदरबल की श्रीमती जैतून बेगम से उनके द्वारा उपयोग की जा रही नयी कृषि पद्धतियों को सीखने की यात्रा, उनके द्वारा दूसरे किसानों को दिया गया प्रशिक्षण और घाटी में बालिका-शिक्षा के लिए काम करने के प्रति उनके समर्पण के बारे में बातचीत की। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के एक किसान और बीज उत्पादक श्री कुलवंत सिंह के साथ बातचीत करते हुए, प्रधानमंत्री ने पूछा कि वह कैसे विभिन्न प्रकार के बीजों का उत्पादन करते हैं। प्रधानमंत्री ने बारदेज, गोवा की रहने वाली श्रीमती दर्शना पेडनेकर से पूछा कि वह किस प्रकार विविध फसलों की खेती और विभिन्न पशुओं का पालन-पोषण कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि पिछले छह-सात वर्षों में कृषि से संबंधित चुनौतियों के समाधान के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्राथमिकता के आधार पर उपयोग किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारा सबसे ज्यादा ध्यान अधिक पौष्टिक बीजों पर है, जो खासकर बदलते मौसम में, नई परिस्थितियों के अनुकूल हैं। प्रधानमंत्री ने कोरोना महामारी के बीच पिछले साल विभिन्न राज्यों में बड़े पैमाने पर हुए टिड्डियों के हमले को याद किया। उन्होंने कहा कि भारत ने इस हमले से निपटने के लिए काफी प्रयास किए और किसानों को बहुत अधिक नुकसान होने से बचाया।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि जब भी किसानों और कृषि को सुरक्षा कवच मिलता है तो उनका विकास तेजी से होता है। उन्होंने बताया कि भूमि के संरक्षण के लिए 11 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने सरकार की किसान-हितैषी पहलों के बारे में बताया, जैसे-किसानों को जल सुरक्षा प्रदान करने के लिए लगभग 100 लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अभियान, फसलों को बीमारियों से बचाने के लिए किसानों को नई किस्मों के बीज उपलब्ध कराना और इस प्रकार अधिक उपज प्राप्त करना। उन्होंने कहा कि एमएसपी बढ़ाने के साथ-साथ खरीद प्रक्रिया में भी सुधार किया गया ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। रबी सीजन में 430 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं की खरीद की गई है और किसानों को 85 हजार करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है। महामारी के दौरान गेहूं खरीद केंद्रों की संख?या को तीन गुना से अधिक बढ़ाया गया।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री श्री तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री छोटे किसानों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। वह छोटे किसानों के प्रधान सेवक हैं। गुजरात राज्य में कृषि क्षेत्र में किए गए प्रधानमंत्री के योगदानों को याद करते हुए, केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने गुजरात राज्य में कृषि उपयोग के लिए बिजली और पानी उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। गुजरात का कच्छ जिला प्रगतिशील कृषि से पूरी तरह बदल गया, गायों के मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया गया और गुजरात में कृषि की विकास दर 9 प्रतिशत तक बढ़ गई।

श्री तोमर ने केंद्र सरकार द्वारा किसानों के लिए की गई विभिन्न पहलों के बारे में बात की। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जो किसानों को सुरक्षा कवर प्रदान करती है; प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जो किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है; 10,000 कृषक उत्पादक संगठनों के गठन के लक्ष्य के लिए सरकार 6865 करोड़ रुपये खर्च कर रही है; विपणन के लिए किसान रेल और ई-नाम का प्रावधान किया गया है। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि कानून बीज से बाजार तक एक नई क्रांति लायेंगे और किसानों की आमदनी को दोगुना करने में मदद करेंगे।

श्री तोमर ने अमूल शहद को लॉन्च किया

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने वर्चुअल माध्यम से राष्ट्रीय शहद बोर्ड (एनबीबी) के सक्रिय सहयोग के अंतर्गत अमूल शहद- गुजरात कोऑपरेटिव दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) के एक उत्पाद को लॉन्च किया। इस अवसर पर पशुपालन, मत्स्य पालन और डेयरी मंत्री श्री पुरशोत्तम रूपाला भी उपस्थिति थे। समारोह को संबोधित करते हुए श्री तोमर ने छोटी जोत वाले किसानों की आय बढ़ाने में राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन के महत्व पर जोर दिया, जिसे देश में मधुमक्खी पालन के माध्यम से किसानों/मधुमक्खी पालकों की आय को दोगुना करने के लिए 500 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन के साथ लागू किया जा रहा है।

श्री तोमर ने कहा कि देश में 86 प्रतिशत छोटी जोत वाले किसान हैं। इन छोटी जोत वाले किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें मधुमक्खी पालन जैसे कृषि के अन्य आयामों से जोड़ना आवश्यक है। मंत्री महोदय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात की धरती पर एक मीठी क्रांति की इच्छा व्यक्त की थी और आज अमूल शहद के लॉन्च करके भारत ने प्रधानमंत्री के सपने को साकार की दिशा में यात्रा शुरू की है।

श्री संजय अग्रवाल, सचिव (ए एंड एफडब्ल्यू) ने कहा कि शहद उत्पादन में मिलावट रोकने के लिए शहद परीक्षण प्रयोगशालाएं और मधुक्रांति पोर्टल शामिल हैं। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. आर.एस. सोढ़ी ने उल्लेख किया कि पूरे देश में 84 डेयरी संयंत्रों की स्थापना के माध्यम से डेयरी सहकारी समितियों और उनकी बुनियादी सुविधाओं का शहद उत्पादन के लिए एक साथ उपयोग किया जा सकता है। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी, सुश्री शोभा करांदलाजे, पशुपालन विभाग के सचिव श्री अतुल चतुर्वेदी सहित एमओएएफ और एमओएएचएफडी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। जीसीएमएमएफ के अध्यक्ष श्री शामलभाई पटेल, जीसीएमएमएफ के उपाध्यक्ष श्री वलमजीभाई हुंबल, बनास डेयरी के अध्यक्ष श्री शंकर चौधरी गुजरात से वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।

कृभको की सहकारिता संगोष्ठी का आयोजन

धार। कृभको द्वारा भारत@75 भारत का अमृत महोत्सव के अंतर्गत सहकारिता संगोष्ठी का आयोजन जिला सहकारी केंद्रीय बैंक धार मुख्यालय में किया गया। कार्यक्रम में श्री अर्पित तिवारी (मण्डल प्रबंधक, इंदौर), श्री आर.एस. वसुनिया (मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहकारी बैंक धार), श्रीमती स्वाति रॉय (जिला विपणन अधिकारी, धार), डॉ. एस.एस. चौहान (केवीके धार) उपस्थित थे। वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक, कृभको इंदौर श्री आर. एस. राठौड़ द्वारा वर्तमान वर्ष में कृभको द्वारा वितरित लाभांश के बारे में एवं कृभको की मेम्बर सोसाइटी के बारे में चर्चा की। उपमहाप्रबंधक, कृभको भोपाल श्री जे. पी. सिंह सर द्वारा कृभको की विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया एवं सहकारिता के वास्तविक मूल को समझाया। उपायुक्त सहकारिता श्री परमानंद गोडरिया द्वारा कृभको रेक पॉइंट एवं विशेष रूप से सड़क माध्यम से यूरिया पर्याप्त मात्रा में प्रदाय करने पर कृभको की प्रशंसा की, एवं भविष्य में भी इसी प्रकार से सहयोग की अपेक्षा की। आभार क्षेत्रीय प्रतिनिधि विनोद धाकड़ द्वारा माना गया। अंत में अतिथियों ने कृषि विज्ञान केंद्र धार का भ्रमण किया एवं वर्मी कम्पोस्ट, मुर्गी पालन, बकरी पालन, डेरी फार्म, उद्यानिकी फसल आदि के बारे में जानकारी हासिल की।

मध्यप्रदेश कृषि क्षेत्र में मॉडल राज्य होगा : श्री तोमर

किसानों को पुरानी दर पर डीएपी आपूर्ति होगी : श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथ मंत्रालय में एक उच्च स्तरीय बैठक में कृषि अधोसंरचना और अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। कृषि मंत्रालय के केन्द्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी इसमें सम्मिलित हुए।

श्री तोमर ने कहा कि सर्वाधिक परियोजनाओं में ऋण की उपलब्धता मध्यप्रदेश को हुई है। एग्री इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य है। केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि मध्यप्रदेश मिशन मोड पर कृषि विकास के लिए कार्य करते हुए तेजी से आगे बढ़ेगा और मध्यप्रदेश मॉडल राज्य बनेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज केंद्रीय मंत्री श्री तोमर के साथ कृषि विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई है। मध्यप्रदेश में एग्री इंफ्रा फंड का बेहतर उपयोग किया गया है। करीब 1000 करोड़ रुपये के अलग-अलग कार्यों जैसे कोल्ड स्टोरेज चैन प्रारंभ करने, वेयर हाउस निर्माण आदि के लिए 600 करोड़ रुपये की राशि विमुक्त की जा चुकी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि खाद की उपलब्धता के बारे में भी चर्चा हुई है। प्रधानमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री ने आश्वस्त किया है कि डीएपी 1200 रुपए बोरी की दर से ही किसानों को उपलब्ध होगी। इसकी दर 2400 रूपये प्रति बोरी हो जाने के बाद भी सब्सिडी बढ़ाकर किसानों को पुरानी दर पर ही डीएपी देने की व्यवस्था होगी। किसानों को बढ़ी हुई दर से मुक्ति मिलेगी और खाद, उर्वरक की निर्बाध रूप से आपूर्ति संभव होगी।

बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री मनीष रस्तोगी ने प्रजेंटेशन में बताया कि राजस्व गिरदावरी का अवलोकन अब किसान भी एप के माध्यम से कर सकेंगे। बैठक में कृषि मंत्री श्री कमल पटेल भी मौजूद थे।

बोरगांव बुजुर्ग को नगर पंचायत का दिया जायेगा दर्जा

खंडवा। विकास समागम एवं जनदर्शन कार्यक्रम के तहत खण्डवा जिले के ग्राम डूल्हार में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा जनता से रूबरू होकर उनकी समस्याएं सुनी गई। उन्होंने डूल्हार में 20 लाख रूपये लागत से पंचायत भवन बनाए जाने को कहा। इसी तरह जल जीवन मिशन के तहत 96 लाख 51 हजार रूपये लागत से नल जल योजना के द्वारा ग्रामवासियों के घरों में पीने का पानी दिया जायेगा। इस दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत डूल्हार की श्रीराम स्वसहायता समूह की रूपाली को एक लाख रूपये सब्जी व्यवसाय संचालन के लिए प्रदान किए। इसी प्रकार गुरू कृपा स्वसहायता समूह कोलाडिट की रजनी कुशवाह को बकरी पालन के लिए एक लाख रूपये प्रदान किए। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गोपाल गोवर्धन को निःशक्त पेंशन प्रमाण पत्र, ललिता बाई राम सिंह को कल्याणी पेंशन, शकीला बी पति स्व. कल्लू खां को संबल योजना के तहत आर्थिक सहायता के प्रमाण पत्र प्रदान किए। ललिता बाई मुंशी एवं मुकेश पिता कैलाश को मनरेगा योजना अंतर्गत कपिल धारा स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किए। साथ ही लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रूस्तमपुर में भी जनसभा को संबोधित करते हुए संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के तहत एक करोड़ 25 लाख रूपये की लागत से संचालित योजना को ढाई माह में पूर्ण कर उसकी सूचना दी जायें। कुमठी में संबोधित करते हुए कहा कि 1 करोड़ 21 लाख रूपये लागत से जल जीवन मिशन योजना के तहत सभी घरों में पीने का शुद्ध पानी उपलब्ध होगा। इसी प्रकार ग्राम बोरगांव बुजुर्ग में सभा को संबोधित करते हुए बोरगांव बुजुर्ग को नगर पंचायत का दर्जा दिए जाने की घोषणा की।

इस दौरान प्रदेश के वन मंत्री श्री कुंवर विजय शाह, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग मंत्री एवं खण्डवा जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, खण्डवा विधायक श्री देवेन्द्र वर्मा, पंधाना विधायक श्री राम दांगोरे, मांधाता विधायक श्री नारायण पटेल, कलेक्टर श्री अनय द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक श्री विवेक सिंह सहित विभिन्न अधिकारीगण व जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

झिरन्या से भीकनगॉव तक मिला अद्‌भुत प्यार : मुख्यमंत्री

खरगोन। मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने खरगोन जिले में झिरन्या से भीकनगॉव तक जनदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने जनता की मांग पर कई विकास कार्यों की घोषणा मौके पर ही की। साथ ही आश्वस्त किया कि क्षेत्र विकास के लिये जो भी आवश्यक होगा, उसको पूर्ण कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि झिरन्या से भीकनगाँव तक जो मुझे जनता के प्यार देखने को मिला वह अद्‌भुत है।

जनदर्शन के दौरान उन्होंने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुये बताया कि 2011 के सर्वे से जो लोग छूट गये थे, उनका फिर से सर्वे करवाकर आवास प्लस योजना से जोड़ा जायेगा, जिससे उन्हें भी प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल सके। ग्राम चौनपुरा पहुंचे मुख्यमंत्री ने 14 ग्रामों को जोड़ने वाली सड़क का सर्वे कराने के निर्देश एनव्हीडीए को दिये। ग्राम आभापुर पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने ग्रामीणो की मांग पर आंगनवाड़ी भवन के लिये 20 लाख, पंचायत भवन के लिये 10 लाख रूपये देने की घोषणा की। साथ ही 14 सौ करोड़ रूपये की झिरन्या उदवाहन सिंचाई योजना की स्वीकृति के बारे में भी बताया। ग्राम शिवना पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की मांग पर स्कूल में शिक्षकों की समस्या दूर करने, आंगनवाड़ी भवन बनवाने, पोषण आहार में शिकायत की जांच करवाने, सीसी रोड हेतु 25 लाख रूपये देने के निर्देश दिये। ग्राम गोराड़िया में मुख्यमंत्री ने 15 लाख की राशि सड़कों हेतु, स्कूल की बाउण्ड्रीवाल, स्टाप डेम, नवीन कन्या छात्रावास बनवाने की घोषणा के साथ अपरवेदा से फिल्टर प्लांट बनाकर पानी उपलब्ध कराने की मांग का सर्वे कराने की घोषणा भी की।

जनदर्शन के दौरान के दौरान ग्राम शिवना पहुंचने पर सड़क के किनारे दो बालिकाओं को केक के साथ खड़ा देखकर मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने अपना वाहन रूकवाकर बालिका कुमारी कृतिका गिरनारे एवं कुमारी कनक गिरनारे का जन्मदिवस होने पर जहॉ उन्हें अपना आशीष प्रदान किया, वहीं केक काटकर बालिकाओं का मुह भी मीठा करवाया। साथ ही आश्वस्त किया कि यदि उनका इंजीनियरिंग या मेडिकल कालेज में प्रवेश होता है तो उनकी पढ़ाई की समस्त फीस मुख्यमंत्री मामा भरेंगे।

आम आदमी की थाली को पौष्टिक बनाएगा हरा सोयाबीन

कमल पटेल

बालाघाट के चावल की चिन्नौर किस्म को मिला जीआई टैग

भोपाल। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा है कि दलहन और तिलहन के रूप में इस्तेमाल हो रही सोयाबीन की अब सब्जी भी बन सकेगी। कृषि अनुसंधान केन्द्र इंदौर के वैज्ञानिकों ने हरी फली वाली सोयाबीन की किस्म को विकसित किया है। इससे आम आदमी की थाली और पौष्टिक होगी। कृषि मंत्री श्री पटेल ने बालाघाट के चावल चिन्नौर किस्म को जीआई टैग मिलने पर प्रदेश के किसानों की ओर से प्रधानमंत्री और केन्द्रीय कृषि मंत्री का आभार ज्ञापित किया है।

कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में प्रचलित फसलों की 35 नई आधुनिक किस्में राष्ट्र को समर्पित की हैं। ?खेती को लाभ का धंधा बनाने का संकल्प पूरा करने में देश के साथ मध्यप्रदेश के कृषि वैज्ञानिक महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। यह फसलें किसानों को आत्म-निर्भर बनाने में सफल होंगी। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई फसलों की यह नई किस्में छोटे और सीमांत किसानों के लिए बेहद फायदेमंद होंगी। कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी किसानों की आय दोगुना करने का संकल्प पूरा करने में जुटे हैं।

श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश के कृषि वैज्ञानिक और अनुसंधान केन्द्रों का किसानों की आय को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जिन नई फसलों को राष्ट्र को समर्पित किया है, उनमें हरी फली वाली सोयाबीन देश में पहली बार विकसित हुई है। इसे अब सब्जी के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा सकेगा।

श्री पटेल ने कहा कि किसानों और वैज्ञानिकों का गठजोड़ देश को आत्म-निर्भर बनाएगा। उन्होंने कहा कि प्रमुख फसलों जैसे अरहर, चना, बाजरा आदि की जो नई किस्में विकसित की गई हैं, वह पौष्टिकता से भरपूर हैं और उनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता है, जिससे फसलों पर कीट-पतंगे लगने का डर नहीं है, छोटे और सीमांत किसानों के लिए यह काफी सुरक्षित और फायदेमंद साबित होगी। श्री कमल पटेल ने मध्यप्रदेश के चावल को जी.आई. टैग मिलने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय कृषि मंत्री का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि अब बालाघाट के सुगंधित चावल की महक से पूरा भारत महकेगा। श्री पटेल ने कहा कि बालाघाट की चिन्नौर किस्म को जी.आई. टैग मिलने से क्षेत्र के किसान उत्साहित हैं।

प्रदेश में हर गरीब का पक्का आवास होगा : मुख्यमंत्री

टीकमगढ़ । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के हर गरीब का अपना पक्का आवास होगा। वर्ष 2011 की सर्वे सूची में छूटे गरीबों का सर्वे कर पात्र हितग्राहियों के नाम जोड़े जाएंगे और उन्हें आवास निर्माण के लिए एक लाख 20 हजार रूपये की राशि दी जायेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस साल 8 लाख आवास फिर अगले साल 8 लाख आवास बनाये जायेंगे। हमारी कोशिश रहेगी कोई गरीब बिना मकान के न रहे।

मुख्यमंत्री टीकमगढ़ जिले के मोहनगढ़ में जनदर्शन कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 43 करोड़ रूपये के विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के हर 20-25 किलोमीटर के क्षेत्र में सीएम राइज स्कूल खोले जायेंगे। इनमें पुस्तकालय, प्रयोगशाला सहित सभी सुविधाएँ होंगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रदेश में 300 स्कूल खोले जायेंगे। अगले सत्र में पुनः 300 स्कूल खोले जायेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारी सरकार सभी वर्गों की सरकार है। हम सामान्य, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति-जनजाति में भेद भाव किये बिना समाज के सभी वर्गों के लिये कार्य कर रहे हैं।

लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने कहा कि टीकमगढ़ जिला पहले बहुत ही पिछड़ा माना जाता था। हमारी सरकार के प्रयासों से क्षेत्र की तस्वीर बदली है। आज टीकमगढ़ जिले के मोहनगढ़ क्षेत्र के गाँव-गाँव में विकास और तरक्की दिख रही है। क्षेत्र के चारों ओर पक्की सड़कें, पुल-पुलिया हैं और पर्याप्त बिजली मिल रही है। श्री भार्गव ने कहा कि बुंदेलखंड आज सम्मानजनक स्थिति में है। मुझे कहते हुए गर्व हो रहा है कि अब यहाँ सब ओर विकास दिख रहा है। उन्हें खुशी है कि यहाँ के लोग स्वयं और सरकारी मदद से स्वावलंबी होकर सम्पन्न हो रहे हैं। सहकारिता मंत्री श्री अरविंद भदौरिया, लोक निर्माण राज्य मंत्री श्री सुरेश धाकड़, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री पर्वतलाल अहिरवार सहित विधायक, जन-प्रतिनिधि, अधिकारी ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

उज्जैन सहकारी दुग्ध संघ की वार्षिक साधारण सभा

फैटयुक्त दूध विक्रय से उत्पादकों की आय में होगी वृद्धि

उज्जैन। उज्जैन दुग्ध संघ के प्रशासक एवं संभागीय आयुक्त श्री संदीप यादव ने कहा कि सहकारी समिति के माध्यम से क्रय किये जा रहे दूध के भाव में 20 रूपये प्रति किलो फैट की वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि संघ द्वारा फैटयुक्त दूध खरीदने से दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि होगी। श्री यादव उज्जैन दुग्ध संघ के अध्यक्ष के रूप 40वें वार्षिक अधिवेशन को उज्जैन में वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

संदीप यादव

संभागीय आयुक्त श्री यादव ने कहा कि विगत वर्ष 2020-21 में 1241 सहकारी समितियों के माध्यम से प्रति-दिन औसतन 1.52 लाख लीटर दूध संकलित किया गया। दुग्ध संघ द्वारा अच्छी मात्रा में दूध संकलित करने के साथ वितरण व्यवस्था को योजनाबद्ध तरीके से सुव्यवस्थित किया गया है। जिसके परिणामस्वरूप अप्रैल से अगस्त 2021 तक मात्र पाँच माह में लगभग 2 करोड़ 75 लाख रूपये लाभ अर्जित किया गया। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक संघ अच्छा वित्तीय लाभ अर्जित कर लेगा। संघ की वित्तीय व्यवस्था सुदृढ़ होने से पहली बार दुग्ध उत्पादकों को लाभांश का वितरण किया जा सकेगा। संभागायुक्त श्री यादव ने बताया कि दुग्ध समितियों द्वारा 6979 मीट्रिक टन पशु आहार, 15 मीट्रिक टन मिनरल मिक्चर और 15 मीट्रिक टन चारा बीज का विक्रय किया गया। संघ के प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा 112 सदस्यों को प्रशिक्षण देकर लाभान्वित किया गया। दुग्ध समितियों द्वारा वित्तीय वर्ष में 3.94 करोड़ रूपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया। कोविड-19 की परिस्थितियों में संघ द्वारा औसतन 46 हजार लीटर पैक्ड दूध का प्रतिदिन स्थानीय बाजार में विक्रय किया गया। संघ द्वारा 1475 मीट्रिक टन घी, 1279 मीट्रिक टन दुग्ध चूर्ण एवं 1805 में टन मिल्क पावडर का मुख्य रूप से विक्रय किया गया। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 6.8 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया।

पोषण आहार कारखाने महिला स्व-सहायता समूह चलाएंगे

शिवपुरी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में पोषण आहार बनाने का कारखाना अब कोई ठेकेदार नहीं बल्कि स्व-सहायता समूह की महिलाएँ चलायेंगीं। इससे होने वाला लाभ भी स्व-सहायता समूह की महिलाओं के खाते में जायेगा। साथ ही महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में सरकार हर संभव कार्य करेगी। समूह की महिलाएँ ही स्कूल के बच्चों के गणवेश सिलने का कार्य करेंगी और राशन दुकानें भी समूहों की महिलाओं के माध्यम से संचालित की जायेंगी। फसल उपार्जन का कार्य भी स्व-सहायता समूह की महिलाओं को दिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान शुक्रवार को शिवपुरी जिला मुख्यालय पर जन-कल्याण और सुराज अभियान के तहत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सिंगल क्लिक के जरिए प्रदेश के 20 हजार महिला स्व-सहायता समूहों को क्रेडिट लिंकेज के अन्तर्गत 250 करोड़ रूपये की आर्थिक सहायता वितरित की। सिंगल क्लिक के जरिए ही सहरिया, बैगा और भारिया जनजाति की 2 लाख 27 हजार 687 महिलाओं को 22 करोड़ 77 लाख रुपये का आहार भत्ता और बाढ़ पीड़ितों को 163 करोड़ 28 लाख रूपये राहत राशि वितरित की गई। मुख्यमंत्री ने शिवपुरी जिले के 305 करोड़ की लागत वाले 80 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया।

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी दिल्ली से कार्यक्रम से वर्चुअल जुड़े। कार्यक्रम में शिवपुरी जिले के प्रभारी एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया, लोक निर्माण राज्य मंत्री श्री सुरेश धाकड़ एवं सांसद श्री के.पी. यादव, विधायक श्री वीरेन्द्र रघुवंशी, श्री सीताराम आदिवासी एवं स्व-सहायता समूह की महिला सदस्य शामिल हुई।

श्री पटेल ने लाड़ली लक्ष्मियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये

हरदा। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने हरदा कलेक्ट्रेट के वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्ष में लाड़ली लक्ष्मी योजना की हितग्राही बालिकाओं को हितलाभ प्रमाण-पत्र वितरित किये। उन्होंने महिलाओं को पोषण अधिकार सूचना पत्र, मातृ वंदना योजना से संबंधित प्रोत्साहन राशि तथा बालिकाओ को छात्रवृत्ति संबंधी प्रमाण-पत्र भी वितरित किये। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि बालिकाओ को सभी क्षेत्रों में बराबरी का स्थान प्रदान करने के लिये सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। इस अवसर पर जन-प्रतिनिधि एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जिला सहकारी संघ की वार्षिक आमसभा की बैठक आयोजित

टीकमगढ़। जिला सहकारी संघ मर्यादित की 57वीं साधारण वार्षिक आमसभा की बैठक उपायुक्त सहकारिता एवं प्रशासक जिला सहकारी संघ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिले में सहकारिता के विकास को गति देने में जिला सहकारी संघ की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने के संबंध में प्रशासक ने निर्देश दिए। आमसभा में जिला संघ के 2021-22 का बजट एवं प्रस्तावित कार्यक्रम पर विचार व स्वीकृति दी गई। उपायुक्त सहकारिता ने वर्ष 2021 में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित की वसूली में प्रथम, द्वितीय स्थान पर आने वाले समितियों के प्रशासक एवं विकासखण्ड के सहकारिता विस्तार अधिकारियों को जिला संघ की ओर से प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड प्रदान की। जिला सहकारी संघ के प्रभारी प्रबंधक एसके रावत, सहकारी निरीक्षक द्वारा उपस्थिति अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

डॉ. भदौरिया ने भोजपुर में शिव अभिषेक किया

रायसेन। सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री और रायसेन जिला प्रभारी डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया ने 'जनकल्याण और सुराज अभियान' के तहत शुक्रवार 17 सितम्बर को रायसेन जिले के भोजपुर ग्राम के स्कूल परिसर में रुद्राक्ष का पौधा रोपा। मंत्री डॉ. भदौरिया ने शासकीय माध्यमिक शाला का निरीक्षण करते हुए शिक्षकों तथा छात्रों से चर्चा की। उन्होंने कोरोना से बचाव के लिए सभी जरूरी सावधानियां बरतने के लिए कहा। उन्होंने छात्रों से कहा कि अपने घर के सभी वयस्क सदस्यों को कोविड वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित करें।

मंत्री डॉ. भदौरिया ने भोजपुर स्थित विश्व प्रसिद्ध शिव मंदिर पहुँचकर भगवान शिव का अभिषेक कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने भोजपुर मंदिर प्रांगण में हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। कलेक्टर श्री अरविंद कुमार दुबे, पुलिस अधीक्षक श्री विकास सहवाल, जिला पंचायत सीईओ श्री पी. सी. शर्मा, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी भ्रमण के दौरान मंत्री डॉ. भदौरिया के साथ थे।

बाजरा को दैनिक खुराक में शामिल करें : श्री तोमर

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि सरकार खाद्य सुरक्षा के साथ ही पोषण सुरक्षा हासिल करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। हैदराबाद स्थित हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एचआईसीसी) में दो दिवसीय न्यूट्री-सेरियल मल्टी-स्टेकहोल्डर्स मेगा कन्वेंशन 3.0 का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की पहल पर ही संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय कदन्न वर्ष' के रूप में घोषित किया है। देश में प्राचीन काल से ही बाजरा के बहुतायत में इस्तेमाल होने की याद दिलाते हुए, केंद्रीय मंत्री ने वर्तमान पीढ़ी से बाजरा जैसे पोषक अनाजों के महत्व को समझने और इसे अपनी दैनिक खुराक में शामिल करने का अनुरोध किया।

श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि केन्द्र सरकार ने कृषि क्षेत्र की खामियों को दूर करने के लिए 1.5 लाख रुपये के कृषि अवसंरचना कोष के अंतर्गत विभिन्न पैकेज का ऐलान किया है। तिलहनों और ऑयल पॉम की खेती के लिए विशेष मिशन का शुभारम्भ किया गया, जिससे तेलंगाना के किसानों को खासा फायदा होगा क्योंकि यहां की जमीन इन फसलों की खेती के अनुकूल है। श्री तोमर ने कहा कि नई पीढ़ी को कृषि में निवेश को प्रोत्साहित करने और फसलों के लिए लाभदायक उपज सुनिश्चित करने के लिए नए कृषि कानून बनाए गए हैं।उन्होंने कहा, सरकार 10,000 नए कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की स्थापना के लिए 6,850 करोड़ रुपये व्यय करने जा रही है और इसके परिणाम स्वरूप 86 प्रतिशत किसानों की जिंदगी बदल जाएगी।

इस अवसर पर कृषि एवं सहकारिता और किसान कल्याण विभाग में सचिव श्री संजय अग्रवाल, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग में सचिव डॉ. शेखर सी. मांडे, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग में सचिव और आईसीएआर महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा, आईसीएआर में डीडीजी व सीएसआईआर डीजी डॉ. टी. आर. शर्मा भी उपस्थित रहे।

कृषि मंत्री ने 6 अक्टूबर को हरदा में होने वाले कार्यक्रम की समीक्षा की

भोपाल। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने आगामी 6 अक्टूबर को जन-कल्याण और सुराज अभियान अंतर्गत प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के हरदा में आयोजित मुख्य समारोह की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि समारोह में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। श्री पटेल ने बताया कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम हरदा के स्टेडियम में होगा। कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर को भी आमंत्रित किया जा रहा है। बैठक में समस्त जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री चौहान के नेतृत्व में प्रदेश को नई दिशा मिली : गडकरी

इंदौर। एक समय मध्यप्रदेश बीमारू राज्यों की गिनती में आता था, लेकिन मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के विकास को एक नई दिशा मिली है। मध्यप्रदेश ने आधारभूत ढांचों के विकास से लेकर कृषि क्षेत्र, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी समेत सभी क्षेत्रों में श्रेष्ठता हासिल की है। मेरा मानना है कि किसी भी राज्य का समग्र विकास तभी संभव है जब उसकी अधोसंरचना मजबूत हो। मध्यप्रदेश को यह मजबूती प्रदान करने के लिए आज 9 हजार 577 करोड़ रुपए की लागत से कुल 1356 किलोमीटर लंबी 34 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है। इसके साथ ही मध्यप्रदेश को देश का लॉजिस्टिक कैपिटल बनाने में केंद्र सरकार, राज्य शासन का हर संभव सहयोग करेगी, यह मेरा वादा है।

यह बात केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह में कही गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान की अध्यक्षता में इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आज 34 बड़ी सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी शामिल हुए। इस अवसर पर वर्चुअल रूप से केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, जल शक्ति एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के राज्य मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, इस्पात ग्रामीण विकास के राज्य मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते शामिल हुए। कार्यक्रम में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन, गृह तथा इंदौर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री राजवर्धन सिंह, पूर्व मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, पर्यटन मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, सूक्ष्म लघु उद्योग मंत्री श्री ओमप्रकाश सकलेचा, राज्य मंत्री श्री सुरेश सिंह धाकड, सांसद श्री शंकर लालवानी मंच पर विशेष रूप से मौजूद थे। इसके साथ ही जिले के विधायकगण सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश की दिशा एवं दशा बदलने वाली प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की परिकल्पना पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी ने की थी और आज उनके द्वारा दी गई यह सौगात मध्यप्रदेश के विकास की दिशा भी बदलेगी।

कार्यक्रम के दौरान केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के मध्य 800 करोड़ रूपये लागत से 150 एकड़ भूमि पर बन रहे मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क का एमओयू साईन किया गया। इस अवसर पर वर्चुअल रूप से शामिल हुए केंद्रीय मंत्रीगणों ने भी केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री गडकरी द्वारा प्रदेश को दी गई सौगात के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया।

झाबुआ में कड़कनाथ व बकरी पालन पर प्रशिक्षण सम्पन्न

झाबुआ। कृषि विज्ञान केन्द्र, झाबुआ के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आर्या परियोजना अंतर्गत पांच-पांच दिवसीय कड़कनाथ एवं बकरी पालन विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में चयनित ग्राम उदयपुरिया, खजूरी एवंम सेजीमलजी साथ के 50 कृषकों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए केन्द्र के वरिष्ठ एवं प्रमुख डॉ. आई.एस. तोमर ने आर्या परियोजना के उद्देश्य एवं इससे प्रशिक्षण प्राप्त किसानों को होने वाले लाभों पर प्रकाश डाला एवं बताया कि इस परियोजना के एक मुख्य घटक कड़कनाथ मुर्गीपालन एवंम बकरी पालन प्रशिक्षण द्वारा किसानों के आजिविका के स्थायित्व एवं उनकी आय का दोगुनी करने में सहायक होगा। इस प्रशिक्षण में डॉ. चन्दन कुमार, वैज्ञानिक, केवीके झाबुआ, डॉ. अमित दोहरे. पशु चिकित्सक, झाबुआ, डॉ.अमर सिंह दिवाकर ने प्रशिक्षण प्रदाय किया। डॉ. चन्दन कुमार, वैज्ञानिक ने किसानों को भा.कृ.अनु.प. द्वारा संचालित आर्या परियोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

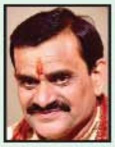

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिवस की अनेक बधाइयाँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

75वें स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएँ

सौजन्य से श्री संजय जैन (शा.प्र. बाबुल्दा)

श्री यूसुफ अली बोहरा
(शा.प्र. गरोठ)

श्री कन्हैयालाल चढ़ार
(शा.प्र. भानपुरा)

श्री ओमप्रकाश धाकड़
(शा.प्र. भैंसोदा)

श्री बी.एल. मकवाना
(प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री मनोज गुप्ता
(उपायुक्त सहकारिता)

श्री रवि ठक्कर
(प्रभारी शाखा प्रबंधक)

श्री पी.एन. यादव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. गरोठ, जि.मंदसौर
श्री रामेश्वर प्रजापति (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. लसुड़िया, जि.मंदसौर
श्री रामेश्वर प्रजापति (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. ढाबला मोहन, जि.मंदसौर
श्री राधेश्याम रावत (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. गुराड़िया नरसिंह, जि.मंदसौर
श्री राधेश्याम रावत (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. दसोरिया, जि.मंदसौर
श्री देवीसिंह यादव (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. चिकनिया, जि.मंदसौर
श्री राधेश्याम रावत (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बोलिया, जि.मंदसौर
श्री बृजेश मिश्रा (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बिसनिया, जि.मंदसौर
श्री दुले सिंह (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बर्डिया इस्तमुरार, जि.मंदसौर
श्री देवीसिंह यादव (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बरखेड़ा गंगाशाह, जि.मंदसौर
श्री देवीसिंह यादव (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. देथली बुजुर्ग, जि.मंदसौर
श्री देवीसिंह यादव (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बर्डिया अमरा, जि.मंदसौर
श्री रामेश्वर प्रजापति (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. भानपुरा, जि.मंदसौर
श्री कन्हैयालाल माली (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सांजलपुर, जि.मंदसौर
श्री इन्द्रमल रावत (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. नीमथूर, जि.मंदसौर
श्री कुँवरलाल अ हीर (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. नावली, जि.मंदसौर
श्री शम्भू सिंह (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. संधारा, जि.मंदसौर
श्री प्रकाशचंद्र धाकड़ (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. ढाबला माधोसिंह, जि.मंदसौर
श्री कुँवरलाल अहीर (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बाबुल्दा, जि.मंदसौर
श्री परमानंद शर्मा (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सातलखेड़ी, जि.मंदसौर
श्री जगदीशचंद्र बैरागी (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. अंत्रालिया, जि.मंदसौर
श्री फूलचंद्र बैरागी (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. भैंसोदा, जि.मंदसौर
श्री गुलाबचंद्र गुप्ता (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. धुआखेड़ी, जि.मंदसौर
श्री रामेश नागर (प्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बोरदा, जि.मंदसौर
श्री तिलक कुमार बोहरा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

ग्वालियर आगमन पर श्री सिंधिया का भव्य स्वागत

ग्वालियर। भारत सरकार में नागरिक उड्डयन विभाग के मंत्री का दायित्व संभालने के बाद ग्वालियर आगमन पर श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत हुआ। श्री सिंधिया ने केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर के साथ सड़क मार्ग से ग्वालियर जिले की सीमा में प्रवेश किया।

आगरा-मुम्बई राष्ट्रीय राजमार्ग पर जिले की सीमा में स्थित निरावली तिराहे पर जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह एवं सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर सहित अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधिगणों ने केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया की अगवानी की। निरावली तिराहे से विशेष रथ पर सवार होकर श्री सिंधिया ग्वालियर शहर के लिये रवाना हुए। उनके साथ रथ पर केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर सहित राज्य सरकार के अन्य मंत्रिगण, सांसद व विधायकगण, पूर्व मंत्रिगण, पार्टी के पदाधिकारी सवार थे।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया के स्वागत के लिए प्रदेश सरकार के मंत्रिगण श्री गोविंद सिंह राजपूत, डॉ. प्रभुराम चौधरी व श्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया, राज्य मंत्री श्री सुरेश धाकड़, सांसद भिण्ड श्रीमती संध्या राय, पूर्व मंत्री श्री अनूप मिश्रा, भाजपा जिला अध्यक्ष शहर श्री कमल माखीजानी व ग्रामीण श्री कौशल शर्मा, पूर्व विधायक श्री रामबरन सिंह गुर्जर, श्री मदन कुशवाह व श्री मुन्नालाल गोयल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण जिले की सीमा और शहर के विभिन्न स्थानों पर पहुँचे थे।

निरावली तिराहे से लेकर ग्वालियर शहर तक श्री सिंधिया के स्वागत के लिए बंदनवार व प्रवेश द्वार सजाए गए थे। इसी तरह शहर भर में जिस जिस मार्ग से श्री सिंधिया गुजरे वहाँ पर शहरवासियों ने उनके स्वागत के लिये प्रवेश द्वार सजाए थे। जगह ङ्क जगह पर मंगल धुन और पुष्पाहारों के साथ केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया का आत्मीय स्वागत किया गया। शहर भ्रमण के दौरान श्री सिंधिया ने गोरखी पहुँचकर मंसूर बाबा उर्स कार्यक्रम में शामिल हुए और पूजा-अर्चना की।

इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ की 38वीं (वर्चुवल) वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

दुग्ध संघ ने 16.86 करोड़ का लाभ अर्जित किया

इंदौर। इन्दौर सहकारी दुग्ध संघ की अड़तीसवीं वार्षिक साधारण सभा कोविड- 19 की महामारी से बचाव हेतु राज्य शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पूर्णतः पालन करते हुए दुग्ध संघ परिसर, मांगलियाँ, इन्दौर से संभागीय कार्यक्षेत्रों के जिलों एवं तहसील मुख्यालयों सहित 14 स्थानों पर डिजिटल तकनीकी सिस्को वेबेक्स मिटिंग ऐप्लीकेशन के माध्यम से आयोजित की गई। इसमें लगभग 838 संघ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

दुग्ध संघ के अध्यक्ष श्री मोतीसिंह पटेल ने बताया कि दुग्ध संघ का वर्ष 2020-21 का टर्न ओवर राशि 563 करोड़ रूपये रहा हैं। वित्तीय वर्ष 2021-22 में वार्षिक कार्ययोजना अनुसार टर्न ओवर राशि 737 करोड़ रूपये होना संभावित हैं। दुग्ध संघ द्वारा वर्ष 2020-21 में राशि 16.86 करोड़ रूपये का शुद्ध लाभ एवं दुग्ध समितियों द्वारा भी राशि 1055 लाख रूपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया हैं, जो संघ की प्रगति का परिचायक हैं।

श्री मोती सिंह ने बताया कि सभी सबद्ध दुग्ध समितियों का कमीशन राशि 7 रूपये प्रतिकिलो फैट से बढ़ाकर राशि 10 रूपये प्रति किलो फैट एवं गाय के दूध हेतु राशि 4 रूपये प्रति किलो ठोस पदार्थ किया गया, जिससे दुग्ध समितियों की लाभात्मकता में वृद्धि होगी। दुग्ध सहकारी समिति के कर्मचारी की आकस्मिक मृत्यु होने पर उनके वारिस को राशि 2 लाख रूपये से बढ़ाकर राशि 3 लाख रूपये की गई है। साथ ही दूध के शीतलीकरण हेतु पूर्व प्रचलित दर राशि 40 पैसे प्रति किलोग्राम में वृद्धि कर राशि 50 पैसे प्रति किलोग्राम की गई है। दुग्ध संघ की लाभात्मकता बढ़ाने हेतु इन्दौर दुग्ध संघ द्वारा दुग्ध चूर्ण संयंत्र की क्षमता 12 मेट्रिक टन प्रतिदिन से बढ़ाकर 30 मेट्रिक टन प्रतिदिन करने हेतु राशि 76.50 करोड़ रूपये की लागत से नवीन पावडर प्लांट की स्थापना एच.एम.टी. (भारत सरकार का उपकम) कंपनी से करवाये जाने हेतु कार्य आदेश जारी किया गया है। संयंत्र की स्थापना से 3.5 लाख रूपये लीटर दूध प्रतिदिन को दुग्ध चूर्ण में परिवर्तित किया जा सकेगा। दुग्ध संघ द्वारा साँची पार्लरों पर उत्पाद श्रृंखला को बढ़ाने हेतु शीघ्र ही साँची कुकीज निर्माण किया जाएगा, जिससे पार्लर संचालको को अधिक लाभ के साथ-साथ कुकीज निर्माण में दुग्ध चूर्ण एवं मक्खन का उपयोग हो सकेगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ए.एन. द्विवेदी द्वारा दुग्ध संघ प्रतिनिधियों के समक्ष वार्षिक साधारण सभा की विषय सूची रखी गई। जिसका सदस्यों द्वारा सर्वानुमति से अनुमोदन किया गया। श्री द्विवेदी द्वारा बताया गया है कि अभिनव योजना अन्तर्गत भैंस के दूध संकलन वृद्धि हेतु भैंस के दूध का 6.00 प्रतिशत फैट एवं 9.00 प्रतिशत एस.एन.एफ. से अधिक प्राप्त होने की दशा में दुग्ध प्रदायकों को नियमित दूध भाव के अतिरिक्त ई.आर.पी. के माध्यम से राशि 2 पैसे प्रतिलीटर प्रोत्साहन राशि दी जायेगी।

श्री रामेश्वर गुर्जर, श्री विक्रम मुकाती, श्री जगदीश जाट, श्री महेन्द्र चौधरी संचालक, इन्दौर दुग्ध संघ एवं श्री घनश्याम पाटील, पूर्व संचालक द्वारा भी सभा को संबोधित करते हुए दुग्ध ऋय भाव में वृद्धि हेतु प्रस्ताव रखा गया। श्री एस. सी. माण्डगे, पूर्व अध्यक्ष एमपीसीडीएफ, भोपाल एवं एन.सी.डी.एफ. आई, दिल्ली द्वारा सुझाव दिया गया कि दूध प्रदायक सदस्यों को दुग्ध संघ एवं एमपीसीडीएफ, भोपाल स्तर से म.प्र. शासन से भावान्तर राशि दिये जाने के संबंध में प्रयास किये जाए। दुग्ध संघ से कई वर्षों से जुड़े सर्विस प्रोवाईडर / ठेका श्रमिकों को निश्चित वेतन पर रखते हुए स्टॉफ की कमी की पूर्ति के प्रयास किये जाए।

वर्चुवल मिटिंग दौरान विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हुए संघ प्रतिनिधियों द्वारा दिये गये सुझावों के संबंध में अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा शीघ्र ही सकारात्मक कार्यवाही किये जाने का आश्वासन दिया गया है। वार्षिक साधारण सभा के अवसर पर संचालक श्री तंवरसिंह चौहान, श्री कृपालसिंह सेंधव, श्री प्रहलादसिंह पटेल, श्री रामेश्वर रघुवंशी, श्री राजेन्द्रसिंह पटेल, श्री किशोर परिहार एवं एमपीसीडीएफ, भोपाल प्रतिनिधि, श्री अनिल काशिव, दुग्ध संघ के अधिकारी श्री एस. जी. जाधव, महाप्रबंधक (सं.सं.). डॉ. सी.बी.सिंह, महाप्रबंधक (पशुआहार संयंत्र), डॉ. एस. के. गौर, महाप्रबंधक (विपणन) एवं सभी शाखा प्रभारी भी उपस्थित रहे।

आईपीसी बैंक की 105वीं साधारण सभा संपन्न

आईपीसी बैंक 17.14 करोड़ रु. के शुद्ध लाभ में

इंदौर। इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की 105वीं वार्षिक साधारण सभा जाल सभागृह मे सम्पन्न हुई। इस सभा मे माननीय तुलसीराम सिलावट (जल संसाधन एवं मत्सय पालन मंत्री, मध्यप्रदेश शासन) एवं सुश्री उषा ठाकुर (पर्यटन एंव संस्कृति मंत्री मध्यप्रदेश शासन) मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे। इस अवसर पर बैंक के पूर्व अध्यक्ष श्री उमानारायण पटेल, श्री गोपाल चौधरी (उपाध्यक्ष जिला पंचायत एंव पूर्व संचालक), कंचनसिह चौहान पूर्व संचालक, श्री हरिसिंग नागर (पूर्व संचालक), श्री पप्पू शर्मा (पूर्व संचालक), श्री भगवान परमार (जनपद अध्यक्ष सांवेर), श्री भारतसिंह दरबार चिमली (पूर्व मंडी अध्यक्ष), श्री सत्यनारायण आजाद (पूर्व संचालक), श्री राजपूत (उपसंचालक कृषि विभाग इन्दौर) श्री गणेश यादव (संभागीय प्रबंधक अपेक्स बैक इन्दौर) रहे।

बैंक के वरिष्ठ महाप्रबंधक श्री एस.के. खरे ने सदस्यों का स्वागत और आमसभा का वाचन किया। अध्यक्षीय स्वागत वाचन श्री एम.एल.गजभिए (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता जिला इन्दौर) के द्वारा किया गया। श्री खरे ने बताया कि बैंक का व्यवसाय वर्ष 2020-21 में 2164.42 करोड़ तक पहुँच गया है। अंशपूँजी 85.33 करोड़ हो गई है जो बैंक की मजबूती को दर्शाती है। कार्यशील पूँजी भी 1604 करोड़ 94 लाख रु. हो गई है। अमानतें 1270.36 करोड़ हो गई है। बैंक ने वर्ष 2020-21 में 17.14 करोड़ का लाभ अर्जित किया है।

इस अवसर पर बैंक की शाखाओं द्वारा अमानत वृद्धि में गांधीनगर ने प्रथम स्थान 11.88 करोड, द्वितीय स्थान पर शाखा महारानी रोड, तृतीय स्थान पर शाखा राऊ रही। इन शाखा प्रबंधकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अकृषि ऋण वितरण में महू शाखा को प्रथम, राऊ शाखा को द्वितीय और बिजलपुर शाखा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कृषि ऋणों की वसूली मे शाखा राऊ से संबंधित सेवा सहकारी साख संस्था राऊ प्रथम स्थान पर और द्वितीय स्थान पर रंगवासा, तृतीय स्थान पर संयुक्त रूप से सेवा सहकारी संस्था भंवरासला एवं बड़ा बांगडदा रही। इस सभा का सफल संचालन श्री सुनिल सतवासकर (शाखा प्रबंधक संयोगितागंज मंडी) ने किया और श्री अशोक नागौर (सांख्यिकी अधिकारी प्रशासकीय कार्यालय) द्वारा आभार माना गया।

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक की 57वीं साधारण सभा संपन्न

सहकारी बैंक प्रजातांत्रिक प्रणाली का माध्यम : पी.नरहरि

प्रतिस्पर्धा के दौर में सहकारी बैंकों को बेहतर बनाने के प्रयास : श्री कुमार

भोपाल। अपेक्स बैंक की 57वीं वार्षिक साधारण सभा टीटी नगर स्थित मुख्यालय सभागृह में म.प्र. विपणन संघ के प्रबंध संचालक श्री पी. नरहरि, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएँ तथा प्रशासक अपेक्स बैंक श्री नरेश पाल कुमार एवं बैंक के प्रबंध संचालक श्री पी.एस. तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

बैठक में मार्कफेड के संचालक श्री पी. नरहरि ने कहा कि वास्तव में सहकारी संस्थाएँ एवं बैंकें प्रजातांत्रिक प्रणाली का सूक्ष्म रूप है और इनका प्रदेश के विकास में अतुलनीय योगदान है। श्री नरेश पाल कुमार ने कहा कि टीसीएस के सॉफ्टवेयर द्वारा पूरे प्रदेश की पैक्स संस्थाओं को अतिशीघ्र कम्प्यूटराइजेशन कराने का प्रयास जारी है। इसके लिए अपेक्स बैंक, जिला सहकारी बैंक और सहकारिता विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

बैठक का संचालन करते हुए अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री पी.एस. तिवारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में कोरोना काल के कठिन दौर में भी पूरे प्रदेश में बैंक के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने अमानत संग्रहण, ऋण वितरण और लाभार्जन में वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सघन प्रयास किये हैं जिसकी वजह से ही बैंक की अंशपूँजी 777.97 करोड़ रु. हो गई है। बैंक की निधियाँ 1521.42 करोड़ हो गई तथा अमानत संग्रहण में भी 1244.12 करोड़ रु. की वृद्धि हुई। वर्ष अंत पर बैंक का सकल एनपीए 5.20 प्रतिशत एवं शुद्ध एनपीए 2.68 प्रतिशत कम रहा। उन्होंने आगे बताया कि बैंक द्वारा अपने ग्राहकों को व्यावसायिक बैंकों की भाँति त्वरित एवं सुगम बैंकिंग प्रणाली के तहत एटीएम सह डेबिट कार्ड, एनईएफटी, आरटीजीएस, आईएमपीएस एवं मोबाईल बैंकिंग की सुविधा के अलावा यूपीआई सेवा से भी जोडू दिया है। अब बैंक के ग्राहक पेटीएम, गूगल-पे, फोन-पे आदि का उपयोग करते हुए फंड ट्रांसफर कर सकेंगे।

बैठक में अपेक्स बैंक के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्रीमती अरुणा दुबे, श्री के.के. द्विवेदी, सहायक महाप्रबंधक सर्वश्री आर.एस. चंदेल, डॉ. रवि ठक्कर, के.टी. सज्जन, संयुक्त आयुक्त जबलपुर श्री पी.के. सिद्धार्थ, इंदौर के श्री जगदीश कन्नौज, प्रबंध संचालक बीज संघ श्री अमरेश कुमार सिंह, प्रबंध संचालक राज्य सहकारी संघ श्री ऋतुराज रंजन, मार्कफेड सचिव श्री यतीश त्रिपाठी, विकअ श्री अरविंद बौद्ध, प्रबंधक श्रीमती ज्योति उपाध्याय, श्री विनोद श्रीवास्तव, उप प्रबंधक श्री विवेक मलिक, समीर सक्सेना, करुण यादव, आर.व्ही.एम. पिल्लई, अरविंद वर्मा, अजय देवड़ा, जी.के. अग्रवाल के साथ प्रदेश भर से पधारे संचालक मंडल के सदस्यगण एवं बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। अंत में बैंक के प्रबंध संचालक श्री तिवारी ने आभार व्यक्त कर धन्यवाद दिया।

स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण • खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड • कृषि यंत्र के लिए ऋण • दुग्ध डेयरी योजना

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

71 वें जन्मदिवस पर जन-जन के लाड़ले नेता और भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदीजी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ

स्वतंत्रता दिवस की 74 वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सह.एवं प्रशासक) | श्री विनोद कुमार सिंह (उपायुक्त सहकारिता) | श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक) | श्री अनूप जैन (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री भगवान यादव (शा.प्र. भीकनगाँव)
श्री दिनेश यादव (पर्य. भीकनगाँव)
श्री सुरेश यादव (शा.प्र. बमनाला)
श्री सुभाष गुप्ता (पर्य. बमनाला)
श्री त्रिलोकसिंह भाटिया (शा.प्र. घुघरियाखेड़ी)
श्री रामेश्वर जाट (शा.प्र. करही)
श्री मिश्रीलाल मकवाने (शा.प्र. नान्द्रा)
श्री कालूराम वर्मा (शा.प्र. वरला)
श्री मोतीराम यादव (शा.प्र. दवाना)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. भीकनगाँव, जि.खरगोन
श्री राधेश्याम राठौर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. घुघरियाखेड़ी, जि.खरगोन
श्री धन्नालाल कुशवाह (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. लालखेड़ा, जि.खरगोन
श्री टीकाराम मालाकार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बिलाली, जि.खरगोन
श्री अनोकचंद यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सन्द्रेल, जि.खरगोन
श्री सेवकराम पाटीदार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. टेमा बहरामपुर, जि.खरगोन
श्री बालमुकुंद कुशवाह (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. शकरगाँव, जि.खरगोन
श्री दिनेश यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. करही, जि.खरगोन
श्री ईश्वर वर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. अमनखेड़ी, जि.खरगोन
श्री दिनेश पाटीदार (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. धरगाँव, जि.खरगोन
श्री दुर्गालाल यादव (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. साँईखेड़ी, जि.खरगोन
श्री वल्लभ गुप्ता (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. कतरगाँव, जि.खरगोन
श्री देवकरण मालवीय (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. बमनाला, जि.खरगोन
श्री करनसिंह मंडलोई (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. वरला, जि.बड़वानी
श्री सायमल तिरोले (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सेल्दा, जि.खरगोन
श्री सुरेशचंद कानूनगो (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. बलवाड़ी, जि.बड़वानी
श्री गणेश अवस्थी (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सगूर, जि.खरगोन
श्री राजेश डालके (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. दवाना, जि.बड़वानी
श्री सुभाष शर्मा (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. सुर्वा, जि.खरगोन
श्री गजानंद यादव (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. ब्राह्मणगाँव, जि.बड़वानी
श्री राजेन्द्र धनगर (प्रबंधक)

सेवा सहकारी संस्था मर्या. तिन्सया, जि.खरगोन
श्री बलिराम यादव (प्रबंधक)

आ.जा. सेवा सह. संस्था मर्या. तलवाड़ा डेब, जि.बड़वानी
श्री यशवंत राठौर (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. रतलाम की 72वीं वार्षिक साधारण सभा संपन्न

रतलाम बैंक ने 221.14 लाख का शुद्ध लाभ अर्जित किया

रतलाम। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. रतलाम की 72वीं साधारण सभा बैंक प्रशासक श्री एस.के. सिंह की अध्यक्षता में प्रधान कार्यालय में संपन्न हुई। आमसभा में बैंक महाप्रबंधक श्री आलोक कुमार जैन द्वारा बैंक का वार्षिक लेखा-जोखा तथा वर्ष 2021-22 की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। श्री जैन ने बताया कि इस वर्ष बैंक द्वारा 221.14 लाख का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया। बैंक की वर्तमान अंशपूँजी 4425.15 लाख है जो गत वर्ष से 53.99 लाख अधिक है। अमानतें 56933.88 लाख है जो कि गत वर्ष से 9481.97 लाख अधिक है। बैंक की कार्यशील पूँजी 85065.06 लाख है जो गत वर्ष से 6587.53 लाख अधिक है। इस वर्ष बैंक की वसूली 76.97 प्रतिशत रही है। चालू वित्तीय वर्ष में बैंक का वसूली का लक्ष्य 90 प्रतिशत रखा गया है।

श्री जैन ने बताया कि बैंक द्वारा संस्थाओं के माध्यम से वर्तमान में पात्र किसानों को 115284 किसान क्रेडिट कार्ड जारी किये गये हैं जो कि जिले में केसीसी वितरण में बैंक की 70 प्रतिशत से अधिक सहभागिता है। इसी प्रकार बैंक द्वारा संस्थाओं के माध्यम से 1289 पशुपालकों को कार्यशील पूँजी साख सीमा राशि रु. 550.58 लाख स्वीकृत की गई है एवं कृषकों को पशुपालन योजना से लाभान्वित किया जा रहा है। इस वर्ष भी सभी क्षेत्रों में बैंक ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है।

आमसभा को पूर्व बैंक अध्यक्ष श्री प्रकाश मेहरा एवं अशोक चौटाला, पूर्व संचालक देवेन्द्र शर्मा, सत्यनारायण झाला, कीर्तिशरण सिंह एवं सदस्य सूर्यनारायण उपाध्याय ने भी संबोधित किया। इस मौके पर बैंक द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रशस्ति पत्र एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। आमसभा का संचालन श्री अरविंद वत्स ने किया। अंत में बैंक महाप्रबंधक श्री जैन ने सबका आभार व्यक्त किया।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मंदसौर की 103वीं वार्षिक साधारण सभा संपन्न

सहकारी बैंक मंदसौर 1.86 करोड़ रु. के लाभ में

मंदसौर। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित मंदसौर की वर्ष 2020-21 की 103वीं वार्षिक साधारण सभा श्री बी.एल. मकवाना, संयुक्त आयुक्त सहकारी संस्थाएँ संभाग उज्जैन एवं बैंक प्रशासक की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सभा में वर्ष 2022-23 के लिये 149 करोड़ 37 लाख का बजट पारित किया गया तथा 4 करोड़ 76 लाख के मुनाफे का लक्ष्य रखते हुए रूपये 922.50 करोड़ का ऋण वितरण किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। श्री बी.एल. मकवाना बैंक प्रशासक द्वारा अपने उद्बोधन में बैंक की उपलब्धियों एवं बैंक की वित्तीय स्थित से अवगत कराते हुए कहा कि शासन के निर्देशन में बैंक से सम्बद्ध प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं के किसान क्रेडिट कार्ड धारी कृषकों को 1.49 लाख रुपे कार्ड का वितरण किया गया है जिससे किसान क्रेडिट कार्ड धारी कृषकों एवं अमानतदारों को नवीनतम बैंकिंग सुविधा का लाभ प्राप्त होकर ए.टी.एम. कार्ड की सुविधा का लाभ प्राप्त हो रहा है।

बैंक मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं पदेन सचिव श्री पी.एन. यादव द्वारा बैंक की वित्तीय स्थिति की जानकारी से अवगत कराते हुए व्यक्त किया कि वर्ष 2020.21 में बैंक ने उल्लेखनीय प्रगति की है। जिला सहकारी बैंक द्वारा अपने ग्राहकों को निरन्तर बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही है। गत वर्ष में बैंक की अमानतों में 201.65 करोड़ की वृद्धि हुई है। बैंक की कुल अमानतें 1156.22 करोड़ है। वर्ष 2020-21 में बैंक के विनियोजन में 103.80 करोड़ की वृद्धि हुई है। बैंक की कार्यशील पूंजी 1853.43 करोड़ तथा बैंक की निधियां 109.45 करोड़ है। बैंक की अंशपूंजी बढ़कर 82.93 करोड़ है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में बैंक का लाभ 1.86 करोड़ रहा है। बैंक का गत वर्ष का सी. आर.ए.आर. 13.93 प्रतिशत रहा है जो निर्धारित माप दण्ड से अधिक है। बैंक द्वारा अल्पावधि कृषि ऋण वितरण गत वर्ष से 290.14 करोड़ से अधिक किया गया है। कृषकों को शून्य ब्याज दर पर मौसमी कृषि परिचालन ऋण वित्तीय वर्ष में 760.66 करोड़ का उपलब्ध कराया गया है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में बैंक की शाखा मल्हारगढ़ एवं कुकड़ेश्वर के नवीन भवन का लोकार्पण उपलब्धि रहा है।

बैंक के पूर्व अध्यक्ष श्री मदनलाल राठौर द्वारा विगत वर्षो में बैंक द्वारा सहकारिता के माध्यम से किये गये उल्लेखनीय मानवीय कार्य एवं नवाचार से अवगत कराया। श्री सुरेन्द्र सिंह सिसोदिया, श्री भूपेन्द्रसिंह सिसोदिया, श्री भोपाल सिंह सिसोदिया, श्री रणजीतसिंह चौहान एवं श्री सोभगमल जैन द्वारा भी संबोधित किया गया। सभा में बैंक कार्यक्षेत्र की जिला मंदसौर एवं नीमच से सम्बद्ध सदस्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अन्त में बैंक मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री पी.एन. यादव द्वारा बैंक को उन्नति के पथ पर अग्रसर करने हेतु प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहयोग हेतु सभी कृषक भाईयों, अंशधारियों एवं अमानतदारों का आभार व्यक्त किया।

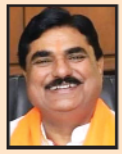

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिवस की लख-लख बधाइयाँ

75 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण

श्री जगदीश कन्नौज (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री पी.एन. गोडरिया (प्रशासक एवं उपायुक्त)

श्री गणेश यादव (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आर.एस. वसुनिया (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री महेश पाटीदार (शा.प्र. मनावर)
श्री रविशंकर भोपे (शा.प्र. गंधवानी)
श्री भोलेसिंह राणा (शा.प्र. बाग)
श्री अनिल दवे (शा.प्र. निसरपुर)
श्रीमती कुसुम मोरे (शा.प्र. सिंघाना)
श्री वीरेन्द्र शर्मा (शा.प्र. डही)
श्री जितेन्द्रसिंह चौहान (शा.प्र. बाकानेर)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मनावर, जि.धार श्री मोहन अलावा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लोंगसरी, जि.धार** श्री लखनसिंह वर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बालीपुर, जि.धार श्री बलराम यादव (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निसरपुर, जि.धार** श्री दशरथ पाटीदार (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अजन्दा, जि.धार श्री मनोज हम्मर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चिखल्दा, जि.धार** श्री मोहम्मद मंसूरी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देवला, जि.धार श्री राजेन्द्र पाटीदार (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुसारी, जि.धार** श्री प्रवीण उपाध्याय (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खंडलाई, जि.धार श्री बालूसिंह वास्केल (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बाकानेर, जि.धार** श्री तुलसीराम वर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. भानपुरा, जि.धार श्री सुमेर सिंह (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मिर्जापुर, जि.धार** श्री वीरेन्द्र कानूनगो (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गंधवानी, जि.धार श्री गोविंद आर्य (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सिंघाना, जि.धार** श्री बाबूलाल गेहलोत (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पीपली, जि.धार श्री रविशंकर भोपे (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. करोली, जि.धार** श्री दिनेश मलतारे (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. अवल्दामान, जि.धार श्री अशोक सावनेर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लंगूर, जि.धार** श्री लक्ष्मण परिहार (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जीराबाद, जि.धार श्री अमरसिंह भदौरिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. देदला, जि.धार** श्री लोकेन्द्र सिंह तंवर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बिलदा, जि.धार श्री नारायल चोयल (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डही, जि.धार** श्री केरमसिंह चौहान (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बाग, जि.धार श्रीमती पारूल उपाध्याय (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बड़वान्या, जि.धार** श्री अमरसिंह जमरा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. टाण्डा, जि.धार श्री कैलाश डोडवे (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. फिफेड़ा, जि.धार** श्री जगतसिंह चौहान (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

अपेक्स बैंक कर्मचारी साख समिति का वार्षिक सम्मेलन

संस्था द्वारा लाभ अर्जित कर प्रतिवर्ष 8 प्रश लाभांश दिया जा रहा है

भोपाल। अपेक्स बैंक कर्मचारी सहकारी साख समिति मर्या. भोपाल का 50वाँ वार्षिक साधारण सम्मिलन अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री पी.एस. तिवारी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री तिवारी ने संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि संस्था द्वारा लगातार लाभ अर्जित किया जाकर प्रतिवर्ष सदस्यों को 8 प्रश लाभांश दियाजा रहा है। संस्था द्वारा सदस्यों के हितार्थ सदस्यों के अ सामयिक निधन पर 8 लाख रु। तक का ऋण सदस्यों को माफ किया जाता है।

संस्था अध्यक्ष श्री करुण यादव ने संस्था की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि समिति द्वारा सदस्यों को प्रदत्त सभी ऋणों की ब्याज दर में एकरूपता लाते हुए 8.50 प्रश वार्षिक करने के ब ाद भी वर्ष 2020-21 में 35.52 लाख रु. का लाभ अर्जित किया। वर्तमान में संस्था की कार्यशील पूँजी 2781.36 लाख हो गई है।

बैठक में श्रीमती अरुणा दुबे, श्री के.के. द्विवेदी, उप महाप्रबंधक श्री आर.एस. चंदेल, श्री के.टी. सज्जन, श्री अरविंद बौद्ध, प्रबंधक श्रीमती ज्योति उपाध्याय, श्री विनोद श्रीवास्तव, उप प्रबंधक सर्वश्री विवेक मलिक, समीर सक्सेना, आर.वी.एम. पिल्लई, अरविंद वर्मा, अजय देवड़ा, जी.के. अग्रवाल के साथ बैंक मुख्यालय एवं लोकल शाखाओं में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित हुए। अंत में संस्था सचिव श्री अशोक व्यास ने आभार व्यक्त किया।

आईपीसी कर्मचारी सहकारी साख संस्था की आमसभा

मेरिट में आए विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया

इंदौर। इंदौर प्रीमियर को आपरेटिव बैंक कर्मचारी सहकारी साख संस्था मर्यादित की वार्षिक साधारण सभा की 24 महारानी रोड के प्रशासकीय कार्यालय के नवश्रृंगारित सभागृह मे आयोजित की गई। वार्षिक साधारण सभा में मुख्य अतिथि के रूप में बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एस. के. खरे उपस्थित थे। इस अवसर पर संस्था के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद सक्सेना, इन्दौर प्रीमियर को आपरेटिव बैंक की यूनियन के पूर्व अध्यक्ष रमाकांत यादव, सुनिल सतवासकर, अशोक नागौर, ओ.एस.भावर, राजेन्द्र बघेल, अवधूत सनोरा, खड़गसिंह बुदेंल, जितेन्द्र पाठक, क्रिस्टोफर डेविड, पवन चौहान, पवन यादव, श्री गिरी, सुरेश कुकेडश्वर, श्रीमती रीटा पास्कल, सदाशिव मंडलोई, राधेश्याम मिश्रा, आलोक पंडित, जे. एल.मरमट, लक्ष्मण सैते, आलोक पंडित, सुरेश सौलंकी, नीरज कनौजिया, अवधेश व्दिवेदी, हरिप्रसाद व्दिवेदी, रमेश पुरोहित के साथ ही मध्यप्रदेश को-ऑपरेटिव बैक एम्पलाईज फेडरेशन के उपकोषाध्यक्ष योगेन्द्र महावर भी उपस्थित रहे। सेवानिवृत्त सदस्यों को शाल श्रीफल और अनुग्रह राशि देकर सम्मानित किया गया और उच्च शिक्षा मे मेरिट उत्तीर्ण हुए सदस्यों के बच्चो को सम्मानित किया गया।

रतलाम कलेक्टोरेट में जनसुनवाई प्रारंभ

रतलाम। जिला स्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम ने 17 आवेदनों की सुनवाई करते हुए निराकरण के निर्देश संबंधित विभागों को जारी किए। जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जमुना भिडे, अपर कलेक्टर श्री एम.एल. आर्य, निगम आयुक्त श्री सोमनाथ झारिया, विद्युत वितरण कम्पनी के अधीक्षण यंत्री श्री सुरेश वर्मा उपस्थित थे। जनसुनवाई में आवेदक संतोष निवासी ओसवाल नगर ने आवेदन दिया कि प्रार्थी के चचेरे भाई संदीप प्रजापत के कान का उपचार पूर्व में एक निजी अस्पताल में करवाया गया था तथा चिकित्सकों द्वारा उसके आपरेशन की सलाह दी गई है। संदीप के उपचार में काफी राशि खर्च होना है और हमारी स्थिति काफी दयनीय है। अतः उपचार हेतु आर्थिक सहायता स्वीकृत की जाए। प्रकरण निराकरण हेतु सीएमएचओ को भेजा गया है। पिपलौदा निवासी गीताबाई मालवीय ने आवेदन दिया कि आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए कई बार आवेदन दिया गया परन्तु आधार कार्ड अपडेट नहीं हो पाया है, अतः आधार कार्ड अपडेट करवाया जाए।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक खरगोन की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

खरगोन बैंक ने 16.9 करोड़ का लाभ अर्जित किया

खरगोन। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, खरगोन की वर्ष 2020-21 की वार्षिक साधारण सभा मुख्यालय स्थित सभाकक्ष में संपन्न हुई, जिसमें वर्ष 2022-23 का रू. 303 करोड 78 लाख का बजट पारित किया गया। रू. 17 करोड 96 लाख के मुनाफे का लक्ष्य रखते हुए रू. 3002 करोड का ऋण वितरण किये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

वार्षिक साधारण सभा में खरगोन एवं बडवानी जिले के सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि सहकारिता के माध्यम से समृद्धि लाई जा सकती है। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा एक नहीं अनेक कार्य सहकारिता के माध्यम से किए जा रहे है। इसी कड़ी में प्रदेश के किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर फसल ऋण देकर लाभांवित किया जा रहा है। इस प्रकार की व्यवस्था देश के किसी प्रदेश में नही है। एक मात्र मध्यप्रदेश सरकार द्वारा कृषकों के हित में कार्य किया जा रहा है। उन्होने कहा कि खरगोन जिले के ग्राम झिरवेल, पीपलझोपा एवं बडवानी जिले के ग्राम पाटी में रोशे का तेल, धावडे का गोंद, नीम, सोयाबीन का तेल, चारोली इत्यादि का उत्पादन होता है। इस क्षेत्र में सहकारिता को आगे आकर सहकारी संस्थाएं गठित कर उन्हें उत्पादन के अवसर प्रदान करना चाहिए।

प्रशासकीय उद्बोधन में संयुक्त आयुक्त सहकारिता इन्दौर संभाग एवं बैंक प्रशासक जगदीश कनोज ने सभा में अवगत कराया कि वर्ष 2020-21 में बैंक ने तकनीकि के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, बैंक राष्ट्रीयकृत एवं निजी क्षेत्र की बैंकों के समकक्ष खडी हो चुकी है। जिला सहकारी बैंक वह सभी सुविधाएं अपने ग्राहकों एवं अमानतदारों को प्रदान कर रही है जो एक राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंकों द्वारा दी जाती है। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड मुबंई) के अध्यक्ष डॉ जी. आर. चिंतला के करकमलों से मोबाईल बैंकिंग के क्षेत्र में विभिन्न सेवाओं का शुभारंभ हुआ है।

बैंक की आर्थिक सक्षमता के संबंध में और अधिक स्पष्ट करते हुए आपने कहा कि बैंक की अंशपूँजी में गत वर्ष की तुलना में 0.71 करोड की वृद्धि हुई है, अमानतों में रू. 181.20 करोड एवं कार्यशील पूँजी में रू. 136.38 करोड की वृद्धि दर्ज की है। बैंक के कृषि ऋणों की वसूली 75.02 प्रतिशत हुई है। बैंक के विनियोजन में रू. 31.44 करोड की वृद्धि दर्ज हुई। यही कारण है कि अलोच्य वर्ष के दौरान बैंक ने रू. 16.09 करोड का शुद्ध लाभ अर्जित किया है।

बैंक के ग्राहकों की सुविधा के लिए मुख्य शाखा खरगोन एवं बडवानी में बैंक के स्वयं के एटीएम स्थापित किये गये है बैंक की शाखा सनावद, करही, सेंधवा, पानसेमल, खेतिया में नवीन एटीएम शीघ्र स्थापित करने का कार्य प्रारंभ हो गया है। नाबार्ड के वित्तीय सहयोग से एटीएम मोबाईल वेन का संचालन खरगोन एवं बडवानी जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में किया जा रहा है।

कृषकों को 0% ब्याजदर पर मौसमी कृषि परिचालन ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही मध्यावधि ऋण जैसे डेयरी, पाईप लाईन, ट्युब वेल, मोटर पंप इत्यादि के लिए सस्ती ब्याजदरों पर ऋण भी उपलब्ध है। इसी प्रकार दीर्घावधि ऋण योजनांतर्गत आवास ऋण, व्यवसायिक यातायात वाहन ऋण, मार्गेज ऋण, पर्सनल लोन इत्यादि ऋणों की सुविधा दी जा रही है। कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाये जाने के उद्देश्य से केन्द्र/राज्य सरकार के निर्देश पर नाबार्ड की पशुपालन ऋण योजनांतर्गत संस्थाओं के 817 कृषकों को रू. 4.58 करोड का ऋण प्रदाय किया गया है, जिससे कृषकों को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी वही उनका आर्थिक विकास भी होगा।

बैठक में बैंक के प्रबंध संचालक ए. के. जैन ने बताया कि, बैंक की खरगोन एवं बडवानी जिले में सभी शाखाएं कोर बैकिंग अंतर्गत संचालित हो रही है। ग्राहकों एवं अमानतदारों को मोबाईल बैकिंग सहित एनईएफटी, आरटीजीएस, एसएमएस अलर्ट, इत्यादि

सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय साक्षरता प्रदान करने हेतु एटीएम मोबाईल वेन बैंक द्वारा नाबार्ड के सहयोग से प्राप्त कर संचालित की जा रही है जो लगातार भ्रमण करती है। इसके अतिरिक्त जनसामान्य को लाभ पहुँचाने वाली सुविधाओं में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना की सुविधा भी ग्राहकों को उपलब्ध कराई गई है। बैंक द्वारा 109594 सदस्यों का बीमा किया गया है। जिससे बैंक ग्राहकों, अमानतदारों एवं कृषकों को लाभ पहुंच रहा है, इसके साथ ही दुर्घटनाओं में रू. 508.00 लाख के क्लेम भी दिलवाये गये है तथा किसानों को केसीसी दुर्घटना बीमा योजनांतर्गत 15 कृषकों को रू. 75.00 लाख के क्लेम दिलवाये गये है। बैंक द्वारा अपनी सदस्य संस्थाओं को उनकी अंशपूंजी पर लाभांश 1.50 प्रतिशत के मान से रू. 3 करोड 75 लाख का प्रावधान किया गया है।

बैठक में वित्तीय वर्ष के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। अमानत संग्रहण के क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार शाखा पानसेमल, द्वितीय तिलक पथ खरगोन एवं तृतीय मुख्य शाखा खरगोन को प्रदान किया गया। कृषि ऋणों की वसूली के क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार शाखा पानसेमल, द्वितीय शाखा ठीबगांव एवं तृतीय शाखा वरला को प्रदान किया गया। इस अवसर पर वर्ष के दौरान बैंक सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों का सम्मान भी किया गया।

बैठक में बैंक के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश रत्नपारखी, रणजीतसिंह डंडीर, पूर्व उपाध्यक्ष बलीराम पटेल, हिरालाल जाधव, बैंक प्रतिनिधि- राजेन्द्र भावसार, परसराम चौहान, चन्द्रशेखर यादव, रमेश पटेल, दिलीप जोशी, शांतिलाल पाटीदार, चतरसिंह सौंलकी, मोहन जायसवाल, भूपेन्द्र यादव, संजय पटेल, राजेन्द्र यादव, राजेन्द्र परसाई, तोताराम महाजन इत्यादि उपस्थित थे। इन्होंने किसानों एवं पेक्स संस्थाओं के हित में सुझाव दिए। विनोदसिंह उप आयुक्त सहकारिता, बी. एस मोयदे शाखा प्रबंधक अपेक्स बैंक खरगोन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में बैंक अधिकारियों में राजेन्द्र आचार्य, प्रबंधक (लेखा), अनिल कानूनगों प्रबंधक (योजना एवं विकास), अजयपालसिंह तोमर प्रबंधक (स्थापना) एवं श्रीमती संध्या रोकडे प्रबंधक (विपणन) आदि उपस्थित थें।

कृषि विज्ञान केन्द्र शाजापुर में वैज्ञानिकों की बैठक

शाजापुर। कृषि विज्ञान केन्द्र, शाजापुर पर वर्ष 2021-22 की 25वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक कलेक्टर श्री दिनेश जैन के मुख्य अतिथ्य में संपन्न हुई। इस अवसर पर बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के विस्तार सेवायें निदेशक डॉ. एस.एन.उपाध्याय ने की। कार्यक्रम मे उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्री के.एस.यादव, कृषि विज्ञान केन्द्र देवास के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.एस.के.भार्गव, उपसंचालक उद्यानिकी श्री मनीष चौहान, उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें डॉ. एस.के.श्रीवास्तव, डॉ. एम.के. सिंधल, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. धाकड, डॉ. गायत्री वर्मा, एवं डॉ. मुकेश सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान श्री घनश्याम पाटीदार, श्री जितेन्द्र पाटीदार, गोपीपुर, श्री जुझार सिंह एवं श्री सुनील नाहर आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में केन्द्र प्रमुख डॉ. जी. आर. अंबावतिया द्वारा बैठक के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला एवं जिले में कृषकों की आय दुगुनी करने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र की विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया, जिससे कृषकों का आर्थिक विकास हो सके। इस दौरान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. धाकड़ विगत खरीफ 2021 मौसम में किए गए कार्यो एवं आगामी रबी 2021 में किये जा रहे कार्यो की कार्ययोजना का प्रस्तुतिकरण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री जैन द्वारा उन्नत किस्मों, जलसंरक्षण एवं संवर्धन, प्याज की उन्नत तकनीक एवं उसका मूल्य संवर्धन का प्रचार प्रसार कर कृषकों की आय को दुगुना करने हेतु फसल विविधीकरण एवं उद्यानिकी आधारित खेती करने की बात कही साथ ही कलेक्टर महोदय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र शाजापुर के वैज्ञानिकों द्वारा जिले के किसानों की आय बढ़ाने हेतु किये जा रहे कार्यो की प्रशंसा की।

जिला सहकारी बैंक झाबुआ की 101वीं वार्षिक साधारण सभा संपन्न

झाबुआ बैंक 148.98 लाख के लाभ में : श्री कन्नोज

झाबुआ। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित झाबुआ की 101वीं वार्षिक साधारण सभा की बैठक संयुक्त आयुक्त सहकारिता एवं प्रशासक श्री जगदीश कन्नोज की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक मे बैंक के सदस्य संस्थाओं के प्रतिनिधियो ने भाग लिया। सर्वप्रथम मंच पर उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा ज्ञानदात्री सरस्वती देवी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। वार्षिक साधारण सभा की बैठक मे मुख्य रूप से उपायुक्त सहकारिता जिला-झाबुआ श्री अम्बरीष वैद्य उपस्थित रहे।

बैंक प्रशासक श्री कन्नोज द्वारा अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बैंक की वित्तीय स्थिति, उपलब्धियाँ एवं विशेषताओं पर प्रकाश डाला जिसमें बैंक की प्रगतिशील अंशपूंजी, अमानतें, वसूली एवं खाद, खाद्यान्न वितरण व्यवस्था, किसान क्रेडिट कार्ड वितरण, लाकर्स सुविधा, नवीन सदस्यता वृद्धि, साख विस्तार कार्यक्रम, एनपीए आदि की प्रगति से अवगत कराया। बैंक ने वर्ष 2020-21 में 148.98 लाख रु. का लाभ अर्जित किया है। साधारण सभा मे बैंक के प्रभारी महाप्रबंधक श्री बी.एस.नायक द्वारा बैंक की जानकारी प्रस्तुत की गई एवं प्रभारी लेखा श्री महेन्द्रसिंह जमरा द्वारा वर्ष 2020-21 की विषयवार जानकारी से आमसभा मे उपस्थित सदस्यो को अवगत कराया गया।

बैठक मे संस्थाओ के प्रशासक श्री ओ.पी.पंवार, श्री संजय सोलंकी, श्री डी.एस.कोसरा, श्री अशोक जैन, श्री कैलाश मुवेल श्री हितेश साहू, श्री भूपेन्द्र जामोद सहित विभिन्न संस्थाओं के बैंक प्रतिनिधिगण एवं बैंक अधिकारी श्री एच.ए.के.पाण्डेय, श्री हेमन्त कुमार नीमा, नोडल अधिकारी जिला अलीराजपुर श्री राजेश राठौर एवं प्रधान कार्यालय के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित थे। आभार मनोज कोठारी द्वारा किया गया एवं संचालन श्रीमती सुशीला डामोर द्वारा किया गया।

जिला सहकारी बैंक शाजापुर 2.17 करोड़ के शुद्ध लाभ में

मनोज गुप्ता

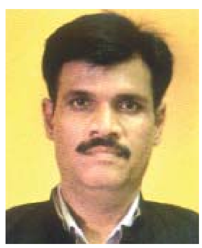
के.के. रायकवार

शाजापुर। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाजापुर के प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता श्री मनोज कुमार गुप्ता ने बैंक की 103वीं वार्षिक साधारण सभा की बैठक में अध्यक्षता करते कहा कि बैंक को इस वर्ष 2 करोड़ 17 लाख रूपये का वार्षिक लाभ अर्जित हुआ है। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाजापुर में 31 मार्च 2021 की स्थिति में अंश पूंजी 89.10 करोड़, निधियां 84.29 करोड़, अमानतें 698.08 करोड़, कृषि ऋण वितरण 1073.71 करोड़, कार्यशील पूंजी 1636.01 करोड़ रूपये है। बैंक को 31 मार्च 2021 की स्थिति में 2 करोड़ 17 लाख रूपये का लाभ प्राप्त हुआ है। इसी तरह 30 जून 2021 की स्थिति में बैंक की वसूली का प्रतिशत 76.79 रहा है। इस अवसर पर बैंक शाखाओं एवं बैंक कर्मचारियों को ऋण वसूली एवं अमानत संग्रहरण व गेहूं उपार्जन में लिंकिंग से वसूली में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया है। इस मौके पर बैंक प्रशासक द्वारा एसएमएस अलर्ट सेवा का शुभारंभ किया गया। इस सुविधा से खाताधारक टोल फ्री नंबर 8448083725 पर एसएमएस कर खाते में जमा राशि का बैलेंस जान सकेंगे। इसके लिए अमानतदारों को अपना मोबाईल नंबर शाखा में रजिस्टर्ड कराना होगा। वार्षिक साधारण सभा के समापन पर बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री केके रायकवार ने उपस्थित सभी बैंक प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक श्री एनके गुप्ता ने किया।

71 वें जन्मदिवस पर
जन-जन के लाड़ले नेता
और भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री
माननीय श्री नरेन्द्र मोदीजी
को जन्मदिन की
शुभकामनाएँ

75 वें स्वाधीनता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

सौजन्य से
श्री शेष नारायण शर्मा (प्रा.प्र. आगर)
श्री शक्तिसिंह राणा (प्रा.प्र. सुसनेर)
श्री राणा प्रदीप सिंह (प्रा.प्र. सोयतकलां)

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री मनोज गुप्ता (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)
श्रीमती सुनीता गोठवाल (उपायुक्त सहकारिता आगर)
श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री के.के. रायकवार (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. आगर, जि.आगर
श्री अशोक कुम्भकार (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नरवल, जि.आगर
श्री चन्द्रशेखर दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. ढोटी, जि.आगर
श्री सुरेन्द्रसिंह चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. घुरासिया, जि.आगर
श्री प्रवीण कुमार चौधरी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. हरनावदा, जि.आगर
श्री अमृतलाल शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. नि. हनुमान, जि.आगर
श्री शेखर शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बापचा, जि.आगर
श्री दुलेसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निपा. बैजनाथ, जि.आगर
श्री श्यामलाल कारपेंटर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. कसाई देहरिया, जि.आगर
श्री धर्मेन्द्र गुर्जर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पालडा, जि.आगर
श्री कैलाश यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गंगापुर, जि.आगर
श्री मॉंगीलाल केशरिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पि. घाटा, जि.आगर
श्री गंगाराम योगी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. झोटा, जि.आगर
श्री अब्दुल रज्जाक खान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सुसनेर, जि.आगर
श्री छत्रपालसिंह राणा (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. खैराना, जि.आगर
श्री महेन्द्र सिंह कावल (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मैना, जि.आगर
श्री जब्बार खान (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. जामुन्या, जि.आगर
श्री देवीलाल बैरागी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मालनवासा, जि.आगर
श्री कालूसिंह सिसोदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोड़ी, जि.आगर
श्री देवेन्द्र जोशी (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गेलाना, जि.आगर
श्री मानसिंह यादव (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लटूरी गेह, जि.आगर
श्री कालूसिंह सिसोदिया (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. गणेश पुरा, जि.आगर
श्री सौरभ जैन (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोयतकलां, जि.आगर
श्री कमलेश गुर्जर (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोयतखुर्द, जि.आगर
श्री ओमप्रकाश माली (प्रबंधक)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डोंगरगाँव, जि.आगर
श्री भँवरलाल कारपेंटर (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

धार सहकारी बैंक की 96वीं वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

धार बैंक का व्यवसाय 14.73 अरब रु. तक पहुँचा

धार। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित धार की वार्षिक साधारण सभा बैंक मुख्यालय भवन 1, दिनदयालपुरम जनसेतू में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर परमानंद गोडरिया (बैंक प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता जिला धार) द्वारा 96वीं वार्षिक साधारण सभा को संबोधित करते हुये बताया कि बैंक प्रत्येक दृष्टिकोण से आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं की ओर अग्रसर होकर अपने ग्राहकों को NEFT, RTGS, IMPS, ECOMM, CKYC सेवा प्रदान कर रही है। बैंक द्वारा 4 शाखाओं में ATM स्थापित कर सेवा दी जा रही हैं एवं बैंक अन्य शाखाओं में भी ATM वर्षान्त तक प्रारंभ कर देगी। बैंक अतिशीघ्र ही ग्राहकों को मोबाईल ऐप एवं इन्टरनेट बैंकिंग की सुविधा प्रदान करने हेतु कार्य कर रही हैं। बैंक से संबंधित कृषि संस्थाओं के कम्प्यूटरीकरण की महत्वाकांक्षी योजना पर बैंक सतत् कार्यरत हैं। आशा है शासन व नाबार्ड के सहयोग से यह कार्य सम्पन्न हो सकेगा।

बैंक मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर.एस. वसुनिया द्वारा वर्ष 2020-21 का वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा विवरण का वाचन किया तथा बताया कि बैंक ने अपने कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि की हैं। बैंक का व्यवसाय गतवर्ष 2019-20 में 13 अरब 80 करोड 95 लाख से बढकर वर्ष 2020-21 में 14 अरब 73 करोड 22 लाख हो गया हैं। बैंक की अंशपूंजी में विगत वर्ष की तुलना में 7.27 करोड की वृद्धि हुई हैं, जो कि बैंक की मजबूती को दर्शाती हैं। बैंक की कार्यशील पूँजी भी विगत वर्ष की तुलना में 92.27 करोड की वृद्धि हुई हैं। बैंक की अमानतों में भी 124.96 करोड की वृद्धि हुई हैं। अमानत में वृद्धि यह दर्शाती है कि आम जनता की भागीदारी एवं बैंक की प्रतिष्ठा भी न केवल बनी हुई हैं, बल्कि बढ रही हैं, बैंक द्वारा समस्त प्रावधान किये जाने के पश्चात् वर्ष के दौरान 312.77 लाख का शुद्ध लाभ रहा हैं। साधारण सभा संस्थाओं के बैंक प्रतिनिधि, प्रशासक एवं अन्य विभागों के अधिकारी की उपस्थिति में सम्पन्न की गयी। कार्यक्रम का संचालन दीपक शुक्ला ने किया।

अ.भा. ब्राह्मण एकता परिषद ने जागृति का किया सम्मान

इंदौर। संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा में देश में द्वितीय स्थान और महिला श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली जागृति अवस्थी का विगत दिनों इंदौर आगमन हुआ। सांसद श्री शंकर लालवानी ने जागृति का स्वागत और सम्मान किया। जागृति ने कहा कि उनका लक्ष्य ग्रामीण परिवेश में रह रहे लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। गरीबों की आजीविका को बढ़ावा देना भी मुख्य लक्ष्य रहेगा। इसी प्रकार अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद की इंदौर जिला इकाई के लक्ष्मीनारायण पटेरिया, लखन तिवारी कक्का, हरनारायण तिवारी आदि समाज के लोगों ने भी जागृति को शॉल-श्रीफल देकर सम्मानित किया।

धार जिले में फिश कियोस्क की स्थापना

धार। सहायक संचालक मत्स्योद्योग टी एस चौहान ने बताया कि सम्पूर्ण प्रदेश में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना लागू है। योजना के अंतर्गत लोगों तक साफ सुथरी ,स्वच्छ एवं मत्स्य क्रेताओं को सही दाम पर बोन लेस मछली प्रदाय करने के उद्देश्य से फिश कियोस्क (मछली की दुकान) योजना का संचालन मत्स्य पालन विभाग द्वारा किया जा रहा है। योजना की लागत राशि 10 लाख रूपए है। जिस पर सामान्य एवं अन्य पिछडा वर्ग के मत्स्य विक्रेताओं को 40 प्रतिशत एवं अजा, अजजा एवं महिला वर्ग के मत्स्य विक्रेताओं को 60 प्रतिशत अनुदान राशि उपलब्ध कराई जाती है। योजना के तहत विक्रेता अपनी स्वयं की भूमि पर कियोस्क की स्थापना कर योजना का लाभ ले सकते है। इसके लिए आवेदक को मत्स्य विभाग में आवेदन प्रस्तुत करना होगा। इस योजना के तहत जिले में फिश कियोस्क की स्थापना नौगांव धार में मत्स्य विक्रेता अर्जुन पिता बाबुलाल द्वारा की गई है। जिनके द्वारा उपभोक्ताओं को स्वच्छ एवं ताजी मछली उपलब्ध कराई जा रही है।

जिला सहकारी बैंक उज्जैन की 103वीं वार्षिक साधारण सभा संपन्न

बैंक की अंशपूँजी में 99.27 लाख की वृद्धि

उज्जैन। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. उज्जैन की 103वीं वार्षिक साधारण सभा भरतपुरी स्थित प्रधान कार्यालय में संपन्न हुई। साधारण सभा को संबोधित करते हुए संयुक्त आयुक्त सहकारिता एवं बैंक प्रशासक श्री बी.एल. मकवाना ने कहा कि बैकं ने वर्ष 2020-21 में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह अधिकारियों के ऊर्जावान मार्गदर्शन और कर्मचारियों के सक्रिय सहयोग से संभव हुआ है। बैंक की अंशपूँजी में गत वर्ष की तुलना में 99.27 लाख की वृद्धि हुई। बैंक द्वारा आलोच्य वर्ष में 71.25 प्रतिशत की वसूली की है और अपने कालातीत ऋणों में कमी भी की है। कृषक सदस्यों के लिए बीमा एवं किसान क्रेडिट कार्ड धारियों के लिए दुर्घटना बीमा (नाबार्ड योजना) क्रियान्वित की जा रही है ताकि फसल में हुई क्षति की स्थिति में एवं दुर्घटना में विगलांग होने अथवा मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को क्षतिपूर्ति दिलाई जा सके। प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं के सदस्यों को सहकारी संस्थाओं द्वारा इफको व कृभको उत्पादित रासायनिक उर्वरकों की खरीदी पर संकटहरण बीमा योजना का लाभ भी दिया जा रहा है।

बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विशेष श्रीवास्तव ने संबोधित करते हुए कहा कि मौसम आधारित बीमा योजना बैंक से संबद्ध 172 संस्थाओं के माध्यम से लागू की गई है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2020 हेतु 69698 ऋणी कृषकों को 65674.26 लाख बीमा धन की प्रीमियम राशि 1313.49 लाख एवं 44978 अऋणी कृषकों की प्रीमियम 790.50 लाख अधिकृत बीमा कंपनी न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को भेजी गई है। आलोच्य वर्ष में बैंक की अंशपूँजी में 99.27 लाख रु. की वृद्धि हुई है। गत वर्ष की अपेक्षा अमानतों में 17452.13 लाख की वृद्धि हुई है। कार्यशील पूँजी में 10708.10 लाख की वृद्धि हुई है जो कि गत वर्ष की तुलना में 106.99 प्रश अधिक है।

कार्यक्रम में उपायुक्त सहकारिता श्री ओ.पी. गुप्ता, प्रबंधक श्री एम.के. माथुर, सहायक प्रबंधक श्री अनिल सुहाने, शाखा प्रबंधक श्री दिलीप डागर, प्रभारी मुख्य लेखापाल श्री राजेन्द्र गुप्ता, प्रभारी स्थापना श्री मनीष पिंडावाला सहित अनेक सदस्यगण उपस्थित थे।

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिवस की अनेक बधाइयाँ

किसान क्रेडिट कार्ड | कृषि यंत्र के लिए ऋण | खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

स्वतंत्रता दिवस की 74वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री चंद्रमोहन ठाकुर (कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री भूपेन्द्र सिंह (उपायुक्त सहकारिता)

श्री मुकेश श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

सौजन्य से

श्री रघुवीर मालवीय (शा.प्र. रेहटी)

श्री सुखराम वर्मा (पर्य. रहटी)

श्री कुशीराम बारेला (शा.प्र. नसरुल्लागंज)

श्री कमलसिंह ठाकुर (पर्य. नसरुल्लागंज)

श्री मूलचंद जायसवाल (पर्य. नसरुल्लागंज)

श्री राजेन्द्र गौर (शा.प्र. इटावा)

श्री दिलीपसिंह राजपूत (पर्य. इटावा)

प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रेहटी, जि.सीहोर श्री तेजसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. तिलाड़िया, जि.सीहोर** श्री कृपाराम मालवीय (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोरदी, जि.सीहोर श्री माधवसिंह कलमोदिया (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डिमावर, जि.सीहोर** श्री दिनेश कुमार यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मांझरकुई, जि.सीहोर श्री राजाराम जाट (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. दिग्वाड़, जि.सीहोर** श्री हरिओम यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मरदानपुर, जि.सीहोर श्री सुखराम वर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निपानिया, जि.सीहोर** श्री राधेश्याम कीर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सोयत, जि.सीहोर श्री विजयसिंह तेकाम (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. रिठवाड़, जि.सीहोर** श्री गोविन्दसिंह पंवार (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चकल्दी, जि.सीहोर श्री गजेन्द्र कुलकर्णी (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. छीपानेर, जि.सीहोर** श्री पुष्पेन्द्र सैनी (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. लावापानी, जि.सीहोर श्री बलमसिंह उइके (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. डोभा, जि.सीहोर** श्री अशोक गौर (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोरी, जि.सीहोर श्री तेजसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. इटारसी, जि.सीहोर** श्री ओमप्रकाश जिनोदिया (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. मोगरा, जि.सीहोर श्री सुखराम वर्मा (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. निमोटा, जि.सीहोर** श्री दिलीपसिंह राजपूत (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बोरखेड़ाकलां, जि.सीहोर श्री कैलाश पंवार (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बाईबोड़ी, जि.सीहोर** श्री अशोक शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. चींच, जि.सीहोर श्री मोहनलाल पंवार (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बालागाँव, जि.सीहोर** श्री विनोद यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. राला, जि.सीहोर श्री अरुण कुमार यादव (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. पिपलानी, जि.सीहोर** श्री अशोक शर्मा (प्रबंधक)
प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. सतराना, जि.सीहोर श्री राजेन्द्र पंवार (प्रबंधक)	**प्रा.कृ. साख सह. संस्था मर्या. बाँसीदेव, जि.सीहोर** श्री अशोक गौर (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री विकास नरवाल ने पदभार ग्रहण किया

मंडी बोर्ड के नवनियुक्त प्रबंध संचालक श्री विकास नरवाल ने पद ग्रहण कर मंडी बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की।

श्री विकास नरवाल का स्वागत करते भोपाल मंडी सचिव राजेन्द्रसिंह बघेल

श्री विकास नरवाल का स्वागत करते संयुक्त संचालक श्री चंद्रशेखर वशिष्ठ

श्री विकास नरवाल का स्वागत करते संयुक्त संचालक श्रीमती ऋतु चौहान

श्री नरवाल का स्वागत करते अपर संचालक श्री एस.बी. सिंह एवं दिनेश द्विवेदी

मंडी बोर्ड आंचलिक कार्यालय इंदौर में स्वाधीनता दिवस पर ध्वजारोहण करते संयुक्त संचालक श्री महेन्द्र सिंह चौहान, कार्यपालन यंत्री श्री जगदीश श्रीवास्तव एवं अन्य अधिकारीगण।

मंडी बोर्ड आंचलिक कार्यालय उज्जैन में स्वाधीनता दिवस पर ध्वजारोहण के पश्चात उप संचालक श्री प्रवीण शर्मा, कार्यपालन यंत्री श्री मधुकर पवार एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण।

अतिवृष्टि से प्रभावित फसलों का करायें सर्वे : श्री पटेल

इंदौर। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने इंदौर में कृषि अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को विगत दिनों हुई अतिवृष्टि के कारण प्रभावित हुई फसलों का सर्वे कराने के निर्देश दिये। श्री पटेल ने कहा कि सर्वे वीडियोग्राफी के साथ कराया जाना सुनिश्चित करें। मंत्री श्री पटेल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सर्वे के साथ फसलों का पंचनामा भी बनाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पंचनामे की एक कॉपी किसान को उपलब्ध करायें और एक-एक कॉपी ग्राम पंचायत के कार्यालय और कृषि विभाग में रखें। श्री पटेल ने नकली खाद-बीज विक्रेताओं के विरुद्ध सतत कार्यवाही करने को कहा है। उन्होंने कहा कि कृषि उपज मण्डियों की भी सतत मॉनीटरिंग की जाकर सुनिश्चित किया जाये कि किसानों के साथ किसी प्रकार की नाइंसाफी न हो। मंत्री श्री पटेल ने देवास जिले के हाटपिपल्या के ग्राम लसूड़िया में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र भक्ति, स्वाभिमान और देशप्रेम की प्रेरणा शहीद-ए-आजम से प्राप्त करने का आव्हान किया।

जिला सहकारी बैंक देवास 417.96 लाख के लाभ में

देवास। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. देवास की 70वीं वार्षिक साधारण सभा बैंक के प्रधान कार्यालय में हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त सहकारिता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री के.एन. त्रिपाठी ने कहा कि बैंक के अधीन संपूर्ण शाखाएँ कम्प्यूटरीकृत हो गई हैं। बैंक द्वारा सम्पूर्ण ग्राहकों को कोर बैंकिंग सुविधा प्रदान की जा रही है तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से आरटीजीएस एवं एनईएफटी सुविधा के लिए अनुबंध किया गया है। एसएमएस अलर्ट सुविधा, डीबीटीएल सुविधा भी प्रदान की जा रही है। नाबार्ड के मार्गदर्शन में आईसीआईसीआई बैंक से ग्राहकों को एटीएम की सुविधा भी दी जा रही है।

आलोच्य वर्ष में बैंक द्वारा 417.96 लाख का लाभ अर्जित किया गया है। 1190.50 लाख के संचित लाभ में आ गया है। बैंक द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड योजनांतर्गत 171664 कृषकों को केसीसी वितरित किया गया है। बैंक की अंशपूँजी 47 करोड़ 82 लाख 6 हजार रु. हुई है। वर्ष 2020-21 अंकेक्षण वर्ष में बैंक की कुल अमानतें 544 करोड़ 11 लाख 27 हजार हो गई है जो कि विगत वर्ष से 157 करोड़ 13 लाख 5 हजार अधिक है। बैंक की कुल निधियाँ 87 करोड़ 85 लाख 27 हजार रही। वर्ष में निधियों में 12 करोड़ 97 लाख 44 हजार की वृद्धि की गई। बैंक द्वारा वर्ष में 60.86 प्रश ऋण वसूली की गई जबकि समिति स्तर पर वसूली 82.53 प्रश रही। बैंक द्वारा 656 करोड़ 12 लाख का अल्पकालीन कृषि ऋण वितरण किया गया। नाबार्ड के सहयोग से बैंक द्वारा मोबाइल एटीएम सुविधा भी दी जा रही है। वर्ष 2021-22 की प्रस्तावित योजनाओं में बैंक के संपूर्ण ग्राहकों को कोर बैंकिंग सुविधा प्रदान करना है। साथ ही जिले के सभी किसानों को फसलों के बीमा के साथ दुर्घटना बीमा का लाभ दिलाना भी प्रमुख योजनाओं में एक है।

इस अवसर पर प्रबंधक श्री पी.एस. पुरी, स्थापना अधीक्षक श्री सत्येन्द्र व्यास, प्रभारी विपणन अधिकारी श्री दत्तात्रेय सिंह सोलंकी, मुकेश त्रिवेदी, रूपकिशोर गुप्ता, घनश्याम वर्मा, संजय कुमार जोशी सहित अनेक बैंक ग्राहक और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिवस की अनेक बधाइयाँ
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
75वें स्वाधीनता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण
सौजन्य से
श्री प्रकाश शर्मा (शा.प्र. खातेगाँव)
श्री राजेन्द्र रजावत (पर्यवेक्षक खातेगाँव)
श्री कमल तंवर (शा.प्र. सतवास)
श्री चन्द्रमौलि शुक्ला (कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक)
श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)
श्री महेन्द्र दीक्षित (उपायुक्त सहकारिता)
श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)
डॉ. के.एन. त्रिपाठी (वरिष्ठ महाप्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. खातेगाँव, जि.देवास श्री दिनेश चौहान (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. पी. नानकार, जि.देवास श्री कैलाश मीणा (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सतवास, जि.देवास श्री गणेश वर्मा (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. अजनास, जि.देवास श्री सुरेश जोशी (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. काकरिया, जि.देवास श्री संतोष जायसवाल (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. अतवास, जि.देवास श्री तुलसीराम यादव (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. जियागाँव, जि.देवास श्री बृजमोहन वर्मा (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सोमगाँव, जि.देवास श्री बलराम यादव (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. पिपलकोटा, जि.देवास श्री संतोष तिवारी (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. इकलेरा, जि.देवास श्री महेन्द्र रजावत (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. मुरझाल, जि.देवास श्री मनोहर पंवार (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. नामनपुर, जि.देवास श्री सुरेशचंद्र कर्मा (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. नेमावर, जि.देवास श्री ओमप्रकाश शर्मा (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. संदलपुर, जि.देवास श्री रामकृष्ण पटेल (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. निमासा, जि.देवास श्री कैलाशचंद्र मालवीय (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. खल, जि.देवास श्री महेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. विक्रमपुर, जि.देवास श्री दिनेश शर्मा (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. खारिया, जि.देवास श्री गोविन्द यादव (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. हरणगाँव, जि.देवास श्री रमेश यादव (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. पटरानी, जि.देवास श्री कमल अरोरा (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. डाबरी, जि.देवास श्री जगदीश यादव (प्रबंधक)
समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिवस की अनेक बधाइयाँ

75वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड | कृषि यंत्र के लिए ऋण | खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण

सौजन्य से
श्री गणपति पिपरदे
(शा.प्र. आमला)
श्री शिवशंकर मालवीय
(शा.प्र. खेड़ीकोर्ट)
श्री मुकुल वर्मा
(शा.प्र. बैतुल बाजार)
श्री एस.के. पद्माकर
(शा.प्र. भीमपुर)

श्री बी.एस. शुक्ला
(संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री के.व्ही. सोरते
(प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री एम.ए. कमाली
(संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री आलोक यादव
(वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. आमला, जि.बैतूल श्री रमेश पाण्डे (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बोरदेही, जि.बैतूल** श्री भवेन्द्र साहू (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. गौला, जि.बैतूल** श्री गुलाबराव बोरवन (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. अंधारिया, जि.बैतूल श्री शिवप्रसाद चौहान (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. चोपना, जि.बैतूल** श्री सुदामा सोनी (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बैतूल बाजार, जि.बैतूल** श्री अभय पात्रिकर (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. ससुन्द्रा, जि.बैतूल श्री धर्मराज उघड़े (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. कलमेश्वरा, जि.बैतूल** श्री महेन्द्रसिंह ठाकुर (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सोहागपुर, जि.बैतूल** श्री योगेश गढ़ेकर (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. तिरमहु, जि.बैतूल श्री संतोष देशमुख (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. डंगारिया, जि.बैतूल** श्री मधुपाल जी (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बारव्ही, जि.बैतूल** श्री यादवराव मालवीय (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. जम्बाड़ा, जि.बैतूल श्री साहेबराव गीते (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. खेड़ीकोर्ट, जि.बैतूल** श्री चंद्रशेखर पंडाग्रे (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. भीमपुर, जि.बैतूल** श्री नरेन्द्र आर्य (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. रतेड़ाकला, जि.बैतूल श्री सुभाष कापसे (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. सांईखेड़ा, जि.बैतूल** श्री उत्तमराव काले (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. रतनपुर, जि.बैतूल** श्री सर्वराज सोनारे (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. बारंगवाड़ी, जि.बैतूल श्री अशोक पंवार (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. साबड़ी, जि.बैतूल** श्री जगदीश धाकड़ (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. चिल्लौर, जि.बैतूल** श्री दिलीप राठौर (प्रबंधक)
प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. छिप. पिपरिया, जि.बैतूल श्री हंसलाल उईके (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. एनखेड़ा, जि.बैतूल** श्री रवीन्द्र पंडाग्रे (प्रबंधक)	**प्राथमिक कृषि साख सह. संस्था मर्या. दामजीपुरा, जि.बैतूल** श्री मदन परते (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

देव संस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज हरिद्वार के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पंड्या दिल्ली में लोकसभा स्पीकर श्री ओम बिरला के आवास पर पहुंचे, जहां श्री बिरला ने सपत्नीक उनका स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. पंड्या ने उनके आवास पर देव स्थापना के साथ गायत्री यज्ञ किया एवं उन्हें परम पूज्य गुरुदेव का साहित्य भेंट किया।

उत्तरप्रदेश के जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. झाँसी में नाबार्ड के सहयोग से बनने वाले वेयरहाउस लोकार्पण समारोह में बैंक के अध्यक्ष श्री जयदेव पुरोहित, श्री पुरुषोत्तम स्वामी, जितेन्द्र दीक्षित एवं अन्य।

सड़कों का मरम्मत कार्य युद्ध स्तर पर शुरू करें

भोपाल। भोपाल शहर में मुख्य मार्गों और आंतरिक मार्गों का युद्ध स्तर पर मरम्मत कार्य प्रारंभ किया जाएगा। संभागायुक्त श्री कवीन्द्र कियावत ने संभागायुक्त कार्यालय में समस्त निर्माण एजेन्सियों के अधिकारियों को इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए हैं। श्री कियावत ने कहा है कि सभी अधिकारी मॉनीटरिंग के लिए तैयार रहे, ठेकेदार अपनी मनमानी से कोई कार्य नहीं करें। यह भी ध्यान रखें कि निर्माण की प्राथमिकता निर्माण एजेंसी नहीं अधिकारी तय करें। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री केवीएस चौधरी कोलसानी सहित पीडब्ल्यूडी, बीडीए और नगर निगम के आला अधिकारी उपस्थित थे। श्री कियावत ने बैठक में नगर निगम, लोक निर्माण और सीपीए आदि के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शहर में बारिश से जर्जर हुई सड़कों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य के दौरान गुणवत्ता को पहली प्राथमिकता में रखें और कुछ भी गफलत होने पर ठेकेदार से पहले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि एक अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक मरम्मत योग्य समस्त मुख्य तथा आंतरिक मार्गों का रख-रखाव तय समय-सीमा में सुनिश्चित करें और आम नागरिकों को हो रही असुविधा से निजात दिलायें। संभागायुक्त ने सभी अधिकारियों से कहा कि सड़क के नाम, उस पर होने वाले निर्माण कार्य और समय-सीमा के मान से आगामी 26 सितम्बर तक प्लान भी प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी गुणवत्तायुक्त कार्य करें। इसके लिए अधिकारी प्रतिदिन युद्ध स्तर पर होने वाले कार्यों की रूप-रेखा अनुसार मॉनीटरिंग भी सुनिश्चित करें ताकि क्वालिटी से कोई समझौता नहीं हो सके।

छत्तीसगढ़ अपेक्स बैंक 27 करोड़ रुपये के लाभ में

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) के अध्यक्ष श्री बैजनाथ चन्द्राकर की अध्यक्षता में अपेक्स बैंक की 22वीं वार्षिक आमसभा का आयोजन प्रधान कार्यालय में हुआ। श्री बैजनाथ चन्द्राकर ने बताया कि वर्ष 2020-21 में बैंक को 27 करोड़ रूपए का मुनाफा हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ में अपेक्स बैंक की दो नवीन शाखाएं लैलूंगा और कुनकुरी में शीघ्र ही प्रारंभ होंगी। बैंक शाखा प्रारंभ करने के लिए रिजर्व बैंक से अनुमति प्राप्त हो गई है।

वार्षिक आम सभा में श्री बैजनाथ चन्द्राकर ने बैंक की वित्तीय स्थिति प्रस्तुत करते हुए बताया कि अपेक्स बैंक की अंशपूंजी राशि 159 करोड़ रूपए, रक्षित निधियां 388 करोड़ रूपए, ऋण एवं निधियां 2628 करोड़ रूपए और स्वयं की निधियां 309 करोड़ रूपए है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ में अपेक्स बैंक की तीन शाखाएं थी, जो अब बढ़कर 12 हो गई है।

आमसभा में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी आवास संघ के प्रतिनिधि एवं विधायक रायपुर ग्रामीण श्री सत्यनारायण शर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ के अध्यक्ष श्री मोतीलाल देवांगन, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रायपुर के अध्यक्ष श्री पंकज शर्मा, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक दुर्ग के अध्यक्ष श्री जवाहर वर्मा, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक अंबिकापुर के अध्यक्ष श्री रामदेवराम, उप सचिव सहकारिता विभाग श्री पी.एस. सर्पराज, अपर पंजीयक सहकारी संस्थाएं श्री हितेश दोषी, अपेक्स बैंक प्रबंध संचालक श्री के.एन. कान्डे, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक राजनांदगांव के सीईओ श्री सुनील वर्मा, नागरिक सहकारी बैंक दुर्ग के प्रतिनिधि श्री रूगटा, नागरिक सहकारी बैंक रायपुर के प्रतिनिधि श्री आर.के. ठाकुर, महिला नागरिक सहकारी बैंक महासमुंद के प्रतिनिधि श्रीमती अनिता रावटे एवं अपेक्स बैंक कर्मचारी सहकारी शाख समिति रायपुर के प्रतिनिधि श्री अजय भगत मौजूद रहें।

सुचारू धान खरीदी के लिए सहकारी बैंक अध्यक्षों की बैठक

रायपुर। राज्य में खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धान खरीदी व्यवस्था के सुचारू संचालन के संबंध में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रायपुर में बैठक ली गई। इसमें अपेक्स बैंक के अध्यक्ष श्री बैजनाथ चन्द्राकर तथा विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा की उपस्थिति में समस्त जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्षों के साथ विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में धान खरीदी के दौरान समितियों के उर्पाजन केन्द्रों की विसंगतियों के निवारण, भण्डारण सुरक्षा तथा उठाव आदि के संबंध में अध्यक्षों से सुझाव लिए गए। इसके आधार पर तैयार प्रतिवेदन को धान खरीदी के लिए गठित मंत्रिमंडलीय कमेटी के सदस्य कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे तथा वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बैठक में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रायपुर के अध्यक्ष श्री पंकज शर्मा, दुर्ग बैंक के अध्यक्ष श्री जवाहर वर्मा, अंबिकापुर बैंक के अध्यक्ष श्री रामदेव राम, बिलासपुर बैंक के अध्यक्ष श्री प्रमोद नायक एव अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री के.एन. कान्डे, अपेक्स बैंक डीजीएम श्री भूपेश चंद्रवंशी, प्रबंधक श्री अभिषेक तिवारी, संवर्ग अधिकारी श्री पंकज सोढ़ी एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैक रायपुर के सीईओ श्री एस.के.जोशी उपस्थिति थे।

दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण
किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
71वें जन्मदिवस पर जन-जन के लाड़ले नेता और भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदीजी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ
श्री गणेश सोनकुसरे
(उपायुक्त सहकारिता)
समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण
श्री नीरज कुमार सिंह (कलेक्टर एवं प्रशासक)
श्री एम.ए. कमाली (संभागीय शाखा प्रबंधक)
श्री दिलीप चौहान (प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. अमरगढ़, जि.राजगढ़ श्री ओमप्रकाश यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. नापानेरा, जि.राजगढ़ श्री कमलेश कुमार यादव (प्रबंधक)
सौजन्य से श्री संजय नामदेव (शा.प्र. सुठालिया) श्री के.एन.नागर (शा.प्र. छापीहेड़ा)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बगवाज, जि.राजगढ़ श्री लाखन लववंशी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बिसोनिया, जि.राजगढ़ श्री रूपेन्द्रसिंह राठौर (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. कानेड, जि.राजगढ़ श्री शिवराजसिंह लोधी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. मउ, जि.राजगढ़ श्री जालमसिंह (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. सिमरोल, जि.राजगढ़ श्री राधेश्याम यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. खनोटा, जि.राजगढ़ श्री जगदीश यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. सिलपटी, जि.राजगढ़ श्री गोकुलप्रसाद मीना (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. छापीहेड़ा, जि.राजगढ़ श्री महेश कुमार गुप्ता (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. गोवर्धनपुरा, जि.राजगढ़ श्री हेमराज यादव (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. सुठालिया, जि.राजगढ़ श्री हरिगिर गोस्वामी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. मोहन, जि.राजगढ़ श्री महेश कुमार गुप्ता (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. गागाहोनी, जि.राजगढ़ श्री रामेश्वर गुप्ता (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बामनगाँव, जि.राजगढ़ श्री नारायणसिंह उमठ (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. भाटखेड़ा, जि.राजगढ़ श्री रायसिंह दांगी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. टोडी, जि.राजगढ़ श्री रामेश्वर गुप्ता (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. कुआखेड़ा, जि.राजगढ़ श्री रायसिंह दांगी (प्रबंधक)
प्रा.कृ.साख सह. संस्था मर्या. ब्यावराकलां, जि.राजगढ़ श्री महेश कुमार गुप्ता (प्रबंधक)
समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

सभी फसलों के लिए उपयोगी
गंगा एवं
जय जवान
सिंगल सुपर फॉस्फेट (रत्नम)
NPK मिक्स फर्टिलाईजर
12:32:06 • 20:20:10
08:32:08 • 15:15:7½
देवपुत्र®
सभी फसलों का उत्कृष्ट प्रमाणित बीज
सिंगल सुपर फॉस्फेट (रत्नम)
कार्बनिक खाद मिश्रण
सिटी कम्पोस्ट | वर्मी कम्पोस्ट
ऑर्गेनिक मेन्युअर
प्रॉम खाद
रत्नम
जिंक सल्फेट 21%
सिंगल सुपर फॉस्फेट (पावडर एवं दानेदार)
NPK मिक्स फर्टिलाईजर
12:32:06 • 20:20:10
08:32:08 • 15:15:7½
सभी सहकारी समितियों एवं विपणन संघ केन्द्रों पर उपलब्ध
दिव्यज्योति एग्रीटेक प्रा.लि.
चातक एग्रो (इं) प्रायवेट लिमिटेड
बालाजी फॉस्फेट्स प्रायवेट लिमिटेड
305, उत्सव एवेन्यू, 12/5, उषागंज (जावरा कम्पाउण्ड), इन्दौर (म.प्र.)
फोन: 0731-4064501, 4087471, मोबाइल: 98272-47057, 98270-90267, 94251-01385

● आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा 'वैदिक'
अध्यक्ष : म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद
376, म.गाँ. मार्ग (बड़े गणपति के पास), इंदौर
फोन : 0731-2414181, मो. 9755014181

मेष

आर्थिक प्रयासों में तेजी आएगी। संतान पक्ष के कार्यों में सहयोग देना होगा। विद्यार्थी वर्ग अनुकूल स्थिति पाएंगे। नौकरीपेशा भी अनुकूल स्थिति पाएंगे। प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी। रुके कार्य स्वप्रयत्नों से पूरे होंगे।

वृषभ

मानसिक प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से समय अनुकूल रहेगा। उत्साहजनक समाचार मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय की स्थिति ठीक हेगी। नौकरीपेशा भी अनुकूल स्थिति पाएंगे।

मिथुन

भाग्यबल द्वारा आपके कार्य बनेंगे। व्यापार-व्यवसाय की स्थिति अनुकूल रहेगी। नौकरीपेशा अनुकूल स्थिति पाएंगे। संतान के कार्यों में खर्च होगा। परिवार में शुभ कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी।

कर्क

अधिकारी वर्ग का सहयोग मिलने से कार्य कुशलतापूर्वक बनेंगे। धन-कुटुम्ब के मामलों में सहयोग के साथ उत्तम स्थिति रहेगी। आर्थिक मामलों में स्वप्रयत्नों द्वारा लाभान्वित होंगे। सोचे कार्यों में थोड़ी बाधा रहेगी।

सिंह

प्रभाव में वृद्धि होगी, वहीं स्वास्थ्य ठीक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य संबंधित मामलों में सावधानी रखना होगी। व्यापार-व्यवसाय में संतोषजनक स्थिति रहेगी। जमीनी कार्य से लाभार्जन कर सकते हैं।

कन्या

ईष्ट मित्रों व भाइयों का सहयोग मिलेगा। साझेदारी के कार्य में अनुकूल स्थिति रहेगी। नौकरीपेशा के लिए समय मिला-जुला रहेगा। अधिकारी वर्ग का सहयोग लेकर चलें। स्वास्थ्य अधिकतम ठीक रहेगा।

तुला

दांपत्य जीवन में मधुर वातावरण रहेगा। संतान पक्ष में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थी वर्ग में अनुकूल स्थिति रहेगी। आर्थिक प्रयासों में अनुकूल सफलता पाएंगे। नौकरीपेशा के लिए समझदारी से चलना होगा।

वृश्चिक

इच्छित कार्य में सफल होंगे, मानसिक सुख-शांति रहेगी। पारिवारिक सहयोग के साथ खर्च होगा। मातृपक्ष से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सुखद स्थिति पाएंगे। अधिकारी वर्ग भी सुखद स्थिति पाएंगे।

धनु

पारिवारिक सहयोग के साथ खर्च होगा। भाग्य में अनुकूल स्थिति होने से प्रगतिपूर्ण वातावरण रहेगा। पिता का किसी कार्य में सहयोग लाभकारी रहेगा। व्यापार-व्यवसाय की स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

बाहरी व्यक्तियों से सावधानीपूर्वक वार्तालाप करें व यात्रा में भी सावधानी रखना होगी। स्थानीय मामलों में सफलता के साथ प्रसन्नता रहेगी। स्त्री पक्ष के मामलों में सावधानी रखना होगी।

कुम्भ

भाग्य में अनुकूलता होने से कार्य में प्रगति आएगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। नौकरीपेशा अपने कार्य में प्रगति के साथ लाभान्वित होंगे। पिता का किसी कार्य में सहयोग लाभकारी रहेगा। शत्रुपक्ष पर प्रभाव बना रहेगा।

मीन

भाग्य में अनुकूल स्थिति होने से प्रगतिपूर्ण वातावरण रहेगा। पारिवारिक सुख-शांति रहेगी। अधिकार क्षेत्र में वृद्धि पाएंगे। विद्यार्थी वर्ग अनुकूल स्थिति पाएंगे। नौकरीपेशा के लिए सहयोगवादी समय रहेगा।

दीपिका को ग्लोबल अचीवर्स अवार्ड

बॉलीवुड की मशहूर और बेहतरीन अदाकारा दीपिका पादुकोण ने हाल ही में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। दरअसल, अभिनेत्री ने एक अंतरराष्ट्रीय मंच द्वारा 'बॉलीवुड में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' के लिए ग्लोबल अचीवर्स अवार्ड 2021 अपने नाम कर लिया है। खास बात यह है कि इस अवॉर्ड को जीतने वाली दीपिका भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की एकमात्र कलाकार बन गई हैं। उनसे पहले आज तक यह पुरस्कार किसी भी भारतीय कलाकार ने हासिल नहीं किया है। दीपिका एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं, जिनकी दुनिया भर में फैन फॉलोइंग है। इससे पहले भी वह अपनी अदाकारी के लिए कई अवॉर्ड्स जीत चुकी हैं। इस अवॉर्ड के लिए अलग- अलग कैटेगरी में बराक ओबामा, जेफ बेजोस, क्रिस्टियानो रोनाल्डो सहित दुनियाभर से 3000 से ज्यादा प्रभावशाली सेलेब्स के नामांकन प्राप्त हुए है। ऐसे में जूरी के लिए विजेताओं के नाम को चयनित करना काफी मुश्किल था क्योंकि सभी नॉमिनेशन का अपने-अपने क्षेत्र में एक सफल ट्रैक रिकॉर्ड रहा है।

21 की उम्र में हुआ प्यार

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने अपने एक इंटरव्यू में बताया कि उनका पहला सीरियस रिलेशनशिप पांच साल तक चला था और उसके बाद उनका ब्रेकअप हुआ था। यह पहली बार है, जब सोनाक्षी सिन्हा ने अपने पहले रिलेशनशिप को लेकर खुलकर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि स्कूल टाइम में भी उनका रिलेशनशिप चला था, लेकिन यह सीरियस नहीं था और ब्वॉयफ्रेंड के साथ उनका ब्रेकअप जल्दी हो गया था। उन्होंने कहा कि स्कूल के बाद जब उनका सीरियस रिलेशनशिप हुआ, तो काफी लंबा चला। बता दें कि अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा, अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा और पूनम सिन्हा की बेटी हैं। उनका पहला सीरियस रिलेशनशिप 20 साल की उम्र के बाद हुआ था। उन्होंने कहा, जब मैं स्कूल में थी उस वक्त मेरा एक प्यारा रिश्ता था। लेकिन ग्रेजुएशन में मैंने उनसे 'ओके बाय' बोल दिया और इसके बाद मेरा सीरियस अफेयर हुआ।

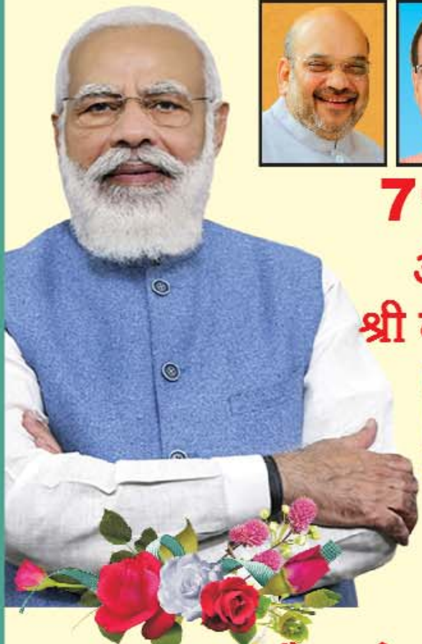

71वें जन्मदिवस पर जन-जन के लाड़ले नेता और भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदीजी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ

75वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

किसान क्रेडिट कार्ड
कृषि यंत्र के लिए ऋण
खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण
दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)
मत्स्य पालन हेतु ऋण
स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

सौजन्य से

श्री हुकुमसिंह राजपूत (शा.प्र. कोठरी)
श्री जगदीश शर्मा (पर्य. कोठरी)
श्री दयाराम पाटीदार (शा.प्र. मेहतवाड़ा)
श्री मनोहर सिंह (पर्य. मेहतवाड़ा)

श्री चंद्रमोहन ठाकुर (कलेक्टर एवं प्रशासक)

श्री भूपेन्द्र सिंह (उपायुक्त सहकारिता)

श्री मुकेश श्रीवास्तव (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. बेदाखेड़ी, जि.सीहोर
श्री जगदीश शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. धामन्दा, जि.सीहोर
श्री घीसीलाल वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. ग्वाखेड़ा, जि.सीहोर
श्री अजबसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. मेहतवाड़ा, जि.सीहोर
श्री मनोहर ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. कोठरी, जि.सीहोर
श्री इन्दरसिंह चौहान (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. ग्वाली, जि.सीहोर
श्री दीनदयाल दुबे (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. निपानिया, जि.सीहोर
श्री जगदीश शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. भाऊखेड़ा, जि.सीहोर
श्री जयसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. अमलाहा, जि.सीहोर
श्री चन्दरसिंह वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. फूडरा, जि.सीहोर
श्री यशवंतसिंह ठाकुर (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

71वें जन्मदिवस पर जन-जन के लाड़ले नेता और भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदीजी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ

स्वाधीनता दिवस की 74वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ

किसान क्रेडिट कार्ड	कृषि यंत्र के लिए ऋण	खेत पर शेड निर्माण हेतु ऋण	दुग्ध डेयरी योजना (पशुपालन)	मत्स्य पालन हेतु ऋण	स्थायी विद्युत कनेक्शन हेतु ऋण

समस्त किसानों को 0% ब्याज पर ऋण

श्री बी.एल. मकवाना (संयुक्त आयुक्त सहकारिता)

श्री मनोज गुप्ता (प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता)

श्री रवि ठक्कर (संभागीय शाखा प्रबंधक)

श्री के.के. रायकवार (वरिष्ठ महाप्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. गुलाना, जि.शाजापुर
श्री मोहनलाल बैरागी (प्रबंधक)

<u>सौजन्य से</u> श्री मंगलसिंह चौहान (शा.प्र. पनवाड़ी) श्री बाबूलाल परमार (शा.प्र. सलसलाई)
श्री महेश कुमार (पर्य. पनवाड़ी) श्री बाबूलाल राजपूत (पर्य. सलसलाई)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. पनवाड़ी, जि.शाजापुर
श्री कपिल प्रकाश केलवा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. तिगजपुर, जि.शाजापुर
श्री लखनसिंह कुंभकार (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. केंवड़ाखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री मानसिंह परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. गोदना, जि.शाजापुर
श्री रामनारायण परमार (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. रसूलपुर, जि.शाजापुर
श्री चन्दरसिंह वर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. दुधाना, जि.शाजापुर
श्री बाबूलाल राठौर (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. भैंसराय, जि.शाजापुर
श्री शेरसिंह पंवार (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. मंगलाज, जि.शाजापुर
श्री मोहनसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. मोहना, जि.शाजापुर
श्री राजीव शर्मा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. सलसलाई, जि.शाजापुर
श्री रामप्रसाद मेवाड़ा (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. दास्ताखेड़ी, जि.शाजापुर
श्री हरिदास वैष्णव (प्रबंधक)

प्रा.कृ.साख सहकारी संस्था मर्या. नौलाया, जि.शाजापुर
श्री कुमेरसिंह मेवाड़ा (प्रबंधक)

समस्त संस्थाओं के प्रशासकों की ओर से

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक बृजेश त्रिपाठी द्वारा वी.एम. ग्राफिक्स, के-29, एलआयजी कॉलोनी, इंदौर से मुद्रित एवं 111-ए ब्लॉक, शहनाई-II, रेसीडेन्सी कनाड़िया रोड, इन्दौर से प्रकाशित (फोन : 0731-2595563, 9752558186, 8989179472, संपादक : बृजेश त्रिपाठी, प्रकाशन दिनांक : 17